आज का तापमान

	अधिकतम	न्यूनतम
लखनऊ	27°C	13°C

इनसाइड न्यूज

जनप्रतिनिधियों के समन्वय से कराएं रोड रिस्टोरेशन और जलापूर्ति का...
उत्तर प्रदेश पेज: 03

लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

जन एक्सप्रेस

मंगलवार 03 दिसंबर, 2024 / पेज: 12 / मूल्य: ₹3.00/- लखनऊ वर्ष: 16, अंक: 52

www.janexpresslive.com/epaper

भाजपा पर्यवेक्षकों के नाम का एलान... 12

किसानों के दिल्ली कूच से शहर में लगा महाजाम

यूपी के किसान एक हफ्ते तक दिल्ली मार्च नहीं करेंगे, अफसरों से बैठक के बाद समझौता, दोपहर में पुलिस की बैरिकेडिंग तोड़ दी थी

जन एक्सप्रेस | नोएडा

यूपी के किसान दिल्ली कूच एक हफ्ते तक नहीं करेंगे। यह फैसला किसान नेताओं की ग्रेटर नोएडा, नोएडा और यमुना प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ हुई बैठक के बाद लिया गया। इसके बाद नोएडा एक्सप्रेस-वे से बैरिकेडिंग हटा दी गई और आवाजाही शुरू हो गई है। किसानों ने अपनी मांगों पर फैसला लेने के लिए केंद्र सरकार को एक हफ्ते का समय दिया है। इस दौरान किसान दलित प्रेरणा स्थल पर आंदोलन करेंगे। अगर एक हफ्ते में मांगे नहीं मानी गई, तो किसान फिर से दिल्ली कूच करेंगे। इससे पहले सोमवार दोपहर 12 बजे किसान नोएडा के महामाया फ्लाईओवर के पास इकट्ठा हुए। संसद का घेराव करने के लिए दिल्ली की तरफ बढ़े, तो पुलिस ने किसानों को दलित प्रेरणा स्थल पर रोक दिया। किसानों की पुलिस से नोकझोंक हो गई। पुलिस ने किसानों को रोकने के लिए दिल्ली-यूपी को जोड़ने वाले चिल्ला बॉर्डर पर जगह-जगह बैरिकेडिंग कर दी थी। लेकिन, किसानों ने पुलिस की बैरिकेडिंग तोड़ दी। हालांकि, वज्र वाहन और आरएफ के जवान तैनात थे, ड्रोन से निगरानी हो रही थी। नोएडा एक्सप्रेस-वे दोनों तरफ से बंद होने और वाहनों की चेकिंग के चलते 5 किलोमीटर लंबा जाम लग गया था।

किसानों की प्रमुख मांगें

- किसानों को जमीन अधिग्रहण के बदले 10 प्रतिशत प्लाट दिया जाए।
- 64.7 प्रतिशत की दर से किसानों को मुआवजा मिले।
- नए भूमि अधिग्रहण कानून के अनुसार, बाजार दर का 4 गुना मुआवजा दिया जाए।
- भूमिधर, भूमिहीन किसानों के बच्चों को रोजगार और पुनर्वास के सभी फायदे दिए जाएं।

नोएडा ट्रैफिक पुलिस ने जारी की एडवाइजरी, इन रूटों पर डायवर्जन

- चिल्ला बॉर्डर से ग्रेटर-नोएडा की ओर जाने वाले वाहन गोल चक्कर चौक से होकर संदीप पेपर मिल चौक, झुंडपुरा चौक जाएंगे।
- डीएनडी बॉर्डर से दिल्ली जाने वाले वाहन फिल्म सिटी फ्लाई ओवर से होकर जाएंगे।
- कालिंदी बॉर्डर दिल्ली से आने वाले वाहन महामाया फ्लाई ओवर से सेक्टर 37 होकर जाएंगे।
- ग्रेटर नोएडा से दिल्ली की ओर जाने वाले वाहन चरखा गोल चक्कर से कालिंदी कुंज होकर जाएंगे।
- ग्रेटर नोएडा से दिल्ली की ओर जाने वाले वाहन हाजीपुर अंडरपास से कालिन्दी कुंज की ओर जाएंगे।
- यमुना एक्सप्रेस-वे का प्रयोग कर दिल्ली जाने वाला यातायात जेवर टोल से खुर्जा की ओर उतरकर जहांगीरपुर होकर जाएंगे।
- पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे से उतरकर सिरसा, परीचौक होकर दिल्ली जाने वाला यातायात सिरसा पर न उतरकर दादरी, डासना होकर जाएंगे।

किसानों और प्राधिकरणों में समझौता

मार्च को लेकर अड़े किसानों और तीनों प्राधिकरणों के बीच कई घंटे की बातचीत हुई। इस दौरान ग्रेटर नोएडा, नोएडा और यमुना प्राधिकरण ने किसानों से एक हफ्ते का समय मांगा। किसानों ने अधिकारियों की बात मान ली है। किसानों का कहना है कि दलित प्रेरणा स्थल में एक हफ्ते तक इंतजार करेंगे। अगर एक हफ्ते में बात नहीं मानी गई, तो फिर किसान मोर्चा दिल्ली कूच करेगा। फिलहाल एक्सप्रेस-वे से बैरिकेडिंग हटा दी गई है और आवाजाही शुरू हो गई है। किसानों से हुई बातचीत के दौरान यमुना ऑथोरिटी के ह्रस्ष शैलेंद्र सिंह, नोएडा अथॉरिटी के एसीईओ महेंद्र प्रसाद और ग्रेटर नोएडा अथॉरिटी के ह्रस्ष मौजूद रहे।

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान बोले, सरकार किसानों की बात सुनने के लिए तैयार

किसानों के दिल्ली चलो मार्च पर केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा- सरकार किसानों की बात सुनने के लिए और उनसे बात करने के लिए तैयार है। पिछली बार भी जिन कानूनों पर उनको ऐतराज था सरकार ने बिना किसी शर्त के उसे वापस लेने का काम किया। ये सरकार की नीयत को दर्शाता है कि पूरी तरीके से किसानों की भावना के साथ हमारी केंद्र की एनडीए काम करने का प्रयास कर रही है। बातचीत का रास्ता सरकार ने खोल रखा है। मुझे लगता है पहले बातचीत होनी चाहिए।

जॉइंट एसपी बोले, किसानों को रोकने के लिए थी लेयर सिक्योरिटी प्लान तैयार

नोएडा के जॉइंट एसपी शिवहरि मीना ने कहा, किसानों द्वारा दिल्ली कूच के आह्वान के लिए किसानों के साथ लगातार बातचीत जारी है। कल भी 3 घंटे हमने बातचीत की थी। हमने थ्री लेयर सिक्योरिटी प्लान तैयार किया है। इसके तहत लगभग 5 हजार कर्मचारी विभिन्न रास्तों पर चैकिंग कर रहे हैं। ट्रैफिक मैनेजमेंट भी किया जा रहा है। 1000 के करीब पीएसी के जवान तैनात हैं। इसके अतिरिक्त वाटर कैनन, टियर गैस स्क्वॉड और अन्य अनुशासनिक शाखाएं सुरक्षा व्यवस्था के लिए तैनात हैं।

'हमने पुख्ता इंतजाम किए'

दिल्ली डीसीपी अपूर्वा गुप्ता ने कहा, हमें अग्रिम जानकारी मिली थी कि कुछ किसान संगठनों ने दिल्ली कूच का ऐलान किया है। अभी सदन भी चल रहा है तो फिलहाल उन्हें नई दिल्ली में प्रवेश की अनुमति नहीं दी गई है। हमने अपनी ओर से पुख्ता इंतजाम किए हैं। हमारी कोशिश रहेगी कि दिल्ली में कानून व्यवस्था बाधित न हो, ट्रैफिक की समस्या ना आए और आम जनता को भी किसी प्रकार की परेशानी न आए। हम लगातार नोएडा पुलिस के संपर्क में हैं। जानकारी साझा कर रहे हैं। उनके साथ अच्छा समन्वय है।

साढ़े तीन घंटे बंद रहा एक्सप्रेस-वे, 3 किलोमीटर लंबी लगी वाहनों की लाइन

किसानों ने महामाया फ्लाईओवर के नीचे दोपहर 12 बजे से जुटना शुरू किया। भीड़ बढ़ने के साथ ही ग्रेटर नोएडा से नोएडा और दिल्ली आने वाले ट्रैफिक के लिए सिर्फ एक लेन बची। नारेबाजी के बीच किसान 12.40 बजे दिल्ली की तरफ बढ़े तो पूरी सड़क पर किसानों को देखते हुए फ्लाईओवर के पहले से एक्सप्रेस-वे का ट्रैफिक रोक दिया गया। ट्रैफिक सेक्टर-94 चरखा गोल चक्कर से मोड़कर दिल्ली की तरफ जाने वाले वाहनों को कालिंदीकुंज की तरफ डायवर्ट किया गया।

जाम में कई एंबुलेंस भी फंसीं

नोएडा-ग्रेनो एक्सप्रेस-वे बंद होने से लगे जाम में कई एंबुलेंस भी फंसी। पहले दो एंबुलेंस आने पर किसानों का दिल्ली कूच जब नहीं शुरू हुआ था तब महामाया फ्लाईओवर के पास से उनको रास्ता देकर निकाला गया। इसके बाद एक एंबुलेंस तब आ गई जब किसान दलित प्रेरणा स्थल के सामने बैरिकेडिंग के ऊपर चढ़ गए थे। यहां की बैरिकेडिंग में क्रेन व गाड़ियां भी शामिल थीं जिनको हटाना मुमकिन नहीं था। इसलिए एंबुलेंस मुड़वाकर दूसरे रास्ते से निकाली गई।

समुद्र मार्ग के जरिए होगा यूपी के आलू का निर्यात

केंद्र सरकार ने समुद्र मार्ग के जरिए आलू के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए एक पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया है

- 120 करोड़ रुपये की लागत से आगरा में अंतरराष्ट्रीय आलू केंद्र स्थापित होगा
- हापुड़ तथा कुशीनगर में बन रहे एक्सीलेंस सेंटर इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होंगे
- इन केंद्रों के निर्माण से किसानों को बेहतर गुणवत्ता के आलू के बीज मिलेंगे, जिससे उनकी उपज में वृद्धि होगी और आय में भी सुधार होगा

जन एक्सप्रेस | लखनऊ

प्रदेश के आलू किसानों को बहुत लाभ मिलने वाला है। केंद्र सरकार ने समुद्र मार्ग के जरिए आलू के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए एक पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया है, जिसमें आलू को भी शामिल किया गया है। इसे जमीनी स्तर पर साकार करने के लिए 120 करोड़ रुपये की लागत से आगरा में अंतराष्ट्रीय आलू केंद्र स्थापित होगा। उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा आलू उत्पादक राज्य है और यहां कन्नौज, फर्रुखाबाद जैसे जिलों में आलू की दोहरी फसल ली जाती है, ऐसे में इस प्रोजेक्ट का सबसे बड़ा लाभ यूपी के आलू उत्पादक किसानों को होने की संभावना है। आगरा में स्थापित होने वाला अंतरराष्ट्रीय आलू केंद्र (सीआईपी) और हापुड़ तथा कुशीनगर में बन रहे एक्सीलेंस सेंटर इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होंगे। सीआईपी केंद्र की स्थापना के लिए 120 करोड़ रुपये की लागत अनुमानित है, और यह 10 हेक्टेयर क्षेत्र में बनेगा। इन केंद्रों के निर्माण से किसानों को बेहतर गुणवत्ता के आलू के बीज मिलेंगे, जिससे उनकी उपज में वृद्धि होगी और आय में भी सुधार होगा। उत्तर प्रदेश की कृषि भूमि में आलू के बिना किसी सब्जी की कल्पना भी नहीं की जा सकती। यह न केवल हर समय सस्ती दरों पर उपलब्ध होता है, बल्कि इसके मूल्य में उतार-चढ़ाव भी मीडिया की सुर्खियां बनता है। अब समुद्र के रास्ते आलू का निर्यात बढ़ने से इसके मूल्य में तेजी और मंदी की खबरों पर कुछ हद तक रोक लगेगी।

योगी सरकार आलू किसानों के हित के लिए समर्पित

योगी सरकार आलू किसानों के हित में हमेशा सक्रिय रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने पहले कार्यकाल के शुरुआत में आलू किसानों के लिए बाजार हस्तक्षेप योजना लागू की थी, जो प्रदेश के इतिहास में एक अनोखी पहल थी। इसके बाद से ही सरकार ने किसानों के लिए बेहतर बीज, उचित दाम पर बीज की उपलब्धता और आलू के प्रसंस्करण के लिए मेगा फूड पार्क स्थापित करने जैसी कई योजनाएं बनाई हैं।

बिहार और पश्चिम बंगाल के किसानों को भी लाभ मिलेगा

इन केंद्रों के खुलने से उत्तर प्रदेश के आलू उत्पादक क्षेत्रों के साथ-साथ बिहार और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों के किसानों को भी लाभ मिलेगा। साथ ही, दक्षिण एशिया के अन्य आलू उत्पादक देशों को भी इन केंद्रों से फायदा होगा। इन केंद्रों का उद्देश्य आलू की अधिक उत्पादकता वाली और प्रसंस्करण योग्य किस्मों का विकास करना है। इसके अलावा, किसानों को आलू की खेती के नए तरीके सीखने का मौका मिलेगा, जिससे उनकी आय में वृद्धि होगी।

यूपी में प्रति हेक्टेयर आलू उत्पादन बढ़ाने के लिए शोध केंद्रों का खुलना फायदेमंद

उत्तर प्रदेश का आलू उत्पादन देश में सबसे अधिक है, हालांकि पश्चिम बंगाल प्रति हेक्टेयर अधिक उत्पादन करता है। पश्चिम बंगाल में प्रति हेक्टेयर आलू का उत्पादन 29.9 मीट्रिक टन है, जबकि यूपी में यह आंकड़ा 25.48 मीट्रिक टन है। इस गैप को खत्म करने और यूपी में प्रति हेक्टेयर आलू उत्पादन बढ़ाने के लिए शोध केंद्रों का खुलना बहुत फायदेमंद साबित हो सकता है।

प्रदेश का आलू उत्पादन और किसानों का लाभ बढ़ाना लक्ष्य

उत्तर प्रदेश के प्रमुख आलू उत्पादक जिले जैसे कन्नौज, फर्रुखाबाद, आगरा, मथुरा, अलीगढ़, मेरठ और लखनऊ अब एक नई दिशा में आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं। इन जिलों में आलू की खेती पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, ताकि प्रदेश का आलू उत्पादन और भी बढ़े और किसानों को अधिक लाभ हो। इस नए प्रोजेक्ट के माध्यम से यूपी के आलू किसानों को नई संभावनाओं का मार्गदर्शन मिलेगा, और इसके जरिए आलू की खेती से उनकी आय में भी उन्नति हो सकती है।

एआरआर प्रस्ताव मंजूर हुआ तो यूपी में 15 फीसदी बढ़ सकती हैं बिजली दरें, दिखाया गया भारी घाटा

- आयोग ने इस मसौदे को स्वीकृति दी तो प्रदेश में बिजली दरें करीब 15 फीसदी बढ़ सकती हैं
- कुल बिजली खरीद की लागत लगभग 92 हजार से लेकर 95 हजार करोड़ के बीच है

जन एक्सप्रेस | लखनऊ

पावर कॉर्पोरेशन ने बिजली निगमों की ओर से 30 नवंबर की शाम वर्ष 2025-26 का वार्षिक राजस्व आवश्यकता (एआरआर) का मसौदा नियामक आयोग में दाखिल कर दिया है। इसमें करीब 12800 से 13 हजार करोड़ का गैप (घाटा) दिखाया गया है। आयोग ने इस मसौदे को स्वीकृति दी तो प्रदेश में बिजली दरें करीब 15 फीसदी बढ़ सकती हैं। विद्युत निगमों की ओर से दाखिल किए गए मसौदे में वार्षिक राजस्व आवश्यकता यानी बिजली दर का मसौदा करीब एक लाख 16 हजार करोड़ रुपया दिखाया गया है। इसमें करीब 12 हजार 800 करोड़ का गैप दिखाते हुए आयोग से इसकी भरपाई की गुहार लगाई गई है। वर्ष 2025 -26 के लिए 16 हजार करोड़ यूनिट बिजली की आवश्यकता बताई गई है। कुल बिजली खरीद की लागत लगभग 92 हजार से लेकर 95 हजार करोड़ के बीच है। बिजली कंपनियों की तरफ से आरडीएसएस की वितरण हानियां 13.25 प्रतिशत को ही आधार माना गया है। सभी विद्युत निगमों में वर्ष 2025 -26 के लिए आकलित कुल घाटा करीब 12800 से 13000 करोड़ के बीच बताया गया है। प्रस्ताव की घाटे की भरपाई विद्युत नियामक आयोग पर छोड़ दिया गया है। ऐसे में नियामक आयोग इस घाटे को पूरा कराने का फैसला लेता है तो बिजली दर में करीब 15 से 20 फीसदी बढोतरी हो सकती है। खास बात यह है कि इस प्रस्ताव में दक्षिणांचल एवं पूर्वांचल को अलग नहीं किया गया है।

उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने आरोप लगाया है कि दाखिल किए गए एआरआर में निगमों पर उपभोक्ताओं का बकाया चल रहे 33122 करोड़ के एवज में बिजली दर में कमी का कोई प्रस्ताव नहीं दिया है। इसी तरह दक्षिणांचल एवं पूर्वांचल को भी अलग नहीं किया है। उपभोक्ता परिषद ने ऐलान किया कि कार्पोरेशन की ओर से गुपचुप प्रस्ताव दाखिल करने के मामले में नियामक आयोग में विरोध प्रस्ताव दाखिल किया जाएगा और आर पार की लड़ाई लड़ी जाएगी। घाटा उपभोक्ताओं पर थोप कर निजी घरानों को उपकृत करने के प्रयास को कामयाब नहीं होने दिया जाएगा।

अभी घरेलू उपभोक्ता की बिजली दर

यूनिट	शहरी	ग्रामीण
0-100 यूनिट तक	5.50 रुपये	3.35 रुपये
101 यूनिट तक	5.50 रुपये	3.85 रुपये
151-300 तक	6.00 रुपये	5.00 रुपये
300 से अधिक	6.50 रुपये	5.50 रुपये

पिछले साल 11 हजार करोड़ का बताया था घाटा

पिछले वर्ष कार्पोरेशन ने दाखिल किए गए एआरआर में 11 से 12 हजार करोड़ का गैप (घाटा) बताया था। 13.06 प्रतिशत लाइन हानियां दिखाई थी। कुल लागत लगभग 80 हजार करोड़ से 85 हजार करोड़ के बीच में आंकी थी। इसके पहले वर्ष 2023-24 में लगभग 92 हजार 547 करोड़ का वार्षिक राजस्व आवश्यकता दाखिल की गई थी।

उभोक्ताओं का बकाया और दोनों निगमों को नहीं किया अलग- वर्मा

उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने आरोप लगाया है कि दाखिल किए गए एआरआर में निगमों पर उपभोक्ताओं का बकाया चल रहे 33122 करोड़ के एवज में बिजली दर में कमी का कोई प्रस्ताव नहीं दिया है। इसी तरह दक्षिणांचल एवं पूर्वांचल को भी अलग नहीं किया है। उपभोक्ता परिषद ने ऐलान किया कि कार्पोरेशन की ओर से गुपचुप प्रस्ताव दाखिल करने के मामले में नियामक आयोग में विरोध प्रस्ताव दाखिल किया जाएगा और आर पार की लड़ाई लड़ी जाएगी। घाटा उपभोक्ताओं पर थोप कर निजी घरानों को उपकृत करने के प्रयास को कामयाब नहीं होने दिया जाएगा।

ऑक्सफोर्ड के अध्ययन में छाई पीएम मोदी की 'प्रगति' पहल, मंच के जरिए 340 आधारभूत परियोजनाओं को मिली गति

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

दुनिया के मशहूर विश्वविद्यालयों में से एक ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय ने अपने एक अध्ययन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल प्रगति की तारीफ की है। विश्वविद्यालय के एक अध्ययन में भारत में 201 अरब अमेरिकी डॉलर की लागत वाली 340 प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में तेजी लाने का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और उनके प्रगति मंच को दिया गया है। इनमें वे परियोजनाएं भी शामिल हैं जो तीन से 20 वर्षों में पूरी होनी थीं। अध्ययन में कहा गया है कि शासन में बदलाव के लिए दुनिया को प्रगति से सीखना चाहिए।

डिजिटल इंडिया के तहत शुरू हुआ था प्रगति मंच

प्रगति यानी प्रो-एक्टिव गवर्नेंस एंड टाइमली इम्प्लीमेंटेशन एक बहुउद्देश्यीय और बहु-मॉडल प्लेटफॉर्म है। प्रधानमंत्री मोदी ने डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के एक भाग के रूप में 25 मार्च 2015 को प्रगति का शुभारंभ किया था। सरकार के मुताबिक, यह प्रमुख हितधारकों के बीच वास्तविक समय की उपस्थिति और आदान-प्रदान के साथ ई-पारदर्शिता और ई-जवाबदेही लाने के लिए एक मजबूत प्रणाली भी है। यह कार्यक्रम अंतर-विभागीय संवाद अंतराल को कम करके मुद्दों को हल करने में प्रभावी साबित हुआ है, जिससे परियोजनाओं और योजनाओं के कार्यान्वयन में लगने वाला समय न्यूनतम हो गया है।

भारत का प्रगति मंच एक आकर्षक केस स्टडी

सरकार की इसी पहल पर इंग्लैंड के सबसे पुराने विश्वविद्यालय ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी ने एक अध्ययन किया है। प्रगति पहल पर किए गए अध्ययन को 'From Gridlock to Growth How Leadership Enables IndiaÓs PRAGATI Ecosystem to Power Progress' शीर्षक दिया गया है। अध्ययन से पता चलता है कि कैसे प्रधानमंत्री मोदी की पहल ने सरकार की विभिन्न परियोजनाओं की समस्याओं, उनकी निगरानी और समाधान को बदल दिया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत का प्रगति मंच इस बात की एक आकर्षक केस स्टडी है कि कैसे डिजिटल शासन विकास को गति दे सकता है।

आर्थिक विकास से परे भी प्रगति के प्रभाव

इसके अलावा, समय पर कार्यान्वयन पर ध्यान देने से आर्थिक लाभ हुआ है जिससे वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के दौरान भारत के लचीलेपन में योगदान मिला है। प्रगति के प्रभाव आर्थिक विकास से परे भी दिखते हैं। उन्होंने सामाजिक प्रगति और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने में मदद की है। सड़क, रेलवे, पानी और बिजली जैसी आवश्यक सेवाएं मुहैया करने वाली परियोजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाकर, प्रगति ने लाखों भारतीयों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार किया है।

उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए अनुकरणीय

रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रगति से मिली सीख विशेष रूप से प्रासंगिक हैं क्योंकि दुनिया भर के देश मध्य-आय के जाल से जूझ रहे हैं। यह प्लेटफॉर्म दर्शाता है कि शासन नवाचार, बुनियादी ढांचे में रणनीतिक निवेश के साथ मिलकर, निरंतर आर्थिक विकास और सामाजिक प्रगति के लिए आवश्यक परिस्थितियां बना सकता है। इसमें कहा गया है कि डिजिटल उपकरणों को अपनाने और सरकार के सभी स्तरों पर सहयोग को बढ़ावा देने के जरिए, भारत ने एक ऐसा रास्ता तैयार किया है जिसका अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाएं अनुकरण कर सकती हैं।

प्रगति से आर्थिक लाभ

रिजर्व बैंक और अन्य संस्थानों के मुताबिक, बुनियादी ढांचे में खर्च किया गया हर रुपया 2.5 से 3.5 गुना जीडीपी में योगदान करता है. यह मध्यम-आय वाले देशों के लिए एक प्रेरणा है जो विकास के जाल में फंसे हुए हैं. भारत की जीडीपी ग्रोथ को तेज करने में प्रगति मंच की परियोजनाओं का बड़ा योगदान है।

उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए अनुकरणीय

प्रगति पहल से सड़क, बिजली, पानी, और रेलवे जैसी बुनियादी सेवाओं की तेजी से उपलब्धता ने लाखों भारतीयों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार किया है. यह पहल एनवायर्नमेंटल प्रोटेक्शन और सस्टेनेबल डेवलपमेंट को प्रोत्साहित करती है.रिपोर्ट में कहा गया है कि डिजिटल डिवाइस को अपनाने और सरकार के सभी स्तरों पर सहयोग को बढ़ावा देने के जरिए, भारत ने एक ऐसा रास्ता तैयार किया है जिसका अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाएं सीख ले सकती हैं.

विकास का लाभ देश के सबसे दूरदराज के कोनों तक पहुंचाने में मददगार

विश्वविद्यालय की रिपोर्ट में कहा गया है कि यह मंच नौकरशाही की निष्क्रयता को दूर करने और टीम इंडिया की मानसिकता और जवाबदेही और दक्षता की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए भारत की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। प्रगति ने केंद्र और राज्य सरकारों के विविध हितधारकों को एक मंच पर लाया है और यह भूमि अधिग्रहण से लेकर अंतर-मंत्रालयी समन्वय तक बुनियादी ढांचे के विकास में कुछ सबसे जटिल चुनौतियों को हल करने में मददगार रहा है। इन पहलों ने न केवल परियोजना की समयसीमा में तेजी लाने के लिए वास्तविक समय के डेटा, ड्रोन फीड और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग का लाभ उठाया, बल्कि यह भी सुनिश्चित किया कि विकास का लाभ देश के सबसे दूरदराज के कोनों तक भी पहुंचे। रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि प्रगति का आर्थिक प्रभाव स्पष्ट है। भारतीय रिजर्व बैंक और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक फाइनेंस एंड पॉलिसी के अध्ययनों के अनुसार, बुनियादी ढांचे पर खर्च किए गए प्रत्येक रुपये के लिए भारत को जीडीपी में 2.5 से 3.5 रुपये का फायदा होता है। यह प्रभाव आर्थिक विकास को गति देने में अच्छी तरह से कार्यान्वित की गई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की अहम भूमिका को दर्शाता है।

सरकारी धन हड़प रहे प्रधान और सचिव

टीनशेड मरम्मत और तार फेंसिंग के नाम 70 हजार का फर्जी भुगतान

जन एक्सप्रेस। चित्रकूट

मानिकपुर विकास खण्ड की छेरिहा खुर्द ग्राम पंचायत में सरकारी धन की फ्लूटफ मची है। यहां बिना कार्य के ही फर्जी तरीके से भुगतान हो जा रहे है। शासन के लाख प्रयासों के बाद भी भ्रष्टाचार पर लगाम नहीं लग पा रहा। सरकार की तरफ से गांव के विकास के लिए आई धनराशि का धड़ल्ले से बंदरबांट किया जा रहा है। अवैध कमाई के चक्कर में सचिव व प्रधान नियम और कायदे ताक पर रखकर नियम विरुद्ध तरीके से भुगतान कर रहे हैं, जिन्हें कोई देखने वाला नहीं है। मानिकपुर विकास खण्ड के छेरिहा खुर्द ग्राम पंचायत में सचिव और प्रधान खुलेआम अनियमित भुगतान कर सरकारी धन को ठिकाने लगा रहे हैं। विकास के नामपर सिर्फ खानापूर्ति कर भारीभरकम भुगतान किया जा रहा है। जबकि ग्राम पंचायत छेरिहा की तरफ से नजर डालें तो खामियों की भरमार है। जबकि विकास कार्यों के नामपर भारीभरकम बजट खपाया गया है ग्राम पंचायत छेरिहा खुर्द में बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार को अंजाम दिया जा रहा है। यहां सचिव, प्रधान और फर्जी फर्म सप्लायर मिलकर सरकारी धन को हड़प रहे है। जो फर्म सीमेंट, ईंट, गिट्टी व रॉड की सप्लाई नहीं करता उसके नाम से फर्जी बिल लगाकर लाखों रुपए का गोलमाल करने का मामला प्रकाश में आया है। हैंडपंप सामग्री, समर्सिबल आदि मशीनरी सप्लायर फर्म के नाम हैंडपंप सामग्री और समर्सिबल खरीदी व मरम्मत के नामपर गलत तरीके से भुगतान किया गया है। गौशाला में तार फेंसिंग और तीनशेड मरम्मत के नामपर नामपर वित्तीय वर्ष 2024-25 में 27 अक्टूबर 2024 को 70 हजार 799 रुपए का फर्जी तरीके से भुगतान किया गया है। जबकि मौके में देखा जाय तो पिछली पंचवर्षीय में गौशाला निर्माण के दौरान लगाई गई कंटीली तार लगी हुई है। इसी तरह से गौशाला के तीनशेड में भी कुछ काम नहीं हुआ सिर्फ दो नग टीन चेंजकर 70 हजार रुपए का खर्च दिखाकर सरकारी धन को ठिकाने लगाया गया है। ऐसे ही बूथ में टेंट लगाने के नामपर भी वित्तीय वर्ष 2024-25 में राज्य वित्त व 15वां वित्त से 10 हजार 800 रुपए का भुगतान कर लिया गया है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से भ्रष्टाचार के मामले की जांच कराकर दोषियों के ख?लाफ कार्रवाई की मांग की है।

समर्सिबल, हैंडपंप सामग्री के नाम खूब हुए भुगतान

छेरिहा ग्राम पंचायत में वित्तीय वर्ष 2023-24 और 2024-25 में समर्सिबल व हैंडपंप सामग्री खरीदी और मरम्मत के नामपर अनियमित तरीके से भुगतान किए गए हैं। एक नग समर्सिबल मरम्मत का भुगतान 7 से 8 हजार के करीब किया गया है। वहीं एक नग समर्सिबल खरीदी का भुगतान 50 हजार के करीब किया गया है। इस तरह से प्रधान और सचिव मिलकर सरकारी धन को ठिकाने लगाया है। हकीकत तो यह है कि गांवों में लगे हैंडपंपों को आज भी मरम्मत की दरकार है। गौशाला में लगाए गए समर्सिबल का भुगतान 48 हज़ार 498 रुपए किया गया है, वह भी गिट्टी बालू सप्लाई करने वाली फर्म शिवम ट्रेडर्स के नाम पेमेंट किया गया है। ग्राम पंचायतों में सरकारी धन की लूट मची हुई है, फिर भी जिम्मेदारों की आंखों में पट्टी बंधी है।

कूप मरम्मत के नामपर हुआ गलत भुगतान

छेरिहा ग्राम पंचायत के झील पुरवा में बने चोहड़ी कूप मरम्मत के नामपर फर्जी तरीके से भुगतान कराया गया है। जबकि हकीकत इस कूप में मरम्मत के नाम कुछ भी नहीं किया गया है। चोहड़ी कूप मरम्मत के नाम 7 जनवरी 2024 को 50 हजार 097 रुपए का भुगतान शिवम ट्रेडर्स फर्म के नाम किया गया है। ग्रामीणों के अनुसार चोहड़ी कूप में पिछली पंचवर्षीय में ही कार्य हुआ था, इस पंचवर्षीय में कुछ भी कार्य नहीं किया गया है। वहीं बताया की झील पुरवा में टेढ़ी नाला के पास बने कूप में मात्र 3 से 4 दिन ही कार्य कराया गया है लेकिन 15 हजार 960 रुपए का भुगतान किया गया है। किस तरह से सरकारी धन की लूट हुई है, यह तो सिर्फ बानगी है ऐसे कई फर्जी भुगतान हो गए लेकिन जमीन में कुछ भी काम नहीं हुआ है।

प्रधान के नाम फोटोकॉपी और मजदूरी का भुगतान

फोटोकॉपी और मजदूरी का भुगतान भी छेरिहा खुर्द ग्राम प्रधान के खाते में किया गया है। वित्तीय वर्ष 2023- 24 में एक बार फोटोकॉपी के नाम 5 हजार 960 रुपए का पेमेंट ग्राम प्रधान छेरिहा खुर्द रामप्यारी के नाम किया गया है। इसी तरह दोबारा भी 5 हजार 500 रुपए का भुगतान ग्राम प्रधान के खाते में किया गया है। इसी तरह से तीनशेड मरम्मत, शिलापट और कूप मरम्मत की मजदूरी 16 हजार 240 रुपए का भुगतान भी प्रधान के खाते में किया गया है। और तो और हैंडपंप मिस्त्री मजदूरी का भी भुगतान प्रधान के खाते में किया गया है। खुलेआम नियमों की धज्जियां उड़ाकर फर्जी तरीके से भुगतान किया जा रहे हैं। जोकि शासन के नियमों के विपरीत है।

डीएम ने आश्रयग्रह का किया निरीक्षण खामियां मिलने पर लगाई फटकार

जन एक्सप्रेस। उरई

डीएम राजेश कुमार पाण्डेय ने बीते दिन देर शाम आश्रय गृह (शेल्टर हाउस) का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने शेल्टर हाउस में खामियां मिलने पर संबंधित अधिकारियों को सुधार के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान डीएम ने सबसे पहले शेल्टर हाउस में लगाए गए सीसीटीवी कैमरों का हाल देखा जिसमें कई कैमरे संचालक द्वारा बंद कर दिए गए थे। उन्होंने कड़ी फटकार लगाई और तुरंत सीसीटीवी कैमरों का संचालन शुरू कराया और संचालक के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही के निर्देश दिए। इसके साथ ही मैन गेट पर दो और सीसीटीवी कैमरे लगाने का निर्देश दिए, बल्कि किसी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर कार्रवाई करने की बात कही। डीएम ने शेल्टर हाउस में आने वाले प्रवासियों की पहचान के लिए आधार कार्ड या अन्य पहचान पत्र लिया जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी प्रवासियों का रजिस्टर में समय और तारीख के साथ विवरण दर्ज किया जाए। निरीक्षण के दौरान डीएम ने शेल्टर हाउस में प्रकाश व्यवस्था की भी कमी पाई। उन्होंने अधिशाषी अधिकारी को निर्देशित किया कि अगले दो दिनों के भीतर शेल्टर हाउस में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

डीएम ने सुरक्षा को लेकर भी कड़े निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शेल्टर हाउस में किसी भी प्रकार के ज्वलनशील पदार्थ की उपस्थिति नहीं होनी चाहिए, और इसके लिए निरंतर निगरानी रखी जाए। इसके अलावा, शेल्टर हाउस में लगे फायर एक्सटिंग्विशर की डेट समाप्त हो चुकी थी, इस मामले में भी तत्काल फायर सिस्टम के रिफिल बदलने के निर्देश दिए। शेल्टर हाउस के संचालक की अव्यवस्थाओं को लेकर नाराजगी व्यक्त की और कहा कि संचालक को नोटिस जारी किया जाए। इसके साथ ही, उन्होंने सदर एसडीएम थानाध्यक्ष, दो महिला कांस्टेबल और अधिशाषी अधिकारी को निर्देश दिया कि वे शेल्टर हाउस में निरंतर निरीक्षण करें ताकि कोई भी अव्यवस्था सामने न आए। इस दौरान तहसीलदार शेर बहादुर सिंह, अधिशाषी अधिकारी राम अचल कुरील आदि सहित सम्बंधित अधिकारी मौजूद रहे।

चोरों ने सूने मकान का ताला तोड़कर चोरी की वारदात को दिया अंजाम

जन एक्सप्रेस/कालपी। नगर कोतवाली क्षेत्र में बीती रात चोरों ने सूने मकान के ताले चटका कर चोरी की वारदात को अंजाम दे दिया। मामले की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना का बारीकी से निरीक्षण किया। नगर कोतवाली क्षेत्र में पुरानी कोतवाली भवन के सामने गली मे रहने वाले मोहनलाल पुत्र मानिक की पत्नी को कुछ दिनों पहले चोट लग गयी थी। जिससे उसकी कमर की हडडी में फ्रेक्चर हो गया था। जिसके चलते वह मकान में ताला लगाकर अपनी पत्नी को इलाज के लिए झांसी ले गया था। सोमवार सुबह पडोसी ने घर के दरवाजे का ताला टूटा देखा, तो उसने मामले की जानकारी मोहल्ले के लोगों को दी। घटना की खबर फैलते ही मौके पर मोहल्ला वासियों की भीड़ इकट्ठा हो गई और उन्होंने मामले की सूचना पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना का निरीक्षण किया और मामले की खबर ग्रहस्वामी को दी गई। हालाकि ग्रहस्वामी के न रहने से चोरी गए सामान की जानकारी नही हो सकी है।

स्थानांतरित यातायात क्षेत्राधिकारी को दी गई भावभीनी विदाई

जन एक्सप्रेस। चित्रकूट

क्षेत्राधिकारी लाइन्स/ यातायात राजेश द्विवेदी का जनपद फर्रुखाबाद में उपाधीक्षक स्थानान्तरण होने पर सोमवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में विदाई समारोह का आयोजन कर उन्हें भावभीनी विदाई दी गई। पुलिस अधीक्षक ने स्थानान्तरित क्षेत्राधिकारी राजेश द्विवेदी को फूल-माला पहनाकर, स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने स्थानान्तरित क्षेत्राधिकारी के कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि एक निरीक्षक के रुप में उन्होंने जनपद में अपनी कार्यशैली से सभी को प्रभावित किया है। साथ ही स्थानान्तरित जनपद में उपाधीक्षक के रुप में भी पूरी निष्ठा से कार्य करने की सलाह दी। स्थानान्तरित क्षेत्राधिकारी राजेश द्विवेदी ने कहा कि उन्हें जनपद चित्रकूट की जनता और पुलिस की तरफ से ढ़ेर सारा प्यार और स्नेह मिला, जिसे वह कभी नही पाएंगे। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक चक्रपाणि त्रिपाठी ने भी जनपद में उनके कार्य की सराहना की। इस मौके पर क्षेत्राधिकारी नगर राजकमल, क्षेत्राधिकारी मऊ यामीन अहमद, क्षेत्राधिकारी प्रशिक्षु फहद अली, प्रतिसार निरीक्षक शिवनारायण, वाचक पुलिस अधीक्षक राजीव सिंह, निरीक्षक परितोष दीक्षित, प्रभारी आईजीआरएस निरीक्षक प्रमोद कुमार यादव, प्रधान लिपिक आनंद मोहन शुक्ला आदि मौजूद रहे।

विश्व एड्स दिवस पर पोस्टर प्रतियोगिता के माध्यम से लोगों को किया गया जागरूक

जन एक्सप्रेस। उरई

राजकीय मेडिकल कालेज में विश्व एड्स दिवस के अवसर पर प्रधानाचार्य डॉ. अरविन्द त्रिवेदी के मार्गदर्शन में आम जनमानस में जागरूकता लाने के चिकित्सालय में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अध्ययनरत् छात्र-छात्राओं के द्वारा पोस्टर प्रतियोगिता, नाटक एवं व्यख्यान के माध्यम से एड्स बीमारी से होने वाले दुष्प्रभाव से बचाव एवं सावधानियों के बारे में जागरूक किया। कार्यक्रम इस चिकित्सा महाविद्यालय के कम्युनिटी मेडिसिनि विभाग एवं कॉलेज ऑफ नर्सिंग के संयुक्त संचालन में सम्पन्न कराया गया।एड्स से ग्रसित मरीज के साथ किये जाने वाले व्यवहार के बारे में बताया गया एवं बीमारी से शरीर में होने वाली हानि से भी अवगत कराया गया। उक्त कार्यक्रम के दौरान कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ. विशाल अग्रवाल, चिकित्सालय प्रशासक डॉ. चरक सांगवान, डॉ. जितेन्द्र मिश्रा, कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्रधानाचार्य डॉ. रीना कुमारी, डॉ. उमा महेश्वरी, अन्य शिक्षक एवं छात्र-छात्रायें उपस्थित रहें।

करतलापुर व मडोंरा की गौशाला बड़ी खामियों के साथ हो रही संचालित

जन एक्सप्रेस। उरई

विकास खंड कुठौंद में ग्राम पंचायत करतलापुर तथा ग्राम पंचायत मडोंरा की गौशाला में बहुत बड़ी लापरवाही के साथ गौवंशों को भूख प्यास से तड़पते हुए देखा। ग्राम पंचायत मड़ोरा की गौशाला में 36 गोवंश संरक्षित, जिनकी कोई देखरेख करने वाला मौके पर नहीं मिला। गोवंश बेचारे घूम फिर कर अपना जीवन यापन कर रहे हैं।

इसीक्रम में ग्राम पंचायत करतलापुर में भी 48 गोवंश संरक्षित थे, जिसकी कोई भी देखरेख करने वाला गौशाला पर मौजूद नहीं मिला। आपको बताते चलें की ग्राम पंचायत मड़ोरा में सामुदायिक शौचालय की बहुत ही जर्जर व्यवस्था देखने को मिली। वहां पर शौच क्रिया करने वाले लोग अपनी बाल्टी से पानी लेकर आते हैं। इसके बाद शौच क्रिया करते हैं। ग्रामीणों के बताएं अनुसार शौचालय में साफ सफाई करने के लिए तालाब का पानी प्रयोग किया जाता है। क्योंकि शौचालय में पानी की व्यवस्था उपलब्ध नहीं है। इसका कारण प्रधान एवं सचिव जानते होंगे।

ग्राम पंचायत में तैनात सचिव एवं प्रधान की कार्य शैली को देखते हुए इनके ऊपर किसी भी प्रकार की ना तो जवाब दे ही होती है ना ही इनके ऊपर कोई अंकुश लगाने वाला है। यदि इनके ऊपर विकासखंड में बैठे अधिकारियों की अनुशासन के अनुरूप प्रतिक्रिया को अमल में लिया जाए, तो यह व्यवस्था बहुत ही दुरुस्त हो सकती है। आगे सर्दी का मौसम आने वाला है गोवंशों के लिए सुरक्षित ठंड के बचाव के लिए कोई व्यवस्था नहीं की जा रही है। प्रत्येक वर्ष ट्टर व त्रिपाल का भुगतान तो कर लिया जाता है। लेकिन ट्टर व त्रिपाल नजर नहीं आते हैं। जबकि ग्राम पंचायत में गौशाला तथा सामुदायिक शौचालय आदि की व्यवस्थाओं की देखरेख का दायित्व विकासखंड में बैठे सहायक विकास अधिकारी पंचायत की जिम्मेदारी बनती है। फिर भी गांधारी की तरह आंखों में पट्टी बांधे विकासखंड में ही बैठे रहते हैं। ग्राम पंचायत में प्रधान व सचिव की मनमानी के अनुसार कर कराए जाते हैं। वही इस मामले खंड विकास अधिकारी से बात की गई। तो उनका कोई संतोषजनक ज़बाब नहीं मिला है।

एक्सप्रेस खबरें...

मां की डांट से क्षुब्ध छात्रा ने जहर खाकर दी जान

जन एक्सप्रेस/उरई। माधौगढ़ क्षेत्र के ग्राम कुरसेंड़ा में मां की डांट से क्षुब्द कक्षा छह की छात्रा ने जहर खाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। माधौगढ़ क्षेत्र के ग्राम कुरसेंड़ा निवासी दीपेंद्र की 14 वर्षीय पुत्री महक गांव के विद्यालय में कक्षा छह की छात्रा थी। शनिवार को वह किसी से मोबाइल पर बात कर रही थी। इसी को लेकर उसकी मां कांति देवी ने उसे डांटते हुए मोबाइल छीन लिया था। मां के द्वारा चुने गए मोबाइल से क्षुब्द होकर उसने घर में रखा विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया। जिससे उसकी हालत बिगड़ी और वह अचेत होकर वहीं गिर गई। अचेत अवस्था में पड़ी पुत्री को देखकर परिजनों में हड़कंप मच गया और वह उसे उपचार के लिए सीएचसी ले गए। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया गया। जहां पर जांच पड़ताल के बाद चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुत्री की मौत होने की खबर जैसे ही परिजनों को हुई तो उनमें कोहराम मच गया। वहीं खबर मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने जानकारी लेते हुए शव को कब्जे में लिया और पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

गेस्ट हाउस में खड़ी बाइक चोरी, रिपोर्ट दर्ज

जन एक्सप्रेस/उरई। कुठौंद गेस्ट हाउस में खड़ी बाइक चोर चोरी कर ले गया। पीड़ित ने इसकी शिकायत कोतवाली पुलिस से की। इस पर पुलिस ने तहरीर लेकर रिपोर्ट दर्जकर चोरी गई बाइक की खोज शुरू कर दी है। कुठौंद थाना क्षेत्र के ग्राम बिचौली निवासी इंदल सिंह पुत्र लोटन राम ने थाने में तहरीर देते हुए बताया कि अज्ञात चोर उसकी शहर के जमुना पैलेस गेस्ट हाउस में खड़ी बाइक चोरी कर ले गया। उसने बहुत खोजबीन की, लेकिन उसकी बाइक का कहीं कोई पता नहीं चला। इसको लेकर पुलिस ने मामले की जांच पड़ताल करने के बाद मामला दर्ज कर लिया।

शराब के साथ एक गिरफ्तार

जन एक्सप्रेस/उरई। सिरसाकलार थाना के उपनिरीक्षक अरविंद सिंह ने ग्राम रायपुर के पास से संदीप सिंह पुत्र अतर सिंह निवासी ग्राम लोहई दिवारा थाना सिरसा कलार को गिरफ्तार कर लिया। जब उसकी तलाशी ली, तो उसके पास से 20 देसी शराब पर बरामद हुए। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते अभियुक्त के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की।

चार से होगा दो दिवसीय मिलेट्स महोत्सव

जन एक्सप्रेस/चित्रकूट। उपनिदेशक कृषि राजकुमार ने बताया कि उत्तर प्रदेश मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्रम के तहत राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन योजना के अंतर्गत जनपद स्तरीय दो दिवसीय मिलेट्स महोत्सव एवं उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता में चार एवं पांच दिसंबर को रूर्बन ऑडिटोरियम कॉम्पलेक्स हाल किया जाएगा। जनपद स्तरीय इस दो दिवसीय मिलेट्स महोत्सव एवं उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम में मिलेट्स (मोटा अनाज) से संबंधित जानकारी देकर किसानों को जागरूक किया जाएगा। साथ ही इसमें संबंधित अधिकारी अपने-अपने विभागों के स्टॉल व प्रदर्शनी लगाने के साथ विभागीय तकनीकी जानकारी भी उपलब्ध कराएंगे।

छात्रावास की समस्या को लेकर भीम आर्मी ने सौंपा ज्ञापन

जन एक्सप्रेस/चित्रकूट। भीम आर्मी भारत एकता मिशन के बैनर तले डॉ भीमराव अंबेडकर अनुसूचित जाति छात्रावास बेड़ी पुलिया कर्वी के छात्रों ने भीम आर्मी भारत एकता मिशन के जिला संयोजक संजय कुमार गौतम के नेतृत्व में सोमवार को मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी को सौंपा। जिला संयोजक संजय कुमार गौतम ने बताया कि चित्रकूट के बेड़ी पुलिया में सन् 1997 में गरीब अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए छात्रावास की व्यवस्था की गई थी जो कि अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए आरक्षित छात्रावास था, लेकिन अब 2024 में अनुसूचित जाति छात्रावास में अन्य वर्ग के छात्रों का भी प्रवेश कराकर विवाद की स्थिति पैदा की जा रही है। साथ ही अनुसूचित जाति के अधिकारों का हनन किया जा रहा है। इस सम्बन्ध में छात्रावास के छात्रों ने कई बार जिम्मेदार अधिकारियों को प्रार्थना पत्र भी दिया, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। छात्रों ने ज्ञापन सौंप कर मांग की कि छात्रावास को अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित रखा जाए और अपर कास्ट के छात्रों का प्रवेश रोका जाए। साथ ही छात्रावास में बिजली व बाथरूम जैसी मूल सुविधाएं कराते हुए मरम्मत कार्य भी कराया जाए। इस मौके पर जिलाध्यक्ष राजा समाज पार्टी कुंवर सिद्धार्थ, एडवोकेट श्रीपाल प्रजापति, कमल सूर्यवंशी, अर्जुन कश्यप, विजय सोनकर, दिनेश कुमार, महेंद्र सिंह, विनोद कुमार, शिवाकांत, सुदामा, विष्णु कुमार, रामकरण आदि मौजूद रहे।

आउट ऑफ स्कूल बच्चों को पढ़ाने के लिए शिक्षकों को मिला प्रशिक्षण

जन एक्सप्रेस/चित्रकूट। आउट ऑफ स्कूल के रूप में चिन्हित ऐसे बालक-बालिका जिनका नामांकन विद्यालय में शारदा ऐप के माध्यम से किया गया है उन्हें आयु संगत कक्षा में नामांकित करने तथा कक्षा के अनुरूप अधिगम स्तर को प्राप्त कराने के उद्देश्य से समस्त विद्यालयों के शारदा ऐप के नोडल शिक्षकों का तीन दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन सोमवार को बीआरसी रामनगर सभागार किया गया। कार्यशाला का शुभारम्भ करते हुए खंड शिक्षा अधिकारी एनपी सिंह ने बताया कि इस तीन दिवसीय कार्यशाला आयोजन दो चरणों में आयोजित किया जा रहा है। प्रथम चरण में 40-40 शिक्षकों के दो बैच संचालित किये जा रहे हैं। द्वितीय चरण की कार्यशाला पांच से सात दिसंबर तक दो बैचों में संचालित होगी। जिसमें कुल 77 शिक्षकों द्वारा प्रतिभाग किया जाएगा। प्रथम बैच की कार्यशाला दो से चार दिसंबर तक संचालित होगी। जिसमें कुल 80 नोडल शिक्षक शिक्षिका प्रतिभाग कर रहे हैं। इन्हें आउट ऑफ स्कूल बच्चों को चिन्हित करने, उन्हें विद्यालय तक लाने, उनका आयु संगत कक्षा में प्रवेश करने तथा उस कक्षा के अनुरूप निर्धारित समय सीमा के भीतर दक्षताएं प्राप्त करने की विधिओं के संबंध में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस प्रशिक्षण के माध्यम से ऐसे बच्चे जो आउट ऑफ स्कूल के रूप में बीच की कक्षाओं में नामांकित होते हैं, उन्हें अधिगम स्तर प्राप्त करने तथा शिक्षा की मुख्य धारा में जुड़ने में सुगमता प्राप्त होगी। कार्यशाला में मास्टर ट्रेनर्स संतोष कुमार मिश्र, राधेश्याम सिंह, अमित कुमार श्रीवास्तव, प्रेमचंद यादव एवं विष्णु कुमार द्वारा शिक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। खंड शिक्षा अधिकारी एनपी सिंह ने समस्त प्रतिभागियों को मनोयोग से प्रशिक्षण प्राप्त कर विद्यालय में नामांकित आउट ऑफ स्कूल बच्चों की शिक्षा को सुधारने तथा उन्हें शिक्षा की मुख्य धारा में जोड़ने में उपयोग लाने के लिए प्रेरित किया।

नवनियुक्त ग्राम पंचायत अधिकारियों को मिला प्रशिक्षण

जन एक्सप्रेस/चित्रकूट। जिला पंचायत रिसोर्स सेण्टर (डी.पी.आर.सी.) में चित्रकूटधाम मण्डल के जनपदों में नियुक्त नए ग्राम पंचायत अधिकारियों का 10 दिवसीय आधारभूत आवासीय प्रशिक्षण का शुभारम्भ जिला पंचायत राज अधिकारी एवं अपर जिला पंचायत राज अधिकारी ने माता सरस्वती की प्रतिमा में माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलित कर किया। जिला पंचायत अधिकारी इंद्र नारायण सिंह ने सभी प्रतिभागियों को विभागीय प्रशासनीय ढांचे की जानकारी देते हुए ग्राम पंचायत के विकास कार्य एवं सामाजिक कल्याण कार्य को ईमानदारी एवं शासन के आदेशो के अनुसार करने की सलाह दी। अपर जिला पंचायत अधिकारी रमेश चन्द्र गुप्ता ने नवनियुक्त ग्राम पंचायत अधिकारियों को अपने त्रिस्तरीय पंचायत व्यवस्था के बारे में बताया। वरिष्ठ फैकल्टी/सहप्रबंधक सुजीत कुमार सोनी ने प्रशिक्षण का उद्देश्य एवं 10 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की जानकारी देते हुए उत्तर प्रदेश पंचायतीराज अधिनियम 1947 का संक्षिप्त परिचय दिया एवं उच्च न्यायालय इलाहबाद के आदेशों के क्रम में प्रधान के कार्य एवं दायित्व, ग्राम प्रधान तथा सदस्यों का निष्कासन एवं निलंबन तथा आय के सम्बन्ध में आयकर रिटर्न दाखिल किये जाने की विस्तृत जानकारी दी। इसके अलावा प्रशिक्षकों को 73वाँ संविधान संशोधन, पंचायतों को हस्तांतरित 29 विषय, ग्राम पंचायत, ग्राम सभा की बैठक/कोरम, ग्राम पंचायत के कार्य, समितियां आदि की जानकारी दी गई।

मृतक कोटेदार के आश्रित ने की न्याय की गुहार

जन एक्सप्रेस/चित्रकूट। मानिकपुर तहसील के कल्याणपुर गांव के निवासी नेन्द्रमणि मिश्र ने उच्चाधिकारियों को लिखे पत्र में कहा है कि गांव के कोटेदार कपिल मुनि की एक वर्ष पूर्व मृत्यु हो गई थी। वह कपिल मुनि का विधिक वारिस है। इसके चलते उसने समय सीमा के अंदर दुकान आवंटन कराने के लिए आवेदन दिया था, किंतु कोई सुनवाई नहीं हुई। अब मानिकपुर उपजिलाधिकारी द्वारा एक आदेश जारी करके आगामी चार दिसम्बर को ग्राम पचायत की खुली बैठक कराबर नए सिरे से सरकारी राशन की दुकान आवंटन के लिए प्रस्ताव के आदेश दिए गए है। ऐसे में दुकान आवंटन की कार्यवाही रोकते हुए विधिक वारिस की दृष्टि से उन्हें दुकान आवंटित की जानी चाहिए।

एचआईवी पीड़ितों से रखें मित्रवत व्यवहार: आरके पटेल

जन एक्सप्रेस। चित्रकूट

विश्व एड्स के उपलक्ष्य पर आर के सिंह हॉस्पिटल एवं इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस रगौली द्वारा सोमवार को जिला मुख्यालय में जन जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ पूर्व सांसद आर के सिंह पटेल ने हरी झंड़ी दिखा कर किया।

कार्यक्रम में पूर्व सांसद आर के सिंह पटेल ने कहा कि जागरूकता के अभाव के चलते आज एचआईवी-एड्स पूरे विश्व में महामारी का रूप लेती जा रही है। असुरक्षित यौन संबंध इस घातक बीमारी के फैलाव के मुख्य कारण है। पूर्व सांसद ने कहा कि एचआईवी-एड्स हाथ मिलाने या साथ बैठने, छुआछूत से नहीं होता है। इसलिए एचआईवी पीड़ितों से फ्रेन्डली व्यवहार करने करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि आज मेडिकल इंस्टीट्यूट के छात्र-छात्राओं ने नुक्कड़-नाटको के माध्यम से आमजनमानस को एड्स के प्रति जागरूक करने का सराहनीय कार्य किया है। रैली के संयोजक आर के सिंह इंस्टयूट ऑफ मेडिकल साइंस के निदेशक सुशील कुमार सिंह ने कहा कि विश्व एड्स दिवस के अवसर पर कॉलिज के छात्र-छात्राओं द्वारा चित्रकूट जिला मुख्यालय में एड्स जागरूकता रैली के साथ नगर पालिका परिसर, रोडवेज बस स्टैंड, धनुष चैराहा, सरदार पटेल पार्क, शहीद पार्क में नुक्कड़ नाटको का आयोजन कर लोगो को एड्स से बचाव के प्रति जागरूक किया गया। उन्होंने कहा कि एड्स जैसी जानलेवा बीमारी से बचाव के लिए जागरूकता अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि आर के सिंह हॉस्पिटल एवं इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस द्वारा यह जनजागरण की अनूठी पहल की गई है। आने वाले समय में जागरूकता कार्यक्रम को व्यापक बनाया जायेगा। जिसने प्रशासन के साथ स्वास्थ्य महकमे को भी जोड़ कर लोगो को एड्स के प्रति सचेत करने का जिला स्तरीय अभियान चलाया जाएगा।

लिंक एक्सप्रेस-वे व डिफेंस कॉरिडोर में हीला-हवाली न करें अधिकारी: मंडलायुक्त

जन एक्सप्रेस। चित्रकूट

चित्रकूट धाम मंडल बांदा आयुक्त बालकृष्ण त्रिपाठी की अध्यक्षता में सोमवार को ग्राम पंचायत गोंडा में लिंक एक्सप्रेस-वे से संबंधित प्रकरणों की समीक्षा बैठक शिविर लगाकर आयोजित की गई। जिसमें मंडलायुक्त ने कार्यों की समीक्षा कर सम्बन्धितों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बैठक में मंडलायुक्त ने लिंक एक्सप्रेस-वे व डिफेंस कॉरिडोर की प्रगति के बारे में जानकारी लेते हुए तहसीलदार को निर्देशित किया कि लिंक एक्सप्रेस-वे व डिफेंस कॉरिडोर की प्रगति साथ-साथ कराए। उन्होंने जिलाधिकारी से कहा कि तहसीलदार व नायब तहसीलदार को साथ में लगाकर कार्य में प्रगति कराएं। उन्होंने उपजिलाधिकारी कर्वी को निर्देशित किया कि इसमें निरिक्षण भी करें। जो लेखपाल कार्य नहीं कर रहे, उनको हटाए या निलंबित करें। किसानों की सहमति होने पर बैनामा कराए तथा समस्या होने पर जिलाधिकारी को अवगत कराएं।

साथ ही किसानों से बैनामा कराकर प्रतिदिन अपडेट करते रहें। कहा कि यह मुख्यमंत्री का ड्रीम प्रोजेक्ट है, प्राथमिकता के आधार पर टीम बनाकर कार्य कराएं। ग्राम पंचायत अहमदगंज की प्रगति ठीक न पाए जाने पर एक हफ्ते के अंदर कार्य कराने तथा ऐसा न होने पर सम्बन्धित लेखपाल के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उपस्थित सभी लेखपालों को निर्देशित किया कि तीन दिन के अंदर प्रगति होनी चाहिए। कहा कि किसानों को बताएं कि सरकार द्वारा बैनामा के लिए सर्किल रेट का चार गुना पैसा दिया जा रहा है तथा बैनामा के बाद पैसे लोगों के अकाउंट में तत्काल भेजे जाएंगे।

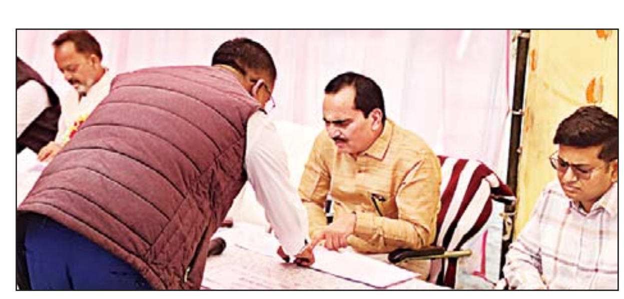

भुगतान के बारे में जानकारी लेते हुए कहा कि जिसका भुगवान अवशेष रह गया है, तत्काल कराए। उन्होंने ग्राम प्रधान गोंडा को निर्देशित किया कि किसानों से वार्ता कर अधिक से अधिक किसानों का बैनामा कराएं। हाई-वे बन जाने के बाद आसपास क्षेत्र व जनपद का विकास होगा।

इसके बाद मंडलायुक्त ने डिफेंस कॉरिडोर व राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 731ए राम वन गमन मार्ग के पैकेज पांच के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रगति की बैठक कंपोजिट विद्यालय महाराजपुर पहाड़ी में आयोजित की। बैटक में उन्होंने डिफेंस कॉरिडोर की प्रगति की जानकारी लेते हुए निर्देशित किया कि कैंप लगाकर अभियान चलाकर जमीन का अधिकरण कराएं। लेखपाल कम होने पर अन्य लेखपालों को लगाकर कार्य में प्रगति कराएं। उन्होंने कहा कि विवादित जमीन को छोड़कर अन्य जमीनों की किसानों की सहमति से जल्द बैनामा कराए। किसानों ने कहा कि जिनकी जमीन राम वन गमन में जा रही है प्रति किसान को एक सरकारी नौकरी भी दें। जिस पर आयुक्त ने कहा कि पहली बार आप लोगों को चार गुना मुआवजा दिया जा रहा है। इसमें भी आगे विचार किया जाएगा। उन्होंने उपजिलाधिकारी कर्वी को निर्देशित किया कि बैनामा के बाद भुगतान में होने वाली देरी की जांच कर संबंधित के विरुद्ध कार्यवाही करें। कहा कि भुगतान के लिए यदि ऑपरेटर कम पड़ रहे हैं तो ऑपरेटरों की संख्या बढ़ाएं तथा भुगतान के बदले पैसा मांगने पर उनके खिलाफ कार्यवाही करें। बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी को निर्देशित किया कि ग्राम में चैपाल लगाकर विवादित भूमि का निस्तारण कराए। पथरामानी के लेखपाल अमित पांडेय की कार्य में प्रगति ठीक न पाए जाने पर कार्रवाई करते हुए हटाने के निर्देश दिए। राजापुर उपजिलाधिकारी को शिविर लगाकर किसानों से वार्ता कर जमीन अधिग्रहण कराने के निर्देश दिए।

'संसद में गतिरोध खत्म करने के लिए सरकार...

संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत से ही विपक्ष अपने तमाम मुद्दों को लेकर हंगामा कर रहा है, वहीं उसका आरोप है कि सत्ता पक्ष की तरफ से उनकी मांगें न माने जाने के कारण संसद की कार्यवाही सुचारु रूप से नहीं चल पा रही है। जिसकी वजह से संसद के महत्वपूर्ण... पढ़ें पेज 12 पर...

जनप्रतिनिधियों के समन्वय से कराएं रोड रिस्टोरेशन और जलापूर्ति का कामः सीएम

मुख्यमंत्री का निर्देश, जल जीवन मिशन की परियोजनाओं में गुणवत्ता से समझौता नहीं, थर्ड पार्टी सत्यापन भी कराया जाए

- मुख्यमंत्री ने जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा की
- हर प्रोजेक्ट पर नियुक्त हो नोडल अधिकारी: मुख्यमंत्री

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत हर घर नल से जल पहुंचाने की परियोजना के कार्यों के थर्ड पार्टी ऑडिट कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि हर परियोजना के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किये जायें जो स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय बनाकर सभी काम समय से पूरा कराएं। सोमवार को हर घर जल योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन जनहित से जुड़े इन कार्यों की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होना चाहिए। जलापूर्ति के कार्यों के चलते खराब हुई सड़कों के रिस्टोरेशन का काम समय से कराया जाए और जनप्रतिनिधियों से भी आवश्यक मार्गदर्शन लिया जाए। इस आधार पर ही विभागीय अधिकारियों की जवाबदेही तय होगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि योजनाओं में क्वालिटी हर हाल में सुनिश्चित हो। इसका थर्ड पार्टी सत्यापन भी कराया जाए। साथ ही हर प्रोजेक्ट पर नोडल अधिकारी नियुक्त हों, जो कार्यों की क्वालिटी व समयबद्धता सुनिश्चित करे। जल जीवन मिशन के तहत परियोजना का उद्देश्य है कि लोगों को शुद्ध पेयजल प्राप्त हो, ऐसी सभी योजनाएं बिना रूकावट के अनवरत चलती रहनी चाहिए। बैठक में मुख्यमंत्री ने बुंदेलखंड व विंध्य क्षेत्र सहित पूरे प्रदेश में जल जीवन मिशन के कार्यों के बारे में जानकारी ली।

जल जीवन मिशन के तहत स्वीकृत हैं 40951 योजनाएं

मुख्यमंत्री जी को जल जीवन मिशन के अंतर्गत सामुदायिक अंशदान के संबंध में अवगत कराया गया कि जल जीवन मिशन के तहत 40951 योजनाएं स्वीकृत हैं। इनकी कुल कार्य लागत 152521.82 करोड़ रुपये है। इसमें केंद्रांश 71714.68 व राज्यांश 71714.68 करोड़ रुपये है। इन विलेज इंफ्रास्ट्रक्चर की लागत के सापेक्ष सामुदायिक अंशदान 9092.42 करोड़ रुपये बनता है। अधिकांश योजनाओं को सोलर आधारित बनाए जाने के कारण कुल लागत में 13344 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई है। इसके सापेक्ष केंद्रांश के रूप में 6338 करोड़ रुपये अतिरिक्त रूप से प्राप्त होगा। अनुरक्षण व संचालन मद में राज्य सरकार की योजना काल में लगभग एक लाख करोड़ रुपये की बचत होगी।

उत्तर प्रदेश में सौर ऊर्जा पर आधारित हैं 33229 योजनाएं

मुख्यमंत्री जी को अवगत कराया गया कि उत्तर प्रदेश में 33229 योजनाएं सौर ऊर्जा पर आधारित हैं। इन पर लगभग 900 मेगावाट के सोलर पैनल लगाए गए हैं। केंद्र सरकार द्वारा इस इनोवेशन को बेस्ट प्रेक्टिसेज के रूप में चिह्नित किया गया है। सौर ऊर्जा आधारित योजनाओं के निर्माण के कारण प्रतिवर्ष लगभग 13 लाख मीट्रिक टन कार्बन डाई ऑक्साइड का उत्सर्जन कम होगा। बैठक में जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, राज्यमंत्री रामकेश निषाद आदि मौजूद रहे।

कितने असुरक्षित राजधानी के अस्पताल स्टाफ नर्स से टेक्नीशियन ने किया दुष्कर्म

- महानगर के ठाकुरगंज में निजी अस्पताल में दुस्साहसिक वारदात
- पीड़िता ने जब अस्पताल के मालिकों से शिकायत की तो आरोप है कि उन्होंने भी अश्लीलता की
- पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर आरोपी टेक्नीशियन को गिरफ्तार कर लिया

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

बड़ी तादाद में निजी अस्पताल मरीजों का आर्थिक दोहन और इलाज में लापरवाही के दोषी तो हैं ही। अब इन अस्पतालों में महिला स्टाफ भी सुरक्षित नहीं है। उनके साथ अस्पताल परिसर में ही बदसलूकी के मामले सामने आ रहे हैं। महानगर के ठाकुरगंज में निजी अस्पताल की स्टाफ नर्स से टेक्नीशियन ने दुष्कर्म किया। पीड़िता ने जब अस्पताल के मालिकों से शिकायत की तो आरोप है कि उन्होंने अश्लीलता की। पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर आरोपी टेक्नीशियन को गिरफ्तार कर लिया। पारा निवासी युवती के मुताबिक वह तीन माह से ठाकुरगंज स्थित अस्पताल में काम कर रही है। काकोरी का हलुआपुर निवासी निखिल अस्पताल में टेक्नीशियन है। आरोप है कि वह उस पर बुरी नजर रखता था। आए दिन छेड़छाड़ और अश्लीलता करता था। विरोध पर गाली-गलौज करता था। 18 नवंबर की रात 11 बजे पीड़िता अपना काम कर रही थी। तभी निखिल उसके पास पहुंचा और उसे घसीटते हुए कमरे में ले जाकर दुष्कर्म किया। चीखने चिल्लाने पर आरोपी ने हत्या करने की धमकी दी और भाग निकला। पीड़िता ने किसी तरह खुद को संभाला और घर पहुंची। अगले दिन अस्पताल के मालिक कमलेश और राजेश अग्रवाल को पूरी घटना बताई। आरोप है कि दोनों ने कार्रवाई के बजाए उल्टा उन्हीं से अभद्र सवाल पूछने शुरू कर दिए। विरोध पर छेड़छाड़ व अश्लीलता की और धमकाते हुए भगा दिया। हिम्मत जुटाकर घटना की शिकायत ठाकुरगंज थाने में की। इंस्पेक्टर श्रीकांत राय के अनुसार आरोपी निखिल को जेल भेजा गया है। आरोपी मालिकों की तलाश की जा रही है।

यूपी का हो रहा सर्वांगीण विकास : केशव

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य द्वारा सर्किट हाऊस में मेरठ के विकास कार्यों एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा की। विकास कार्यों की समीक्षा करते हुये अधिकारियों को निर्देश दिया, जनप्रतिनिधियो के साथ समय-समय पर बैठक कर एवं समन्वय बनाते हुये बताये गये कार्यों को प्राथमिकता दी जाये। समीक्षा बैठक में दिये गये निर्देशो का शत-प्रतिशत अनुपालन कराते हुये आख्या प्रस्तुत की जाये। विश्वास के साथ विकास करना हमारी सरकार की प्राथमिकता है, उसी के अनुरूप कार्यवाही की जाये। इस अवसर पर जनपद में समस्त विभागो द्वारा किये गये कार्यों की उप मुख्यमंत्री द्वारा सराहना की गई। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश का सर्वांगीण विकास हो रहा है।विश्वास के साथ विकास करना सरकार की प्राथमिकता है।उत्तर प्रदेश में प्रगति के नये आयाम स्थापित हो रहे हैं।सरकार प्रत्येक वर्ग के विकास हेतु पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। स्वच्छता अभियान के अंतर्गत विभागीय अधिकारी पहले एवं अंतिम रविवार को सफाई अभियान चलायें।नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रो में गरीब एवं पात्र लाभार्थियो को सरकार की योजनाओ का भरपूर लाभ दिलाया जाये।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने सरोजनी नगर थाने पर किया धरना प्रदर्शन

- भाजपा कार्यकर्ताओं का आरोप सरोजनी नगर थाने में नहीं होती पीड़ितों की सुनवाई

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

सरोजनी नगर थाने में पीड़ितों की सुनवाई न होने से नाराज भाजपा कार्यकर्ताओं ने सैकड़ो की संख्या में सरोजनी नगर थाने का घेराव कर धरना प्रदर्शन किया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने सरोजनी नगर पुलिस पर आरोप लगाते हुए बताया की कुछ दबंगों द्वारा जबरन घर में घुसकर कब्जा करने और महिलाओं के साथ मारपीट व छेड़छाड़ करने जैसे संगीन मामले में पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गयी है। जिसे लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं ने कमिश्नरेट के सभी वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को लिखित रूप से ज्ञापन देकर जानकारी दी थी यदि 1 दिसंबर तक पीड़ितों की शिकायती पत्र पर कोई कार्रवाई नहीं की जाती है तो वह 2 दिसंबर को थाने का घेराव कर धरना प्रदर्शन करेंगे। इस दौरान भाजपा के कार्यकर्ता सूरज रावत ने पुलिस अधिकारियों से मांग की जब तक पीड़ितों का मुकदमा नहीं दर्ज किया जाएगा और उन्हें कागज नहीं दिया जाएगा तब तक वह धरना प्रदर्शन जारी रखें। हालांकि सरोजनी नगर थाना प्रभारी द्वारा भाजपा कार्यकर्ताओं को समझा बूझकर मुकदमा दर्ज करने का आश्वासन दिया। जब तक विपक्षियों पर मुकदमा दर्ज कर पीड़ितों को उसकी प्रति नहीं दी गयी तब तक देर शाम तक भाजपा कार्यकर्ताओं ने अपना धरना जारी रखा।

एक्सप्रेस खबरें...

भगवान ने रखी लाज, भरा नानीबाई का मायरा

जन एक्सप्रेस। लखनऊ। अहिल्याबाई होल्कर त्रिशताब्दी के उपलक्ष्य में राधा स्नेह दरबार द्वारा आयोजित भक्तमाल कथा के अंतिम दिवस राज्य सरकार के मंत्रियों ने आशीर्वाद प्राप्त किया। खाटूश्याम मन्दिर परिसर में चल रही कथा में आज श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। कथा में श्रीकृष्ण के अनन्य भक्त नरसी मेहता की पुत्री नानीबाई के लालची ससुराल में मायरा भरने स्वयं भगवान के उपस्थित होकर अपने भक्त की लाज रखने और मायरा भरने की कथा का वर्णन किया गया। कथावाचक आचार्य रमाकांत गोस्वामी ने कहा कि भगवान को देखना है तो भक्ति का चश्मा पहनना होगा। नरसी ने मन वचन और कर्म से भक्ति की। एक याचक की पुत्री के विवाह के लिए साठ रुपए का उधार सेठ से लिया तो बदले में कहा कि जब तक उधार न चुका दूंगा तब तक राग केदार में भजन नहीं गाऊंगा। भक्त की वचननिष्ठता इतनी कि भगवान को स्वयं साठ रुपए उधार चुकाने आना पड़ा। हम जैसा व्यवहार करते हैं वैसा व्यवहार स्वयं को भी प्राप्त होता है। बेटा बेटी और बहू दामाद के प्रति समदृष्टि रखनी चाहिए।कथा में उत्तर प्रदेश सरकार के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह, उद्यान एवं कृषि विपणन मंत्री दिनेश प्रताप सिंह, समाजसेविका नम्रता पाठक, विधायक डा.नीरज बोरा, विधान परिषद सदस्य अशोक अग्रवाल, भाजपा महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, पूर्व विधायक शैलेश सिंह शैलू, भाजपा नेता अमित टण्डन, विधान परिषद सदस्य सन्तोष सिंह सहित भारी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। भण्डारे के कथा का विश्राम हुआ। ब्रज से आये कलाकारों ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया।

आप सांसद संजय सिंह ने की दिल्ली की बदहाल कानून व्यवस्था पर सदन में चर्चा की मांग

जन एक्सप्रेस। लखनऊ। आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने राज्यसभा में नोटिस देकर दिल्ली की बदहाल कानून व्यवस्था पर सदन में चर्चा कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के अंदर रोज गैंगवार, गैंगरेप, हत्या, लूट की घटनाएं हो रही हैं और व्यापारियों से अवैध वसूली हो रही है। अपराधियों की शिकायत करने वालों को ही उल्टा जेल में डाल दिया जा रहा है। फ्रआपफ्र विधायक को गिरफ्तार करा कर अमित शाह ने संदेश दिया है कि अपराधियों और माफियाओं के ऊपर उनका हाथ है।आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने कहा कि हमने दिल्ली की कानून व्यवस्था पर पहले भी नोटिस दिया था। आज फिर मैंने 267 का नोटिस दिया है। मैं चहता हूं कि दिल्ली की बदहाल कानून व्यवस्था के ऊपर सदन में चर्चा कराई जाए। यहां रोज गैंगवार, गैंगरेप, हत्या, लूट की घटनाएं हो रही हैं। व्यापारियों से अवैध वसूली हो रही है। जो शिकायत कर रहा है, पांच बार शिकायत करने वाले एक विधायक को उल्टा उठाकर अंदर कर दिया गया। मुझे लगता है कि अमित शाह ने साफ तौर पर संदेश दिया है कि गैंग्स्टर्स, अपराधियों और माफियाओं के ऊपर उनका हाथ है और वो दिल्ली में अपराध बढ़ाने का काम करेंगे, रोकने का नहीं।

'कांग्रेस नेताओं को संभल जाने से रोकना आलोकतांत्रिक'

जन एक्सप्रेस। लखनऊ। संभल में प्रदेश सरकार की लापरवाही, अक्षमता और बदनियती से हिंसा भड़क उठी जिसमें पांच युवाओं की पुलिस द्वारा फायरिंग में मौत हो गई। एक तरफ सरकार अपने दायित्वों का निर्वहन करने में असफल रही और दूसरी तरफ तानाशाही रवैया अपनाते हुए कांग्रेस नेताओं को मृतकों के परिजनों से मिलकर संवेदना व्यक्त करने जाने से रोकने का हर आलोकतांत्रिक हथकंडा अपना रही है। कांग्रेस पार्टी का संवैधानिक अधिकार है कि वह जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं और मुद्दों सुने और सदन में उठाये। मगर योगी सरकार को इस बात का भय है कि कांग्रेस नेताओं के संभल जाने से सच बाहर आ जायेगा और वह बेनकाब हो जायेगी। 24 नवंबर की घटना के बाद कांग्रेस पार्टी ने यह एलान किया था कि हम पीड़ित परिवारों से मिलने के लिए आगामी 02 दिसंबर को संभल जायेंगे क्योंकि सरकार द्वारा 30 नवंबर तक विपक्षी नेताओं के संभल जाने पर रोक लगा दी थी। अचानक 29 तारीख को इस रोक को बढ़ाकर 10 दिसंबर कर दिया गया है। इससे यह बात साफ हो गई है कि संभल में कुछ ऐसा जरूर है जिसे सरकार बाहर नहीं आने देना चाहती, मगर कांग्रेस पार्टी प्रतिबद्ध हैं जनता की आवाज बनने के लिए। प्रतिनिधि मंडल के सदस्य नेता कांग्रेस विधानमंडल दल आराधना मिश्रा मोना एवं पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी सहित प्रदेश के प्रमुख नेताओं को हाऊस अरेस्ट कर लिया गया।

हमारा प्रयास, लोगों तक पहुंचे भाजपा का दर्शन : तावड़े

- बीजेपी दफ्तर में प्रदेश चुनाव पर्यवेक्षकों की कार्यशाला का आयोजन
- सभी वर्गों के साथ महिलाओं को भी प्रतिनिधित्व देने का करना है प्रयास

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

भारतीय जनता पार्टी संगठन पर्व की प्रदेश चुनाव पर्यवेक्षकों की कार्यशाला में उत्तर प्रदेश के केन्द्रीय पर्यवेक्षक और राष्ट्रीय महामंत्री विनोद तावड़े ने कहा, भाजपा संगठन के विस्तार एवं वैचारिक मजबूती का आधार निष्ठापूर्वक संगठन के चुनाव में अपनाये रखना है जिससे भविष्य में आने वाली चुनौतियों का सामना किया जा सके। हमारा प्रयास रहे कि भाजपा का दर्शन, सिद्धांत एवं वैचारिक अधिष्ठान का आग्रह लोगों तक पहुंचे। भाजपा के संविधान के अनुसार नियमों के तहत आम सहमति से चुनावों में युवा वर्ग को संगठन विस्तार में अहम् भूमिका में लाया जाये। प्रदेश भाजपा मुख्यालय में बैठक में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी, प्रदेश चुनाव अधिकारी डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय, प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रमापति राम त्रिपाठी, स्वतंत्र देव सिंह, प्रदेश सह प्रभारी संजीव चौरसिया, अपील कमेटी के प्रदेश संयोजक राजेन्द्र अग्रवाल की मौजूदगी में हुई कार्यशाला में प्रदेश स्तर तक के सभी वरिष्ठ पदाधिकारी, चुनाव अधिकारी, सह चुनाव अधिकारी और मोर्चों के पदाधिकारी शामिल रहे। संचालन प्रदेश सदस्यता प्रभारी एवं प्रदेश महामंत्री गोविन्द नारायण शुक्ला ने किया। विनोद तावड़े ने कहा कि हिंदुस्तान में एकमात्र भारतीय जनता पार्टी ऐसी पार्टी है जो 365 दिन 24 घंटे काम करती है। भाजपा केवल सत्ता प्राप्ति के लिए राजनीति नहीं करती बल्कि राजनीति के साथ सेवा के लिये जानी जाती है। हम राजनीति के साथ सामाजिक सरोकार का काम भी करते हैं। संगठन चुनाव के दौरान कार्यकर्ता की निष्ठा और उसका कमिटमेंट सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण होता है। हम आज सत्ता में हैं और आगे भी सत्ता मे रहे इसलिए संगठन के विस्तार में पार्टी की विचारधारा के अनुरूप कार्यकर्ताओं को प्रेरित करके आगे लाना चाहिये। समाज के सभी वर्गों के साथ महिलाओं को भी प्रतिनिधित्व देने का पूरा प्रयास करना है। संगठन विस्तार के साथ क्षेत्र के सामाजिक-राजनीतिक स्थितियों का विश्लेषण करते हुये लीडरशिप को सामने लेकर आना है।भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने कहा कि, संगठन पर्व के पहले चरण में हमने जिलों में कार्यशालायें की इसके बाद मण्डल स्तर पर कार्यशालायें आयोजित की गईं। कार्यशालाओं के सफल संचालन के उपरांत बूथों पर संगठनात्मक बैठकें करके हम संगठन चुनाव को गति के साथ आगे बढ़ा रहे हैं। आज के बाद संगठन के चुनावों की धुरी मण्डल और उसके बाद जिला स्तर पर रहेगी। मण्डल कार्य का संगठनात्मक आधार है। मण्डल की सक्रियता के कारण जिला, बूथ और शक्तिकेन्द्र के स्तर पर कार्य अच्छा हो जाता है। मण्डल स्तर के चुनावों के लिए कार्ययोजना तय है जिसके बारे में आप सभी को बताया जायेगा कि क्या और कैसे करना है। अगर हम सभी पार्टी के सिद्धातों और नियमों के अनुरूप मिलकर कार्य करेंगे तो मुझको विश्वास है कि, मण्डल के चुनाव भी सफलता के साथ अगले 15 दिनों में सपन्न हो जायेंगे।

कौशल विकास मंत्री ने किया एमपी के ग्लोबल स्किल पार्क का निरीक्षण

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार कपिल देव अग्रवाल ने मध्य प्रदेश के कौशल विकास मॉडल का अध्ययन करने और उसकी कार्यप्रणाली को समझने के उद्देश्य से भोपाल का दौरा किया। उन्होंने एशियाई विकास बैंक परियोजना के तहत विकसित संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल पार्क का निरीक्षण किया और वहां चल रही योजनाओं, नवाचारों और तकनीकी पाठ्यक्रमों की जानकारी ली। इस अवसर पर मध्य प्रदेश के कौशल विकास एवं रोजगार मंत्री गौतम टेटवाल ने मंत्री अग्रवाल का स्वागत किया। निरीक्षण के दौरान मंत्री अग्रवाल ने स्किल पार्क की विश्वस्तरीय सुविधाओं, अत्याधुनिक लैब्स और तकनीकी प्रशिक्षण केंद्रों की सराहना की।श्री अग्रवाल ने मध्य प्रदेश की कौशल विकास रणनीतियों को अनुकरणीय बताया और कहा कि उत्तर प्रदेश इनसे प्रेरणा लेकर अपने युवाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में नई योजनाएं लागू करेगा। एक देश तभी प्रगति करता है, जब उसके युवा कामयाब और सफल होते हैं। युवा ही देश की सबसे बड़ी पूंजी और असली संपत्ति हैं। हमारा उद्देश्य युवाओं को रोजगारपरक कौशल प्रदान कर उन्हें सफलता की नई बुलंदियों तक पहुंचाना है। उत्तर प्रदेश सरकार युवाओं को सशक्त, रोजगारपरक और आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।ग्लोबल स्किल पार्क, जिसे एडीबी की सहायता से विकसित किया गया है, ब्लॉकचेन और साइबर सिक्योरिटी में प्रशिक्षण प्रदान करता है। अत्याधुनिक लैब्स और इलेक्ट्रॉनिक्स प्रशिक्षण केंद्र युवाओं को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए तैयार कर रहे हैं।

महाकुंभ मेला में लगाया जायेगा पराग का स्टॉल

- किसानों और पशुपालकों को दुग्ध मूल्य का नियमित रूप से किया जाए भुगतान- धर्मपाल
- गौजन्य पदार्थों से निर्मित वस्तुओं का हो प्रचार प्रसार

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि महाकुंभ मेला 2025 में पराग का स्टाल लगाया जाए और गौजन्य पदार्थों से निर्मित वस्तुओं का प्रचार-प्रसार भी किया जाए। श्री सिंह ने कहा कि विभाग के लिए सुनहरा अवसर है महाकुंभ के पावन अवसर पर विभाग अपनी उपयोगिता की सार्थकता को सिद्ध करे और वहां के श्रद्धालुओं को पराग के शुद्ध और स्वादिष्ट दूध, दही, लड्डू, मक्खन और अन्य पदार्थ सुलभ करा सके। पराग के उत्पादों की पर्याप्त व्यवस्था की जाए। उत्तर प्रदेश को श्वेत क्रांति की ओर अग्रसर करना अब हमारा लक्ष्य होना चाहिए।पशुधन मंत्री ने ये निर्देश आज यहां विधान भवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में विभागीय कार्यों के क्रियान्वयन की समीक्षा की। दुग्ध उत्पादन बढ़ाकर 05 लाख लीटर प्रतिदिन किया जाए। दुग्ध विकास विभाग का लक्ष्य प्रदेश की जनता को शुद्ध दूध उपलब्ध कराना है और दुग्ध उत्पादन से जुड़े किसानों, पशुपालकों को उनके दुग्ध मूल्य का नियमित रूप से भुगतान कराना प्राथमिकता है। अधिकारियों को बंद पड़ी दुग्ध समितियों को पुनः चालू किये जाने और वर्तमान में संचालित समितियां किसी भी कारण से बंद न किये जाने पर विशेष बल दिया। नन्द बाबा एवं गोकुल पुरस्कार के वित्तीय वर्ष 2023-24 के लाभार्थियो की चयन सूची तैयार कर पुरस्कृत करने की कार्यवाही शीघ्र पूरी की जाए। दुग्ध विकास मंत्री ने कानपुर, गोरखपुर और कन्नौज डेयरी प्लांट का संचालन एनडीडीबी को दिये जाने के संबंध में हुई प्रगति की भी समीक्षा की और कहा कि जो भी औपचारिकताएं शेष या अपूर्ण हैं, उन्हें शीघ्र पूरा किया जाए। प्रदेश में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए नई समितियों के गठन एवं पुनर्गठन का लक्ष्य निर्धारण किया गया है, उसे सुदृढ़ कार्ययोजना बनाकर शीघ्र पूरा किया जाए। अवगत कराया गया कि वर्तमान में 8227 कार्यरत समितियां हैं। पराग के उत्पादों की मार्केटिंग कर विशेष ध्यान दिया जाए। किसानों, पशुपालको को उनके दुग्ध मूल्य का भुगतान निर्धारित समयावधि में किया जाए और विलम्ब न होने पाये। वर्तमान भुगतान के साथ ही बकाया धनराशि का भी भुगतान कर भुगतान प्रक्रिया को नियमित किया जाए।बैठक में दुग्ध विकास विभाग के प्रमुख सचिव के रवीन्द्र नायक ने मंत्री को आश्वस्त करते हुए कहा कि उनसे प्राप्त दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। उन्होंने अधिकारियों को समितियों की संख्या बढ़ाये जाने के संबंध में तत्परता से कार्य किये जाने के निर्देश दिये। बैठक में गठन पुनर्गठन के सापेक्ष संचालित दुग्ध समितियां, दुग्ध समितियों द्वारा भ्रमण, डेयरी प्लांट की उपयोगिता क्षमता, दुग्ध उपार्जन, तरल दुग्ध बिक्री, बकाया दुग्ध मूल्य भुगतान आदि की गहन समीक्षा की गयी। बैठक में पशुधन विभाग के विशेष सचिव देवेंद्र पाण्डेय, पीसीडीएफ के प्रबंध निदेशक आनंद कुमार सिंह, पशुपालन निदेशालय के निदेशक पीएन सिंह, अपर निदेशक डॉ जयकेश पाण्डेय सहित शासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में प्रादेशिक कोआपरेटिव डेयरी फेडरेशन का किया गया प्रस्तुतिकरण

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

- मुख्यमंत्री का निर्देश, दुग्ध संघों में हर स्तर पर तय की जाए जवाबदेही, सभी कर्मियों के तय किये जाएं टॉरगेट
- दुग्ध सहकारी समिति से जुड़े कर्मियों का कराया जाए उचित प्रशिक्षण और उपलब्ध कराए जाएं आवश्यक उपकरण

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की अध्यक्षता में आज उनके सरकारी आवास पर प्रादेशिक कोआपरेटिव डेयरी फेडरेशन का प्रस्तुतिकरण किया गया। मुख्यमंत्री जी ने निर्देशित किया कि दुग्ध सहकारी समिति से जुड़े कर्मियों का उचित प्रशिक्षण कराया जाये और उन्हें आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराये जाएं। प्रदेश में दुग्ध सहकारी समितियों और दुग्ध संघों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा विकसित की जाए। इसके लिए प्रत्येक गांव व किसानों से दुग्ध सहकारी समितियां संवाद स्थापित कर अपने कार्यों को बेहतर तरीके से आगे बढ़ाएं। किसानों को दुग्ध उत्पादन में वृद्धि के लिए बेहतर नस्ल के दुधारू पशुओं के पालन के लिए जागरुक किया जाए। साथ ही किसानों को दुधारु पशुओं के पालन-पोषण के लिए वैज्ञानिक तरीके से प्रशिक्षित किया जाए। इससे डेयरी संघों में दुग्ध उत्पादकता में वृद्धि होगी और किसानों की आय भी बढ़ेगी। इन सभी कार्यों में आधी आबादी की महत्वपूर्ण भूमिका है। डेयरी क्षेत्र महिलाओं की आत्मनिर्भरता को बढ़ाने का एक सशक्त माध्यम साबित हुआ है। बुंदेलखंड क्षेत्र में बलिनी मिल्क प्रोड्यूसर इसका सर्वोत्तम उदाहरण है। दुग्ध सहकारी समितियों और दुग्ध संघों में महिलाओं की भागीदारी को और बढ़ावा दिया जाए। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि दुग्ध संघों में हर स्तर पर जवाबदेही तय करते हुए कार्य के टॉरगेट तय किये जाएं। दूध के संग्रह की क्षमता बढ़ाते हुए दूध की गुणवत्ता परीक्षण के कार्यों को बेहतर किया जाए। डेयरी क्षेत्र को किसानों के लिए अधिक फायदेमंद बनाने के लिए डेयरी फेडरेशन बेहतर मॉडल विकसित करे। डेयरी क्षेत्र में अच्छा कार्य करने वालों को प्रोत्साहित किया जाए। गोबर से कंप्रेस्ड बायो गैस के प्लांट स्थापित किये जाएं। इनकी स्थापना के लिए भूमि प्रदेश सरकार उपलब्ध कराएगी। बैठक में अधिकारियों ने अवगत कराया कि इस वर्ष प्रदेश में संचालित डेयरी प्लांट्स अपनी स्थापित क्षमता के सापेक्ष लगातार अच्छा करने का प्रयास कर रहे हैं। गत वर्ष की तुलना में इस वर्ष दुग्ध उपार्जन, दुग्ध बिक्री में बढ़ोतरी रही है। दुग्ध सहकारी समितियों के माध्यम ने उत्पादकों से सीधे दुग्ध संग्रह का कार्य किया जा रहा है। दूध का उत्पादन बढ़ाने के लिए किसानों को तकनीकी सुविधाएं मुहैया कराई जा रही है। शहरी उपभोक्ताओं को उचित मूल्य पर अच्छी गुणवत्ता का दूध उपलब्ध कराने के लिए लगातार कार्य किये जा रहे हैं। ज्ञातव्य है कि प्रदेश में इस समय 18 क्लस्टर दुग्ध संघ कार्य कर रहे हैं। पीसीडीएफ द्वारा बरेली, प्रयागराज, मुरादाबाद, झांसी, आजमगढ, अयोध्या, लखनऊ, मेरठ, कन्नौज, गोरखपुर व कानपुर में डेयरी प्लांट्स का संचालन किया जा रहा है। एनडीडीबी द्वारा वाराणसी में डेयरी प्लांट्स संचालित किया जा रहा है। कन्नौज, गोरखपुर व कानपुर में एनडीडीबी के माध्यम में डेयरी प्लांट्स के संचालन की कार्रवाई प्रक्रियाधीन है।

पेशी पर आए बंदी ने पुलिसकर्मी की आंख में झोंका मिर्ची पाउडर, सिपाही की बहादुरी के आगे रहा नाकाम

कोर्ट परिसर में अधिवक्ताओं ने भागने का प्रयास कर रहे बंदी को पकड़कर पुलिस को सौंपा

जन एक्सप्रेस । रायबरेली

दीवानी न्यायालय में उस समय हड़कंप मच गया, जब एक हत्यारोपी बंदी को जिला जेल से कोर्ट में पेशी पर लाया गया था। बंदी ने फरार होने के लिये सिपाही की आंखों में मिर्च पाउडर डाल दिया। हालांकि सिपाही की बहादुरी के चलते वह फरार नहीं हो पाया। तभी अधिवक्ताओं ने भी उसे पकड़ लिया। सिपाही को जिला अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है लगभग 2 बजे रायबरेली के शहर कोतवाली थाना क्षेत्र के दीवानी न्यायालय में तैनात सिपाही हिमांशु सिंह बंदी सैफ इमरान निवासी हाजीपुर, थाना जायस, अमेठी को कोर्ट में पेशी पर लाया था।

इसी दौरान बंदी ने मौका पाते ही सिपाही की आंखों में मिर्च पाउडर डालकर भागने का प्रयास किया लेकिन सिपाही ने उसकी पकड़ नहीं छोड़ी। वहां मौजूद अधिवक्ताओं ने बंदी को पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कियाबंदी के हमले के बाद सिपाही को जिला अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है सैफ ने बताया कि उसे अमर नाम लड़के ने बताया कि 302 के मुजरिम हो, कभी छूट नहीं पाओगे. उसने मुझे पाउडर दिया और कहा कि 5 मिनट का समय है। तुम सिपाही की आंख में डाल करके फरार हो जाना। गाड़ी से उतरने बाद उसने ही मिर्ची दे दी थी. जब मैं भागने लगा तो मुझे पकड़ लिया गया। बताया कि 2020 से जेल में बंद हूं अस्पताल ईएमओ रोशन पटेल ने बताया कि कांस्टेबल को उपचार करके भेज दिया गया है वहीं बंदी भी इलाज के लिये लाया गया था। फिलहाल अभी तक पुलिस अधिकारियों द्वारा इस मामले में कोई बयान जारी नहीं किया गया है. हालांकि पुलिस के ट्विटर हैंडल से यह जरूर कहा गया है प्रकरण को संज्ञान में लेकर आवश्यक कार्रवाई के लिए कोतवाली पुलिस को निर्देशित किया गया है।

रंगमहल में मंडप पूजन के साथ शुरू हो जाएगा श्रीराम विवाहोत्सव

जन एक्सप्रेस/अयोध्या। राममंदिर से सटे प्राचीन रंगमहल में विवाहोत्सव की विशिष्ट परंपरा है। यहां आज भी 250 वर्ष पुराने काष्ठ के मंडप में विवाह की रस्म निभाई जाती है। मंदिर के भव्य आंगन में मंडप को सजाने का काम शुरू कर दिया गया है। मान्यता है कि जब माता सीता विवाहोपरांत अयोध्या की धरती पर आईं, तब कौशल्या को सीता माता का स्वरुप इतना अच्छा लगा कि उन्होंने रंग महल सीता जी को मुंह दिखाई में दिया था। यहां मां सीता की उपासना होती है। मंदिर के महंत रामशरण दास ने बताया कि विवाह पंचमी का मुख्य पर्व छह दिसंबर को मनाया जाएगा। इस दिन हाथी, घोड़े, रथ से सज्जित भव्य राम बारात निकाली जाएगी। तीन दिसंबर को मंडप पूजन के साथ उत्सव का श्रीगणेश होगा। चार दिनों तक रामजन्मभूमि से लेकर धनुषयज्ञ तक की लीला का मंचन किया जाएगा। चार दिसंबर को हल्दी पूजन का कार्यक्रम होगा।

तहसील स्तरीय दिव्यांगजन खेलकूद प्रतियोगिता सम्पन्न

जन एक्सप्रेस । अमेठी

जनपद के ब्लाक संसाधन केंन्द्र तिलोई पर दिव्यांग बच्चों के खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें सिंहपुर, तिलोई एवं बहादुरपुर के बच्चों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता का उद्घाटन राम किशन कश्यप खण्ड शिक्षा अधिकारी तिलोई एवं धीरेन्द्र प्रताप सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष एवं जिलाध्यक्ष उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने किया।

प्रतियोगिता में अलग-अलग खेल प्रतियोगिता में बच्चों ने अपनी क्षमता का बखूबी प्रदर्शन किया। प्राथमिक स्तर पर पचास मीटर दौड़ में उमेश सिंहपुर ने पहला स्थान प्राप्त किया। उच्च प्राथमिक स्तर पर सुमित तिलोई ने एवं बालिका वर्ग में प्रियांशी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कुर्सी दौड़ में

राज बहादुरपुर ने, बालिका वर्ग में रोहिणी तिलोई प्रथम, चित्रकला प्रतियोगिता में बालक वर्ग में बहादुरपुर के आलोक प्रथम, बालिका वर्ग में तिलोई की प्रियांशी प्रथम रहे। छूकर पहचानों में शिव कुमार बहादुरपुर ने पहला स्थान प्राप्त किया। विजेता प्रतिभागियों को राम किशन कश्यप एवं धीरेन्द्र प्रताप सिंह ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस मौके पर संतोष तिवारी, कामता प्रसाद दीक्षित माधवेन्द्र प्रताप सिंह सहित दर्जनों शिक्षक और अभिभावक मौजूद रहे।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

जन एक्सप्रेस । अमेठी

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ जिला मुख्यालय गौरीगंज में सोमवार को हिंदू संगठनों ने एकजुट होकर जोरदार विरोध-प्रदर्शन किया। गौरीगंज के खेल मैदान से निकली जन आक्रोश रैली कलेक्ट्रेट जाकर समाप्त हुई।वहां हनुमान चालीसा का पाठ करने के बाद प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपा।

सनातन धर्म की रक्षा की मांग को लेकर बाबूगंज सगरा पीठाधीश्वर मौनी महाराज के नेतृत्व में आयोजित इस रैली में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। मौनी महाराज ने कहा कि हमारा धर्म सबके सुख- शांति की कामना करता है।

लेकिन बांग्लादेश में संतों, हमारी माताओं, बहनों और बेटियों के साथ अत्याचार हो रहा है।हिंदुओं को प्रताड़ित किया जा रहा है। यह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रदर्शनकारियों ने बांग्लादेश सरकार से दोषियों पर कड़ी

कार्रवाई की मांग की है।मौनी महाराज ने आगे कहा कि अगर बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार नहीं रुके, तो हम वहां जाने को मजबूर होंगे। यह हिंदुस्तान है, जहां सभी को सुख और शांति का अधिकार है। हम विश्व भर से अपील करते हैं कि आतंकवादियों पर कार्रवाई करें। और हिंदुओं की रक्षा सुनिश्चित करें।

नारों से गूंजा शहर

प्रदर्शन में शामिल लोगों ने चेतावनी दी कि अगर स्थिति नहीं सुधरी,तो सरकार के खिलाफ बड़े स्तर पर आंदोलन होगा। रैली में **सनातन धर्म की जय**और **हिंदू एकता ज़िंदाबाद** के नारों से माहौल गूंज उठा।

डिग्री कॉलेज बछरावां में एक दिवसीय रोजगार मेला 4 दिसम्बर को

जन एक्सप्रेस/रायबरेली। जिला सेवायोजन कार्यालय रायबरेली के तत्वावधान में 04 दिसंबर 2024 को रोजगार मेले का आयोजन दयानन्द बछरावां डिग्री कॉलेज, बछरावां रायबरेली में किया जाना प्रस्तावित हैं जिसमें निजी क्षेत्र की ब्राइट फ्यूचर ऑर्गेनिक हर्बल, जी0 फोर0एस0 सिक्योर सॉल्यूशन इंडिया प्रा0लि0, शिवशक्ति बायोटेक्नोलॉजी लि0, पीपल ट्री ऑनलाइन, पुखराज हेल्थ केयर, बुसा मैनेजमेंट मार्केटिंग लि0 द्वारा डिप्लोमा, आई0टी0आई0, हाईस्कूल इंटर, स्नातक अभ्यर्थी के रिक्त पदों पर बेरोजगार अभ्यर्थियों का चयन किया जायेगा। इच्छुक अभ्यर्थी मेले में अपने साथ आई0डी0 मूल शैक्षिक अभिलेख एवं पासपोर्ट साइज फोटो के साथ सम्मिलित हो सकते है। रोजगार मेले में प्रतिभाग करने के लिये सर्वप्रथम अभ्यर्थियों को रोजगार संगम पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीयन कराना अनिवार्य होगा पंजीकरण में किसी प्रकार की असुविधा होने पर जिला सेवायोजन कार्यालय, रायबरेली में संपर्क किया जा सकता है।

उपनिदेशक पंचायत ने ग्राम पंचायत दरीबा एवं निर्मित जिला पंचायत रिसोर्स सेन्टर का किया निरीक्षण

जन एक्सप्रेस । रायबरेली

उपनिदेशक लखनऊ मंडल शाश्वत आनंद सिंह तथा उप निदेशक मुख्यालय राघवेंद्र द्विवेदी ने ग्राम पंचायत दरीबा एवं जिला पंचायत द्वारा निर्मित जिला पंचायत रिसोर्स सेन्टर का निरीक्षण किया निरीक्षण सेपहले उपनिदेशक ने जिला पंचायत के एएमए राजेन्द्र प्रसाद डीपीआरओ सौम्य शील सिंह एवं सभी एडीओ पंचायत के साथ विभागीय योजनाओं की गहन समीक्षा की।

उन्होंने जिला पंचायत को डीपीआरसी की बाउंड्री एवं गेट शीघ्र लगाने के लिए निर्देशित किया इसके अलावा सभी अपूर्ण जन सुविधा केंद्रों को 31 दिसंबर तक बन जाएं और अंत्येष्टि स्थलों पर वृक्षारोपण कर उपवन बनाए जाने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायतों का फोकस जन सुविधा केंद्र के माध्यम से अधिक से अधिक सुविधा पंचायत सचिवालय से देने पर हो। सभी नवनियुक्त पंचायत सहायकों की

ट्रेनिंग डीपीआरसी पर कराई जाए और भविष्य में स्वयं की आय के आधार पर ही ग्राम निधि दी जाएगी। इसके लिए सभी ग्राम पंचायतें अपनी आय बढ़ाने पर जोर दें।

उन्होंने निर्देशित किया कि 31 जनवरी 2025 तक सभी ग्राम मॉडल घोषित हो जाए। शौचालय का आवंटन शत प्रतिशत हो जाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने जिले में सर्वाधिक सेवा देने वाले 3 पंचायत सहायकों एवं तकनीकी नवाचार के माध्यम से आदर्श गांव बनाने वाली प्रधान डीह को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिह्न भी दिया।

निदेशक पंचायती राज अटल कुमार राय ने पंचायत सहायकों द्वारा प्रत्येक गांव में 10 से 25 निर्धनतम परिवारों का चिन्हीकरण त्वरित गति से किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस संबंध में मुख्य सचिव महोदय शीघ्र दिसंबर माह में प्रदेश के समस्त पंचायत सहायकों के साथ वेबिनार के माध्यम से वार्ता भी करेंगे।

पुल से नीचे गिरा ट्रैक्टर, चालक की हुई मौत

जन एक्सप्रेस । अमेठी

जिले के बाजार शुकुल थाना क्षेत्र में सोमवार तड़के एक दर्दनाक हादसा हुआ। मिट्टी लेकर जा रही एक ट्रैक्टर ट्राली अनियंत्रित होकर क्षतिग्रस्त पुल से नीचे गिर गई। जिससे चालक की मौके पर ही मौत हो गई।

हादसे की जानकारी ग्रामीणों ने पुलिस को दी।जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।घटना सौना मोड़ के पास की है।भाले निहालगढ़ सैदापट्टी गांव के निवासी कन्हैया लाल चौहान पुत्र सुंदर लाल ट्रैक्टर ट्राली से मिट्टी लेकर पास के बरसंडा ग्राम सभा में बन रही पेट्रोल टंकी पर जा रहे थे।

सुबह करीब चार बजे उनका ट्रैक्टर सौना मोड़ पर अनियंत्रित होकर क्षतिग्रस्त पुल से नीचे गिर गया। ट्रैक्टर के नीचे दबने से कन्हैया की मौके पर ही मौत हो गई। कन्हैया की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। मृतक की दो बेटियां हैं। जिनके सिर से पिता का साया उठ गया है। परिवार के सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार यह पुल लंबे समय से क्षतिग्रस्त है।इसकी मरम्मत के लिए संबंधित विभाग को कई बार शिकायत की गई।लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। हादसे की सूचना पर लोगों की भीड़ लग गई।

बताया जाता है कि इस पुल पर पहले भी कई हादसे हो चुके हैं।लेकिन प्रशासनिक लापरवाही के चलते दुर्घटनाओं का सिलसिला जारी है।कमरौली थाना प्रभारी अभिनेष कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

असलहा लगाकर शराब व्यवसायी से पैसों भरा बैग ले उड़े बदमाश

जन एक्सप्रेस । रायबरेली

जनपद में घटित लूट की घटना से पुलिस गश्त की पोल खुल गई है। बीती रात रायबरेली लालगंज मार्ग पर कनपटी पर असलहा लगाकर बदमाशों ने बाइक सवार शराब व्यवसाई से मारपीट कर पैसों भरा बैग छीन लिया और छीनकर फरार हो गए। घटना से मचे हड़कंप के बाद पुलिस जांच पड़ताल में जुट गई है। घटना 1 दिसंबर 2024 रविवार की रात लगभग 10रू30 के आसपास की बताई जा रही है जहां रायबरेली जनपद के गुरुबख्शगंज थाना क्षेत्र की अटौरा पुलिस चौकी के अंतर्गत आने वाले सोइठा गांव के पास सुनसान स्थान पर लुटेरों ने बाइक सवार शराब व्यवसायी से साढ़े पांच लाख रुपए लूट लिए। सूचना मिलते ही घटनास्थल पर पहुंचकर पुलिस ने व्यवसायी से पूछताछ की और मार्ग में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है।

शराब व्यवसायी राजकुमार जायसवाल रायबरेली शहर के अमर नगर मोहल्ले में रहते हैं। वह रविवार को अपने कर्मचारी चन्द्र प्रकाश मिश्रा निवासी खाली सहाट के साथ बाइक से क्षेत्र की शराब दुकानों से रुपए लेकर अपने घर रायबरेली आ रहे थे रायबरेली-लालगंज मार्ग पर अटौरा पुलिस चौकी क्षेत्र के सोइठा गांव के पास सुनसान स्थान पर बाइक सवार लुटेरे पीछे से आये और उन्हें रोक कर कनपटी पर असलहा लगा दिया बदमाश करीब 5.5 लाख की नकदी से भरा बैग लूट कर फरार हो गयेव्यवसायी ने इसकी सूचना पुलिस को दी सूचना के बाद सीओ अनिल कुमार सिंह और थाना प्रभारी प्रमोद कुमार सिंह मौके पर पहुँच गए पुलिस ने लुटेरों को पकड़ने के लिए नाकेबंदी की लेकिन कोई सफलता नहीं मिलीथाना प्रभारी प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि शराब व्यवसायी के साथ हुई लूट की सूचना पर जांच की जा रही है व्यवसायी का कहना है कि बाइक के बीच में रुपयों से भरा बैग लेकर जा रहे थे बगल से निकले बाइक सवार लुटेरे रुपयों से भरा बैग लेकर चले गए।

एनएसपीएस त्रिपुला के छात्रों का साइंस सिटी और जुरासिक पार्क में शैक्षिक भ्रमण कराया गया

जन एक्सप्रेस । रायबरेली

न्यू स्टैंडर्ड पब्लिक स्कूल सीनियर सेकेंडरी स्कूल त्रिपुला के विद्यार्थियों ने लखनऊ के साइंस सिटी और जुरासिक पार्क का एक दिवसीय शैक्षिक भ्रमण किया जहाँ उन्होंने विज्ञान शहर में इंटरेक्टिव प्रदर्शनियों को देखा इस दौरान शिक्षकों एवं साइंस सिटी गाइड ने उन्हें विज्ञान के विषयों की जानकारी दी वहीं जुरासिक पार्क में भूतकाल के जीवों (डायनासोर) को वर्तमान में देखकर बच्चे आश्चर्यचकित हुए और उन्होंने उत्साहपूर्वक डायनासोर की सभी प्रजातियों को सजीव देखकर उनके विषय में जानकारी प्राप्त की साथ ही जनेश्वर मिश्र पार्क में, उन्होंने शांत वातावरण का आनंद लिया यह भ्रमण छात्रों के लिए शिक्षा और मनोरंजन का मिश्रण था जिससे छात्रों को प्रेरणा, रोमांच और अविस्मरणीय यादें मिलीं।

प्रधानाचार्य शिवलखन प्रजापति ने बताया कि विद्यालय द्वारा प्रतिवर्ष विद्यार्थियों को शैक्षिक भ्रमण कराये जाते हैं जिसके माध्यम से उन्हें स्कूल से इतर जानकारियां प्राप्त होती हैं

भरम के दौरान विद्यार्थियों के साथ विद्यालय की संयोजिका संचिता त्रिवेदी, शिवकरन पाल, पिंकी जायसवाल, रश्मी साहू, कामरान, विवेक सिंह राममिलन अतुल पाण्डेय, जितेंद्र सिंह आशुतोष त्रिवेदीशिवम सिंह रमाकांत विश्वकर्मा आदि शिक्षक मौजूद रहे।

डीएम ने निर्माणाधीन राजकीय सम्प्रेक्षण गृह का निरीक्षण कर दिए आवश्यक निर्देश

जन एक्सप्रेस । रायबरेली

जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने जनपद में गोरा बाजार में निर्माणाधीन राजकीय सम्प्रेक्षण गृह जिसकी क्षमता 100 बेड है, का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि यह कार्य माह अगस्त, 2017 से प्रगति पर है। इसकी पूर्व में मूल स्वीकृत लागत रू0 5.02 करोड़ थी, जिसमें चहारदीवारी का निर्माण सम्मिलित नहीं था चहारदीवारी के निर्माण की लागत को सम्मिलित करते हुए कार्य की पुनरीक्षित लागत रू0 06.60 करोड़ है अन्तिम किस्त कार्यदायी संस्था को मार्च, 2024 में प्राप्त हुई थी कार्य को पूर्ण करने की निर्धारित तिथि 31 दिसम्बर2024 हैजिलाधिकारी ने निरीक्षण के दौरान निर्मित डारमेट्री में बोर्डध्अल्मारी की कोन-धार तिरछी है, प्रथम तल पर जाने वाली सीढ़ियों की ढाल अधिक होने के कारण उन्हें तोड़कर ठीक कराने, मुख्य भवन के बाहर की तरफ

खिड़की के छज्जों की मोटाई एक धार में न होने के कारण ठीक कराने के निर्देश देने के साथ साथ निर्माण कार्य में गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिये गये कार्यदायी संस्था के अधिशाषी अभियन्ता द्वारा अवगत कराया गया कि मुख्य भवन में रंगाई-पुताई, फिटिंग-फिक्सचर्स लगाने का कार्य प्रगति पर है वार्डेन आवास, पम्प रूम, गार्ड रूम का फिनिशिंग कार्य भी प्रगति पर है, जोकि पूर्ण करते हुए इन्वेन्ट्री 20 दिसम्बर, 2024 तक जिला प्रोबेशन अधिकारी, रायबरेली को उपलब्ध करा दी जायेगीजिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्था के अधिशाषी अभियन्ता को निर्देशित किया कि प्रत्येक परिस्थिति में समस्त कार्यों को पूर्ण कराते हुए इन्वेन्ट्री 20 दिसम्बर 2024 तक जिला प्रोबेशन अधिकारी को प्रेषित करना सुनिश्चित करें अन्य कराये गये कार्यों की गुणवत्ता पर जिलाधिकारी द्वारा संतोष व्यक्त किया गया।

बाइक देने से मां ने किया इनकार, तो बेटे ने उतार दिया मौत के घाट

जन एक्सप्रेस । रायबरेली

मां ने घर में रखी मोटरसाइकिल की चाबी देने से अपने बेटे को मना कर दिया, तो इस बात से बेटे ने गुस्से में आकर अपनी मां की गला दबाकर हत्या कर दी. पुलिस ने जांच के बाद आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर लियासलोन थाना इंचार्ज जेपी सिंह ने बताया कि सलोन कोतवाली क्षेत्र के बिजवलिया में रहने वाली कलावती (65 वर्ष) का शव मिल एरिया थाना क्षेत्र में शारदा नहर के पास गांव भटपुरवा में मिला था. परिजनों ने उनकी गुमशुदगी की रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई थी. 15 नवंबर को राकेश पाल पुत्र राम दुलारे पाल (26 वर्ष) निवासी बिजवलिया थाना सलोन ने अपनी मां कलावती से घर में रखी मोटरसाइकिल मांगी। कलावती ने बाइक देने से मना कर दिया इसके बाद राकेश पाल ने अपने भाई को फोन किया तो उसने भी उसे बाइक नहीं दी इसके बाद वह घर आया और गुस्से में अपनी मां का गला दबाकर मार डाला. इसके बाद उसने मां शव को छप्पर के अंदर रख भूसे में छिपा दिया फिर वह अपनी पत्नी को लेकर गंगा स्नान करने निकल गया रात 8 बजे वह लौटकर आयाफिर उसने अपनी मां की लाश को बोरी में भरा. राकेश ने घर से 30 किलोमीटर दूर थाना मिल क्षेत्र के भटपुरवा गांव के पास लाश समेत बोरी को फेंक दिया और वहां से लौट आयापुलिस का कहना है कि 16 नवंबर को परिजनों ने थाने में महिला की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी पुलिस की जांच और सर्विलांस की मदद से पता चला कि हत्या में राकेश पाल का ही हाथ है पुलिस ने पूछताछ की राकेश ने सच उगल दिया उसने इंटरकास्ट लव मैरिज की थी और अपने परिवार से अलग रह रहा था।

राम मंदिर ट्रस्ट ने जारी की शिव मंदिर सहित निर्माणाधीन अन्य मंदिरों की तस्वीरें

जन एक्सप्रेस । अयोध्या

श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में श्रीरामलला के विराजमान होने को वर्ष भर का समय पूर्णता की ओर है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने प्रतिष्ठा द्वादशी समारोह पूर्वक मनाने की योजना तैयार की है। इसी के अनुसार मंदिर निर्माण के शेष कार्य में तेजी आई है।

परकोटे में निर्माणाधीन शिव मंदिर, सूर्य मंदिर, दुर्गा माता मंदिर, गणेश मंदिर, अन्नपूर्णा मंदिर और हनुमान मंदिर में से कुछ का स्पष्ट स्वरूप उभर आया है। शेष में निर्माण कार्य तेजी पर है। यही स्थिति मंदिर के शिखर निर्माण की है। निर्माण की प्रगति स्पष्ट परिलक्षित होने लगी है।

निर्माण कार्य की देखरेख में लगे दायित्वधारी श्रम और ऊर्जा के साथ जुटे हैं। वे कहते हैं कि समय का दबाव तो है ही लेकिन गुणवत्ता का ध्यान सर्वोपरि है। शीघ्र ही सुखद परिणाम दिखाई देगा।

इसी तरह राम मंदिर के शिखर का निर्माण भी तेज गति से किया जा रहा है। 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में भगवान श्रीराम के मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा की गई थी। इस वर्ष भी 22 जनवरी को विशेष

आयोजन की तैयारी है।

राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र समय-समय पर परिसर का निरीक्षण कर निर्माण की गति को देखते रहते हैं। श्रीराम जन्मभूमि परिसर में कई भव्य मंदिरों का निर्माण किया जा रहा है। अयोध्या को हिंदू धर्म की प्रमुख नगरी के रूप में विकसित किया जा रहा है।

बीती 22 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की थी। वो छवियां आज भी लोगों के मन में अंकित हैं।

पुत्र को गायब करने का ग्रामीण ने लगाया आरोप..

हजारा थाना क्षेत्र के एक ग्रामीण ने पड़ोसी जिला लखीमपुर-खीरी के संपूर्णानगर निवासी चार युवकों पर पुत्र को गायब करने का आरोप लगाते हुए हजारा थाना में तहरीर... खबर पेज 10 पर...

शिवराजपुर ब्लॉक में अमृत सरोवर नाम की ब्लॉक अधिकारियों ने बदली परिभाषा

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

शिवराजपुर। ब्लॉक क्षेत्र के 18 गांवों में करोड़ों की लागत से अमृत सरोवर बनाने का लक्ष्य मिला था। इसमें लगभग 12 अमृत सरोवर तैयार हुए थे। देखरेख के अभाव में इनमें से ज्यादातर का हाल बंद से बद्तर हो चुका है। कागजों में तो अमृत सरोवर में लबालब पानी भरा हुआ दिखाया गया है, लेकिन हकीकत में ज्यादातर अमृत सरोवर सूखे पड़े हैं। देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी योजना अमृत सरोवर के नाम को ब्लॉक के अधिकारियों ने झुठला दिया है। बारिश में जरूर थोड़ा बहुत पानी भर जाता है। खेरेश्वर मंदिर के गंधर्व तालाब पर विकसित अमृत सरोवर का भी कमोबेश यही हाल देखने को मिला है। सरोवर में पानी न होने से झाड़ियां उग आई हैं। ब्रांच और पौधों की सुरक्षा ले लिए लगाए गए ट्री गार्ड टूट-फूट चुके हैं। खेरेश्वर मंदिर से सटे गंधर्व तालाब को अमृत सरोवर के रूप में विकसित किया गया था। यहां तहसील क्षेत्र का पहला सेल्फी प्वाइंट भी बनवाया गया है। लेकिन देखर के अभाव में यह अमृत सरोवर दुर्दशा का शिकार होकर बेरौनक हो गया है। सरोवर के आसपास लगी बेंच आदि टूट गई है। पाथ वे पर लगी ईंटे उखड़ने लगी हैं। सुरक्षा के लिए लगाए गए कंटीले तारों के टूटने से छुट्टा मवेशियों का जमावड़ा लगा रहता है। बीते दिन सोमवार को जब जान एक्सप्रेस की टीम ने ग्राउंड जीरो पर जाकर सरोवर का हाल दिखा तो पता चला कि ब्लॉक के अधिकारियों ने अमृत सरोवर के नाम की परिभाषा ही बदल कर रख दी है। ऐसे में सुबह-शाम लोग यहां आने से कतराने लगे हैं। उधर, इस संबंध में शिवराजपुर के ब्लॉक प्रमुख शुभम बाजपेई का कहना है कि जिस कार्यदायी संस्था को काम करने के लिए टेंडर दिया गया था, उसकी कार्य करने की अवधि पूरी हो चुकी है। अमृत सरोवर के कई काम अभी अधूरे हैं। कार्यदायी संस्था को नोटिस देकर चेतावनी दी जाएगी। समझने वाली बात यह है कि एक पंचवर्षीय योजना पूरी हो जाने के बाद भी अभी तक अमृत सरोवर जिओ के त्यों अधूरें बने हुए पड़े हैं।

जल संचय को लेकर बनाए गए थे अमृत सरोवर

भविष्य के लिए जल संरक्षण के उद्देश्य से प्रधानमंत्री ने 14 अप्रैल 2022 को मिशन अमृत सरोवर नामक एक नई योजना की शुरुआत की थी। इस मिशन का उद्देश्य आजादी का अमृत महोत्सव के उत्सव के एक भाग के रूप में देश के प्रत्येक जिले में 75 जल निकायों का विकास और पुनरुद्धार करना था। इस योजना के अंतर्गत देश भर में 50000 अमृत सरोवर बनाए जाने का लक्ष्य था। इन अमित सरोवरों को बनाए जाने के पीछे सरकार मंशा थी कि आने वाले भविष्य में यदि जल की समस्या होती है तो अमृत सरोवर में मौजूद जल को बहुउद्देशीय रूप में इस्तेमाल किया जा सके। जिससे फैसलो की सिंचाई में भी इस्तेमाल किया जाए। लेकिन देश के प्रधानमंत्री की यह महत्वाकांक्षी योजना शिवराजपुर ब्लॉक में पूरी तरीके से धड़ाम हो कर रह गई है।

सीवर के पानी के भराव से परेशान लोगों ने केडीए मुख्यालय में किया प्रदर्शन

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

सोमवार को पनकी में सीवर भराव से परेशान क्षेत्रीय लोगों ने केडीए मुख्यालय पहुंच कर विरोध प्रदर्शन किया। मुख्यालय में अंदर प्रवेश को लेकर प्रदर्शन करने आए लोगों की सुरक्षा कर्मियों से झड़प हो गई। वहीं प्रदर्शनकारी अंदर जाने को लेकर अपनी बात पर अड़े रहे। हालांकि मुख्यालय में प्रवेश के बाद लोगों ने हंगामा कर दिया। केडीए बी मदन सिंह गबरयाल से मिलने की जिद पर पड़े हुए थे। क्षेत्रीय लोगों का आरोप है कि जवाहरपुरम सेक्टर 14 में स्थित डूडा कॉलोनी केडीए द्वारा बसाई गई थी। लेकिन वहां की सीवर लाइन अभी तक जल- कल को शिफ्ट नहीं की गई है। वहां शिवर की बहुत बड़ी समस्या है। इसी तरह पनकी के गंगागंज गांव में केडीए सीवर लाइन तो डाली गई है लेकिन अभी तक जल-कल नगर निगम कानपुर को हस्तांतरित नहीं की गई। केडीए मैं आसपास आबादी विकसित की है लेकिन गंगागंज गांव की सीवर समस्या का समाधान नहीं किया। लोगों का यह भी आरोप है कि केडीए मैं दो-तीन बार सैकड़ो की संख्या में आकर समस्या समाधान के लिए प्रार्थना पत्र दिया लेकिन आज तक आश्वासन के अलावा कुछ नहीं मिल सका। कार्रवाई अभी तक नहीं की गई। इसी बात से नाराज होकर लोगों ने तीसरी बार धरना प्रदर्शन किया। लोगों का आरोप है की समस्या के समाधान न होने तक धरना प्रदर्शन यूं ही जारी रहेगा। केडीए द्वारा क्षेत्र के एलाटी लोगों को परेशान किया जा रहा है।

ओएसडी रवि प्रताप से शिकायत करने के पश्चात भी रवि प्रताप द्वारा झूठा आश्वासन दिया जाता रहा है। इतना ही नहीं 6 6 महीने एलाटी रजिस्ट्री के लिए चक्कर लगा रहा है। फिर भी उन लाभार्थियों का कोई काम नहीं हो रहा है। इस दौरान पूर्व पार्षद अशोक दुबे पूर्व पार्षद उत्तम दुबे पार्षद अनुप्रिया दुबे समेत सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

गौशालाओं में गोवंशो को ठंड से बचाव के लिए की जा रही तैयारी

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

शिवराजपुर। सर्दी बढ़ते ही गौशालाओं में गोवंशों को ठंड से बचाने के लिए इंतजाम शुरू कर दिए गए हैं। गौशालाओं में पल्ली और पराली बिछाने के साथ ही तिरपाल लगाए जा रहे हैं। हरनू गांव की गौशाला में मंगलवार को तिरपाल लगाया गया। ग्राम विकास अधिकारी अंजली पांडेय ने बताया कि जानवरों कों ठंड से बचाने के लिए तिरपाल के साथ गुड़ और सरसों का तेल रोज की डाइड में दिया जा रहा हैं। इसके अलावा गोवंशों को सर्दी से बचान व गर्म रखने के लिए उन्हें प्रतिदिन भोजन में विशेष वास्तु डाइट में दी जा रही है। बीडीओ आशीष मिश्रा ने बताया कि जिन गौशालाओं में मवेशियों को ठंड से बचने के लिए उपाय नहीं किए गए हैं, वहां पर जल्द व्यवस्था की जाएगी।

एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर में पति ने पत्नी और सास को उतारा मौत के घाट

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

मैंने अपनी पत्नी और सास को मौत के घाट उतारा है लेकिन मुझे इस बात का जरा भी गम नहीं है। इसी वजह से मैं पत्नी और सास की हत्या करने के बाद मौके से नहीं भागा। आज से 7 साल पहले मैंने अपनी मौसी की बेटी से लव मैरिज की थी। मैंने कामिनी के लिए सब कुछ छोड़ दिया। लेकिन कामिनी ने मुझे हमेशा धोखा दिया। उसका दिल्ली के एक लड़के से अफेयर चल रहा था। मेरे कई बार समझाने के बाद भी वह नहीं मान रही थी। मेरी सास भी उसकी इस काम में मदद कर रही थी इसी वजह से मैंने दोनों को इस जीवन से मुक्ति दे दी। रविवार को यह बात पुलिस पूछताछ के दौरान पत्नी और सास के हत्या आरोपी जोसेफ पीटर ने कही है। घटना के बाद जोसेफ पीटर शवों के पास ही बैठा रहा। डबल मर्डर की सूचना मिलने के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। क्षेत्रीय लोगों ने पुलिस को घटना की जानकारी दी। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंचे पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया।

सूत्रों के मुताबिक चकेरी थाना क्षेत्र के फ्रेंड्स कॉलोनी में रहने वाला जोसेफ पीटर उर्फ बदल एक निजी कंपनी की कैंटीन में काम करता है। वह मूल रूप से बुलंदशहर का रहने वाला है। जोसेफ पीटर ने फ्रेंड्स कॉलोनी में रहने वाली मौसी पुष्पा उम्र 62 वर्ष की बेटी कामिनी सिंह उम्र 39 वर्ष के साथ वर्ष 2017 में लव मैरिज की थी। कामिनी अपने मायके में ही पति जोसेफ पीटर के साथ रहती थी। कामिनी फोन पर अधिक बात करती थी जिसकी वजह से जोसेफ पीटर और कामिनी के बीच अक्सर झगड़ा हुआ करता था। रविवार रात कामिनी अपने बॉयफ्रेंड से बात कर रही थी। इसको लेकर जोसेफ और कामिनी के बीच झगड़ा हो गया। देखते ही देखे झगड़ा मारपीट में बदल गया। और इसके बाद जोसेफ ने चप्पल से पत्नी की गर्दन पर वार कर दिया। कामिनी की मौके पर ही मौत हो गई। बीच बचाव करने आई सांस पर भी जोसेफ ने चापड़ से वार कर दिया। चीख पुकार सुनकर पड़ोसी संजीव गुप्ता ने 112 नंबर डायल कर पुलिस को घटना की जानकारी दी। घटना की जानकारी मिलते ही चकेरी थाने का फोर्स मौके पर पहुंच गया। तो कमरे में पुष्पा और कामिनी का खून से लटपट व जमीन पर पड़ा हुआ देखा। जोसेफ पीटर शव के बगल में ही बैठा हुआ था। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। घटना की जानकारी मिलते ही एडीसीपी पूर्वी राजेश कुमार श्रीवास्तव और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंच गई। फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने बताया कि मुझे पत्नी और सास की हत्या का जरा सा भी काम नहीं है। इसलिए मैं मौके से कहीं भी नहीं भागा। अब मैं इससे ज्यादा घुट घुट कर नहीं जी सकता हूं। इससे अच्छा तो मैं जिंदगी भर जेल में रह लूं। लेकिन अब चीज बर्दाश्त से बाहर हो गई थी। मैं 7 साल पहले 2017 में अपनी अपनी मौसी पुष्पा की बेटी कामिनी सिंह के साथ लव मैरिज की थी। कामिनी के लिए अपना परिवार मां-बाप और घर सब कुछ छोड़ दिया था। लेकिन कमीनी ने मुझे धोखा दिया। वह दिल्ली के एक लड़के से प्यार करती थी। मैंने उसे बार-बार समझाने का प्रयास किया लेकिन कामिनी ने मेरी एक न सुनी। इसमें सबसे बड़ा दोस्त मेरी मौसी यानी सास का था। वह उसे रोकने के बजाय और भड़का रही थी।

मेरे मना करने के बाद भी जब कामिनी नहीं मानी तो मार दिया

अक्टूबर में बीवी एक सप्ताह के लिए घर छोड़कर दिल्ली भाग गई थी। इतना सब होने के बाद भी मैंने उसे माफ कर दिया लेकिन पत्नी और सास मानने को तैयार नहीं थी। अब तो वह मेरे सामने ही अपने बॉयफ्रेंड से फोन पर बात करती थी। इसी बात को लेकर रविवार रात को मेरे और कामिनी के बीच झगड़ा हुआ था। मैं संडे होने के चलते उसे बाहर घूमाने ले जाना चाहता था। ई रिक्शा भी घर के बाहर बुला लिया था। लेकिन उसने इंकार कर दिया। इसी बात को लेकर हम दोनों के बीच जबरदस्त झगड़ा हुआ था। सास भी उसकी तरफ से ही मुझसे झगड़ा कर रही थी। इस बात से मुझे गुस्सा आ गया। मुझे यह खुद ही नहीं समझ में आया कि मैंने गुस्से में कैसे अपनी पत्नी और सास को चापड़ से मार डाला। पानी सर के ऊपर हो गया था मेरे बर्दाश्त करने की क्षमता खत्म हो गई थी और मैं आपा खो बैठा। जोसेफ पीटर ने पुलिस अधिकारियों से केवल एक ही बात कही कि बुलंदशहर में मेरे घर वालों को घटना की सूचना दे देना। इतना कहने के बाद वह फफक-फफक कर रोने लगा। डीसीपी ईस्ट राजेश श्रीवास्तव और चकेरी थाना प्रभारी अशोक कुमार दुबे ने पीटर द्वारा बताई गई बात को पत्रकारों के साथ साझा किया है।

देर से घर आने पर पिता की फटकार से आहत युवक ने दी जान

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

नरवल के दीपापुर गांव में देर से घर आने पर पिता के फटकारने से क्षुब्ध युवक ने फंदे लगाकर जान दे दी। गर्भवती पत्नी उसे बुलाने पहुंची तो पति का शव फंदे से लटकता देख उसकी चीख निकल गई। पत्नी की हालत खराब होने पर परिजन उसे निजी अस्पताल ले गए। जहां उसने एक बच्चे को जन्म दिया। दीपापुर गांव निवासी रामसिंह का इकलौता बेटा वीरू यादव खेती किसानी करता था। चाचा अजय ने बताया कि कुछ दिन पहले साढ़ के गुगरा गांव निवासी वीरू के मामा का निधन हो गया था। रविवार को वीरू अपनी मामी को कुछ सामान पहुंचाने गया था। वापस आने में देर हो गई। इस पर वीरू के पिता ने उसे व उसकी पत्नी अंकिता को डांट दिया। डांट से क्षुब्ध वीरू ने कमरे में जाकर पंखे पर दुपट्टे का फंदा लगाकर जान दे दी। कुछ देर बाद गर्भवती अंकिता उसे बुलाने कमरे में पहुंची तो पति का शव फंदे पर लटका देख उसकी चीख निकल गई। चीख सुनकर परिजन आनन फानन पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। पति का शव फंदे से लटकता देख अंकिता की हालत खराब हो गई। पेट में तेज दर्द होने पर परिजन उसे आनन फानन सरसौल सीएचसी ले गए। देर रात अंकिता ने बेटे को जन्म दिया। परिजनों ने बताया कि 13 फरवरी 2024 को वीरू की शादी फतेहपुर के रासूपुर गांव निवासी अंकिता से हुई थी।

बाथरूम में पड़ा मिला छात्र का शव, दरवाजा तोड़कर निकाला

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

काकादेव थाना क्षेत्र के नवीन नगर स्थित एक हॉस्टल में जेईई-मेन की तैयारी कर रहे छात्र का शव बाथरूम में पड़ा होने की सूचना मिलने के बाद क्षेत्र में हड़कंप पहुंच गया। साथी छात्र ने जब हॉस्टल संचालक को घटना की जानकारी दी जिसके बाद हॉस्टल संचालक ने दरवाजा तोड़कर उसे बाहर निकाला और अस्पताल भेजो। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने के बाद सोमवार को परिवार के लोग भी कानपुर पहुंच गए। परिजनों ने अनहोनी की आशंका जताते हुए काकादेव थाने में शिकायत की है। पुलिस और फौरन सिटी मौके पर पहुंची और घटनास्थल से साक्ष्य जुताएं हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि गैस गीजर या फिर करंट लगने से छात्र की मौत होने की आशंका जताई जा रही है।

सूत्रों के मुताबिक वाराणसी के रहने वाले संतोष गुप्ता का बेटा उत्कर्ष गुप्ता उम्र 19 वर्ष काका देव के नवीन नगर में रहकर जेईई-मेन तैयारी कर रहा था। उत्कर्ष के साथ हॉस्टल में रहने वाले एक छात्रा ने पुलिस को बताया कि रविवार शाम को उत्कर्ष नहाने के लिए बाथरुम में गया था। करीब 1 घंटे तक वह बाथरुम से बाहर नहीं निकला तो मकान मालिक को जानकारी दी। मकान मालिक ने अन्य छात्रों के साथ मिलकर बाथरूम का दरवाजा तोड़ा तो उत्कर्ष बाथरूम की फर्श पर बेहोश पड़ा था। उसे फौरन पास के एक अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद मकान मालिक ने काकडे उठाने में घटना की सूचना दी। छत की मौत की सूचना पाकर डीसीपी सेंट्रल मनोज पांडे देर रात फोर्स के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। मौके पर पहुंची फोरेंसिक टीम ने जांच पड़ताल करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक बाथरूम में गैस का गीजर लगा है। गैस गीजर या फिर करंट से छात्र की मौत होने की आशंका जताई जा रही है। पोस्टमार्टम होने के बाद छात्र की मौत के सही कारण का पता चल सकेगा।

उधर छात्र के परिजन कानपुर पहुंच गए हैं माता और पिता का रो-रो कर बुरा हाल है। फॉरेस्ट सिटी में भी सोमवार को हॉस्टल में जांच पड़ताल की है। पुलिस की माने तो कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। अब केवल पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

विकास भवन के बाहर रोड पर खड़ी कार में अचानक लगी आग

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर। गीता नगर स्थित विकास भवन के बाहर जीटी रोड के किनारे खड़ी जेन कार में अचानक से आग लगागई। देखते ही देखते पूरी कर आग के गले में तब्दील हो गई। घटना के बाद जीटी रोड पर अफरा तफरी मच गई। फायर ब्रिगेड को सूचना मिलते ही दमकल की एक गाड़ी मौके पर पहुंच गई। और आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। फायर ब्रिगेड कर्मियों के मुताबिक घटना में किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। सूत्रों के मुताबिक सोमवार सुबह विकास भवन के बाहर जीटी रोड पर खड़ी एक जेन कार गाड़ी संख्या अप 78 बी डब्ल्यू 3988 में अचानक आग लग गई। आग लगने से इलाके में हड़कंप मच गया। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। सूचना पर ट्रैफिक पुलिस मौके पर पहुंच गई। रायपुर पुलिस ने सड़क पर चल रहे आवागमन को थोड़ी देर के लिए रोक दिया। जिससे जाम की स्थिति बन गई। इसके बाद इलाके लोगों ने फायर ब्रिगेड को घटना की जानकारी दी। घटना की जानकारी मिलते ही कर्नलगंज फायर स्टेशन से एक दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंच गई। आधे घंटे की मशक्कत के बाद फायर ब्रिगेड करमुनि आग पर काबू पा लिया। सीएफओ दीपक कुमार ने बताया कि घटना में किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है।

कार्यालय ग्राम पंचायत-रुकुनुद्दीनपुर, विकास खंड-अकबरपुर, जनपद-अम्बेडकर नगर

पत्रांक: मेमो/पंचायत/निविदा/2024-25 दिनांक: 02.12.2024

अल्पकालीन निविदा आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत रुकुनुद्दीनपुर, विकास खंड अकबरपुर में राज्य वित्त/चौदहवां वित्त आयोग/ पन्द्रहवां वित्त/मनरेगा योजना अन्तर्गत आवंटित धनराशि के सापेक्ष अनुमोदित कार्ययोजना वर्ष 23-24 के निम्नलिखित परियोजनाओं के निर्माण कार्य पर सामग्री आपूर्ति हेतु फर्म के लेटर पैड पर मुहर बन्द निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। निविदायें **दिनांक 03-12-2024 से 07-12-2024 तक प्रातः 10 बजे से अपराह्न 2 बजे तक** ग्राम पंचायत मुख्यालय पर निविदा बॉक्स में डाली जायेगी। तदोपरान्त प्राप्त निविदायें दिनांक 07-12-24 **को सायं 4 बजे** उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जाएंगी। निविदा के नियम व शर्तें पत्र में अंकित हैं:-

क्र.	परियोजना का नाम	अनुमानित लागत	सामग्री का ब्यौरा
1.	ग्राम पंचायत में ठोस एवं अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र (RRC) सेंटर का निर्माण कार्य।	5 लाख	ईंट गिट्टी, सीमेण्ट,मौरंग, सरिया, टीन शेड सामग्री
2.	ग्राम पंचायत में ई रिक्शा क्रय।	1 लाख 65 हजार	

नियम व शर्तों का विवरण:-

1- जिस आपूर्ति कर्ता की दर सबसे कम होगी उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्यों हेतु सूचित किया जायेगा।
2- आपूर्ति कर्ता द्वारा निर्धारित समय सीमा में आपूर्ति नहीं करने पर आपूर्ति आदेश निरस्त करते हुए वरीयता क्रम में अन्य फर्मों को आपूर्ति आदेश देने के लिए ग्राम पंचायत स्वतंत्र होगी।
3- फर्म जी0 एस0 टी0 पंजीकृत हो व आयकर दाखिल करने की प्रमाणित छायाप्रति संलग्न करना आवश्यक है।
4- जो दरें प्रस्तुत की जायें, वह दरें जी0एस0टी0 तथा ढुलाई, लदाई, उतरवाई तथा अन्य कर जोड़ कर प्रस्तुत की जाये।
5- सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत/ग्राम प्रधान के आपूर्ति आदेश पर ही की जायेंगी।
6- प्रस्तुत दरें PWD द्वारा स्वीकृत दरों से अधिक नही होनी चाहिए।
7- स्वीकृत आपूर्ति कर्ता का भुगतान तकनीकी सहायक/अवर अभियन्ता द्वारा सामग्री की गुणवत्ता प्रमाणित होने तथा मांग के उपरान्त ही किया जायेगा। गुणवता खराब होने पर आपूर्ति कर्ता को भुगतान नहीं किया जायेगा।
8- बिना कोई कारण स्पष्ट किये निविदा को अस्वीकृत करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को निहित होगा।

त्रिवेणी यादव
ग्राम प्रधान

राजेन्द्र प्रसाद राजभर
ग्राम पंचायत सचिव

एक्सप्रेस खबरें...

बिल्हौर तहसील के लेखपाल देवेंद्र कुमार को लापरवाही के चलते किया गया सस्पेंड

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर। बिल्हौर तहसील क्षेत्र के एक गांव में भाइयों के आपसी बंटवारे को लेकर लेखपाल ने रू 20000 लेकर गलत रिपोर्ट दर्ज कर दी जिसकी शिकायत पर जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह द्वारा सोमवार को तहसील बिल्हौर के लेखपाल देवेन्द्र कुमार द्वारा अवैध कब्जा न हटाए जाने तथा सरकारी बटवारा हेतु दाखिल वाद में कुरे न दाखिल करने एवं आई जी आर एस पोर्टल पर गलत आख्या अपलोड करने के मामले को संज्ञान लेते हुए उपजिलाधिकारी बिल्हौर को संबंधित लेखपाल को तत्काल प्रभाव से निलम्बित किए जाने के निर्देश दिए। कार्यवाही को अमल लाते हुए उपजिलाधिकारी रश्मि लांबा ने संबंधित लेखपाल को निलम्बित कर दिया।

मकान मालिक ने काटी दो किराएदारों की बिजली, किरायेदारों ने थाने में दी तहरीर

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर। कल्याणपुर में मकान मालिक ने दो किराएदारों की बिजली काट दी। किराएदारों ने मकान मालिक पर जबरन बिजली काटने के आरोप लगाते हुए कल्याणपुर थाने में तहरीर दी। कल्याणपुर के आवास विकास सत्यम विहार निवासी राजकुमार ने अपने मकान में दो लोगों को किराये पर रखा है ।किरायेदार नीरज वर्मा ने बताया कि वह बीते 15 वर्षों से इस मकान में बतौर किरायेदार रह रहे है और समय से किराया भी देते है लेकिन मकान मालिक राजकुमार ने सोमवार सुबह अचानक बिजली कटवा दी जिससे वह और उनका पूरा परिवार परेशान है ।बच्चों की हाईस्कूल की परीक्षा होने वाली है ।अब उनका भविष्य भी चौपट होने की कगार पर है।

रौगांव के मडिया गांव में नाला निर्माण में पीली ईंट का हो रहा इस्तेमाल, जिम्मेदार बेखबर

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

बिल्हौर तहसील क्षेत्र में जिला पंचायत निधि द्वारा ब्लॉक क्षेत्र रौगांव ग्राम पंचायत में नाला निर्माण कराया जा रहा है।

इसके लिए अच्छा खासा बजट भी आवंटित किया जा रहा है, लेकिन ठेकेदार मानकों की अनदेखी कर सरकार को चूना लगा रहे हैं। इसके निर्माण में ठेकेदार द्वारा पीली ईंटों का इस्तेमाल किया जा रहा है। वहीं अन्य सामग्री में भी गुणवत्ता नहीं है। जिससे निर्माण के कुछ समय बाद नाले के ध्वस्त होने की संभावना बनी है। रौगांव ग्राम पंचायत के मढिया गांव में बरसात के दिनों में सड़क पर जलभराव हो जाता है। लोगों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए जिला पंचायत सदस्य ने नाला निर्माण का टैंडर पास करा ठेकेदार को निर्माण का दायित्व सौंपा।

वैसे तो निर्माण का बजट अच्छा खासा है। बावजूद इसके निर्माण कार्य में घटिया सामग्री का इस्तेमाल हो रहा है। वर्तमान में आधा नाला बनकर तैयार हो चुका है, जबकि आगे नाला बनाने के लिए भी पीली ईंटों के चट्टे लगे हुए हैं। अगर इन ईंटों से निर्माण हुआ तो नाले के जल्द ही ध्वस्त होने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। ठेकेदार कुलदीप गौतम सरकारी पैसों का बंदरबांट कर रहा है वही मामले में ककवन मंडल अध्यक्ष सानू राठौर ने बताया कि उच्च अधिकारियों से शिकायत कर ठेकेदार पर कार्यवाही कराई जाएगी खंड विकास अधिकारी दिनेश कुमार वर्मा ने बताया कि शिकायत मिली है जांच कर कर गुणवत्ता ठीक ना होने पर उच्च अधिकारियों को रिपोर्ट प्रेषित की जाएगी।

जन एक्सप्रेस

सम्पादकीय

नीतिगत क्रियान्वयन, भारत और सहकारिता आंदोलन

समितियों को एक-दूसरे के तुलनात्मक लाभों से लाभान्वित करने की सुविधा प्रदान कर इस आंदोलन को मजबूत करने के लिए सहकारी समितियों के बीच सहयोग को बढ़ावा दे रहा है। इस पहल में वित्तीय पक्ष से जुड़ा एक महत्वपूर्ण बिंदु- सहकारी समितियों और उनके सदस्यों के मौजूदा बैंक खातों को विभिन्न वाणिज्यिक बैंकों में समेकित करना और उन्हें एक केंद्रीकृत जिला/राज्य सहकारी के तहत रखना होगा, जिससे सहकारी प्रणाली के संसाधन प्रणाली के भीतर ही बने रहेंगे।भविष्य में कुछ विशिष्ट क्षेत्रों में नीतिगत तौर पर ध्यान देने की आवश्यकता हो सकती है।

शाजी के.वी.साझा आर्थिक समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए समावेशी विकास रणनीति सहकार से समृद्धि के देश में अब तक काफी कारगर नतीजे सामने आए हैं। स्वतंत्रता से पहले के दौर में अगर हम भारत में सहकारिता आंदोलन की उत्पत्ति को देखें तो पाएंगे कि इसकी शुरुआत किसानों की गरीबी कम करने की चुनौती से हुई थी, जिसका मुख्य कारण बार-बार पड़ने वाला सूखा और साहूकारों की सूदखोरी प्रवृत्ति था। एनएएफआईएस, 2021-22 के अनुसार यह काफी प्रसन्नता का विषय है कि ग्रामीण सहकारी ऋण संस्थानों के माध्यम से केंद्र सरकार की निरंतर और लक्षित वित्तीय समावेशी पहलों के कारण, ग्रामीण परिवारों की साहूकारों और जमींदारों पर निर्भरता अब घटकर मात्र 4.2 प्रतिशत रह गई है।देश में सहकारी आंदोलन को आगे बढ़ाने वाली प्रारंभिक शक्तियां भले ही अब कमज़ोर पड़ रही हों, लेकिन ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए इस समय कई नई और जटिल उभरती चुनौतियां हैं, जिनके लिए सहकारी आंदोलन को नई दिशा और उस पर ध्यान देने की आवश्यकता होगी, ताकि ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सभी के लिए बेहतर भविष्य सुनिश्चित हो सके। यह इसलिए भी जरूरी है क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जो सपना देखा है, उसी के अनुरूप देश 2047 तक विकसित भारत के अपने लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है।इन नई चुनौतियों में किसानों की आय बढ़ाने से लेकर एक कुशल ग्रामीण आपूर्ति श्रृंखला हासिल करना, स्थायी आधार पर खाद्य मुद्रास्फीति को कम करना, कृषि के अलावा अन्य क्षेत्रों में रोजगार के अवसर पैदा करना, कृषि उत्पादकता तथा जलवायु परिवर्तन से निपटने वाले प्रयासों को बढ़ाना और डिजिटल क्षेत्र में अवसरों का लाभ उठाना शामिल है। सहकारी संस्थाएं अपने मजबूत स्थानीय ज्ञान, पूर्व की घटनाओं से अनुभव हासिल कर भविष्य की नई योजनाएं, संपर्क कार्यक्रम बनाने तथा इन्हें मजबूत करने की क्षमता और नए कारोबारी माहौल के अनुरूप ढलने के कारण इन चुनौतियों से निपटने के लिए विशेष रूप से उपयुक्त हो सकती हैं। सहकारी संस्थाओं के लिए मददगार नीतियां बनाने की दिशा में संयुक्त राष्ट्र महासभा की सामाजिक विकास में सहकारी समितियों पर रिपोर्ट (जुलाई 2023) से जानकारी प्राप्त करना उपयोगी हो सकता है, जो इस बात पर जोर देती है कि सहकारी समितियां बाजार संबंधी विफलताओं से निपटने, हाशिए पर पड़े लोगों को सशक्त बनाने, रोजगार के अवसर बढ़ाकर सतत विकास को सहारा देकर राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। यह रिपोर्ट सहकारी समितियों के लिए एक उद्यमी प्रक्रियागत दृष्टिकोण की सिफारिश करती है, जो एक स्थानीय माहौल में आपस में जुड़े हुए नेटवर्क के माध्यम से सभी हिस्सेदारों को जोड़ती है।भारत के सहकारी क्षेत्र में दूध और चीनी के क्षेत्रों में मिली अपार सफलता केवल एकीकृत दृष्टिकोण के महत्व को ही प्रमाणित करती है। इसका एक और अन्य सफल उदाहरण भारत की सबसे पुरानी श्रमिक सहकारी संस्था- उरालुंगल लेबर कॉन्ट्रैक्ट को-ऑपरेटिव सोसाइटी का है, जो बुनियादी ढांचे से जुड़ी है और इस वर्ष अपनी स्थापना के 100 साल पूरे कर रही है। यह वैकल्पिक उद्यमशीलता मॉडल का एक अनूठा उदाहरण है। यहां सहकारिता के दो विशिष्ट पहलुओं का उल्लेख करना आवश्यक है: पहला, सहकारी समितियों के बीच सहयोग का महत्व- जब उरालुंगल को एक सड़क परियोजना हेतु लिए गए भारी कर्ज की किश्तें चुकानी थीं, तो उसने 38 प्राथमिक सहकारी समितियों का एक संघ बनाया।

एक्सप्रेस आलेख

जिन्ना की 11 सितंबर, 1948 को मौत के साथ ही मंडल की वहां पर दुर्गति चालू हो गई थी। उनकी हर सलाह को नामंजूर कर दिया जाता। नतीजा यह हुआ कि वे पाकिस्तान को छोड़कर भारत आ गए। ये 1951 के आसपास की बातें हैं। उन्होंने आरोप लगाया था कि पाकिस्तान में हिन्दुओं के साथ नाइंसाफी होती है। इसलिए उनका पाकिस्तान में रहना मुमकिन नहीं होगा। मंडल उसके बाद कोलकता आ गए। उनका 1968 में निधन हो गया। मंडल ने जो कहा था, वह अक्षरशः सही निकला। पाकिस्तान में हिन्दुओं के साथ कभी न्याय नहीं हुआ। इसी का नतीजा था कि जिन्ना का करीबी एक दलित हिन्दू मंत्री तक पाकिस्तान में नहीं रह सका।

पाक में क्यों बह रहा शिया मुसलमानों का खून

आर.के. सिन्हा

मंडल को जिन्ना ने अपनी कैबिनेट में विधि मंत्री की जिम्मेदारी सौंपते हुए कहा था कि इस्लामिक पाकिस्तान में सबके हक सुरक्षित हैं। पर हुआ इसके ठीक विपरीत। मंडल पाकिस्तान के पहले और शायद आखिरी हिन्दू मंत्री बने। वे वहां पर अखिल भारतीय मुस्लिम लीग के नेता थे।

मोहम्मद अली जिन्ना ने जिस इस्लामिक देश पाकिस्तान को बनवाया था, वहां मुसलमान ही अब मुसलमानों की जान के दुश्मन हो गये हैं। वहां सुन्नी और शिया समुदायों के बीच हुए हालिया संघर्ष में 100 से ज्यादा लोगों का खून बहा। हिंसा खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में अफगानिस्तान की सीमा से लगे कुर्रम जिले में हुई। सुन्नी बहुल पाकिस्तान में 24 करोड़ की आबादी में शिया मुस्लिम लगभग 15 प्रतिशत ही हैं। पाकिस्तान में शिया और सुन्नी मुसलमानों के बीच का हालिया संघर्ष जटिल है, जिसके जड़ें सदियों पुरानी धार्मिक और राजनीतिक विभाजन के इतिहास पर टिकी हैं। वैसे तो कुछ कट्टरपंथी समूह तो दोनों पक्षों में ही मौजूद हैं जो हिंसा का इस्तेमाल करके ही अपने धार्मिक विचारों को आगे बढ़ाने में विश्वास रखते हैं। ये समूह साम्प्रदायिक भेदभाव को बढ़ावा देते हैं और हिंसा को सही ठहराते हैं। पाकिस्तान में सुन्नी समुदाय कतई शिया मुसलमानों को पसंद नहीं करते। इससे साफ है कि इस्लाम अपने मानने वालों को भी नहीं जोड़ता। हालांकि बातें बहुत होती हैं कि सारी दुनिया के मुसलमान एक हैं। लेकिन , ये अपनी इस बात को तो स्वयं ही बार-बार गलत साबित करते रहते हैं। पाकिस्तान में शिया मस्जिदों में धमाके और विष्फोट होना भी आम बात हो चुकी है। पेशावर में मई, 2022 में शुक्रवार को जुमे की नमाज के दौरान हुए दिल दहलाने वाले आत्मघाती बम विस्फोट में लगभग 60 से अधिक शिया नमाजी मारे गए थे।। हमलावरों ने निशाना बनाया था शिया मुसलमानों और उनकी इबादतगाह को। यह भी याद रखा जाए कि एक इस्लामिक मुल्क में ही शिया मुसलमानों का जीना मुश्किल हो गया है। वे हर वक्त डर-भय के साए में जीने को मजबूर बने रहते हैं। यह हाल उस पाकिस्तान का है जो मुसलमानों के वतन के रूप में बना था। पेशावर की शिया मस्जिद में हुआ हमला कोई अपने आप में पहली बार नहीं हुआ था। वहां पर शिया मुसलमानों पर लगातार जुल्मों-सितम होते रहे हैं। पाकिस्तान में लगातार प्रतिबंधित संगठन शियाओं के ख़िलाफ़ खुलेआम प्रदर्शन भी करते हैं। इस तरह के ज्यादातर प्रदर्शन लाहौर, क्वेटा, पेशावर वगैरह शहरों में देखने को मिलते हैं। वहां पर शिया मुसलमानों के खिलाफ माहौल बनाने वाला साहित्य भी हर जगह आसानी से वहाँ पर आम लोगों को आसानी से उपलब्ध

हालांकि 11 अगस्त,1947 को मोहम्मद अली जिन्ना ने एक भाषण में यह कहा था कि पाकिस्तान में सभी धर्मों के मानने वालों को अपने धार्मिक स्थानों में जाने की अनुमति होगी। यानी पाकिस्तान के विश्व मानचित्र में आने से सिर्फ तीन दिन पहले। उन्होंने अपनी कैबिनेट में जोगिन्दर नाथ मंडल नाम के एक हिन्दू को शामिल भी किया था।

है। तालिबान और इसी तरह के अन्य अतिवादी समूहों के विचारों का प्रभाव पाकिस्तान में है, जो साम्प्रदायिक संघर्षों को बढ़ावा देने में मदद करते हैं। यह समूह अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए शिया-सुन्नी संघर्ष का उपयोग आम तौर पर करते हैं। पाकिस्तान में कुछ सियासी नेता साम्प्रदायिक तनाव को अपने राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल करते हैं। वे मतदाताओं को लुभाने के लिए और राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को कमजोर करने के लिए साम्प्रदायिक भावनाओं को भड़काते हैं। बेशक, पाकिस्तान सरकार की सुन्नी परस्त नीति के कारण साम्प्रदायिक हिंसा को रोकने में नाकामी, या यहां तक कि कुछ मामलों में इसमें सहयोग करने से, इस समस्या को और बढ़ावा मिलता है। पाकिस्तान में कुछ सुन्नी जिन्ना को भी शिया बताते हैं। कौन जाने की एक बार जिन्ना शिया साबित कर दिए गए तो उनकी विरासत को भी बिना कुछ जाने समझे ही पाकिस्तान में धूल में मिला दिया जायेगा। पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों, विशेषकर शिया मुसलमानों, हिंदुओं, ईसाइयों और सिखों के साथ भेदभाव के कई जटिल कारण हैं, जिनमें धार्मिक कट्टरता, राजनीतिक उद्देश्य और कई सामाजिक-आर्थिक कारक शामिल हैं। कोई एकल कारण नहीं है, बल्कि ये कारक आपस में जुड़े हुए हैं। पाकिस्तान में कुछ अतिवादी आतंकी धार्मिक समूहों का प्रभाव काफी है , जो सुन्नी इस्लाम के एक विशेष व्याख्या का प्रचार करते हैं जो अन्य धर्मों और शिया इस्लाम के प्रति असहिष्णुता को बढ़ावा देता है। कुछ राजनीतिक दलों और नेताओं ने अपनी राजनीतिक शक्ति बढ़ाने के लिए धार्मिक भावनाओं का इस्तेमाल किया है। वे अल्पसंख्यकों के खिलाफ भेदभाव को बढ़ावा देते हैं, उन्हें ÷दूसरे÷ के रूप में चित्रित करते हैं, जिससे सामाजिक विभाजन बढ़ता है। पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों को अक्सर सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित किया जाता है। उन्हें अच्छी शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य सेवा तक सीमित पहुँच होती है, जिससे वे और भी हाशिए पर आते ही चले जाते हैं। यह आर्थिक असमानता सामाजिक भेदभाव को और बढ़ाती है। एक समस्या यह भी है कि अल्पसंख्यकों के खिलाफ होने वाले अपराधों में अक्सर अपराधियों को सजा नहीं मिलती है, जिससे उन्हें अन्याय का सामना करना पड़ता है और भेदभाव जारी ही रहता है। न्याय प्रणाली में सुधारों की कमी से अल्पसंख्यकों का भरोसा कम होता है। अगर आप पाकिस्तान के इतिहास को देखें तो पायेंगे कि पाकिस्तान की स्थापना के समय से ही अल्पसंख्यकों के साथ लगातार अत्याचार और भेदभाव होता रहा है। यह सांस्कृतिक और ऐतिहासिक कारक आज भी भेदभाव को बढ़ावा देते हैं। पाकिस्तान में हिन्दुओं को भी नफरत की निगाह से देखने वाले भी कम नहीं हैं। हालांकि लगभग सारे पाकिस्तानियों के पुरखे हिन्दू ही तो थे। पाकिस्तान का इतिहास हिन्दुओं के खिलाफ नाइंसाफी और खून से लथपथ है। हालांकि 11 अगस्त,1947 को मोहम्मद अली जिन्ना ने एक भाषण में यह कहा था कि पाकिस्तान में सभी धर्मों के मानने वालों को अपने धार्मिक स्थानों में जाने की अनुमति होगी। यानी पाकिस्तान के विश्व मानचित्र में आने से सिर्फ तीन दिन पहले। उन्होंने अपनी कैबिनेट में जोगिन्दर नाथ मंडल नाम के एक हिन्दू को शामिल भी किया था।

एक्सप्रेस कविता

हर किसी की माँ हो, माँ हो मेरी जैसी,
हर नारी लगती प्यारी मुझे मां जैसीद्य
रोटी के इंतजाम में गई मां की बाट जोहता,
लौटती हर औरत लगती शाम उसे मां जैसी।
मां मेरी सलोनी रुक जाए तो चंदा जैसी,
माँ तो माँ है चल पड़े तो शीतल हवा जैसी।

वो मां है नीर समझ पी लेती मेरे आंसू,
चिचिलाती धूप में माँ लगे घनी छांव जैसी।
कहां कहां खोजा मां छुप गई तू बादलों में,
ममता के हर स्नेह में खोजता छवि मां जैसी।
लौट आ अम्मा छुपा ले उसी ओढ़नी में,
ढूंढता हर मधुर पुकार में लोरी मां जैसी।
धन्य हुआ मैं मां तेरी जैसी अम्मा पाकर,
मिल जाए हर जनम दुलारी मां तेरे जैसी।

संजीव ठाकुर

एक्सप्रेस ज्ञान

जिंदगी में सबसे बड़ा धनवान वो इंसान होता है, जो दूसरों को अपनी मुस्कुराहट देकर उनका दिल जीत लेता है

किसी भी शुभ कार्य को करने के लिए सही मुहूर्त, सही समय, और सही नक्षत्र का होना जरुरी होता है, आज हम आपको आज के दिन का सही समय जो की सही कार्य करने का है, और आज कब कौन सी दशा कौन से टाइम में चल रही है उसका समुचित विवरण हिन्दू कैलेंडर और हिन्दू पंचांग के अनुसार दे रहे है, आज आपका दिन मंगलमयी रहे, यही शुभकामना है। आज का दिन शुभ कार्य के लिए सही कार्य है या नहीं आज के चौघड़िया के अनुसार जानें। अगर आप आज वाहन खरीदने का विचार कर रहे है या आज कोई नया व्यापार आरंभ करने जा रहे हैं, गृह प्रवेश कर रहे हैं, गृह निर्माण कर रहे है, प्रॉपर्टी खरीद रहे हैं, या कोई अन्य शुभ कार्य करने के लिए सोच रहे है तो पहले यहाँ सही समय देख लें, आपका कार्य शुभ और सफल होगा, यही हमारी ओर से शुभ मंगल कामना है।

तिथिः	द्वितिया 13:06 तक
नक्षत्रः	मूल 16:31 तक
पक्षः	शुक्ल
वारः	मंगलवार
योगः	शुला, 15:02
सूर्योदयः	07:01
सूर्यास्तः	17:19
चंद्रमाः	धनु राशि में
राहुकालः	14:44-16:02
विक्रमी संवत्ः	2082
शक सम्वतः	1946
मासः	मार्गशीर्ष
शुभ मुहूर्तः	11:49-12:31

जन एक्सप्रेस

है मचा बवाल !

लेकर के सुरक्षा को ।
है मचा बवाल ।।
मौसम है चुनावी ।
मचा है बवाल ।।
रस्साकस्सी चल रही ।
कौन जिम्मेदार ?
हर तरफ से हो रहे ।
शब्दों के प्रहार ।।
ना दो मुझे सुरक्षा ।
बात निकल कर आई ।।
हरकतों से ऐसी ।
होती जगहंसाई ।।
रहें सब महफ़ूज़ ।
हो काम इस प्रकार ।।
रहें सब सुरक्षित ।
जो सबका अधिकार ।।

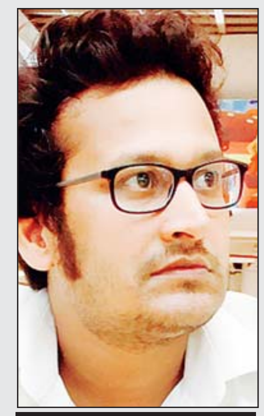

- कृष्णेन्द्र राय

एक्सप्रेस स्वास्थ्य

एसिडिटी होने पर गुनगुना पानी पीना होता है फायदेमंद, मिलते हैं कई फायदे

एसिडिटी होने के कई कारण हो सकते हैं। जैसे लेट नाइट खाना खाना, स्पाइसी चीजों का सेवन अधिक मात्रा में करना, कार्बोनेटेड ड्रिंक पी लेना, दिन भर में बार-बार कॉफी या चाय पीना आदि। एसिडिटी की समस्या किसी को भी हो सकती है। कई बार पर्याप्त नींद न लेना, लेट नाइट मंचिंग करना और कुछ मेडिसिन लेने के कारण भी एसिडिटी की प्रॉब्लम हो जाती है। यही नहीं, विशेषज्ञों की मानें, तो एसिडिटी की समस्या स्ट्रेस, स्मोकिंग की वजह से भी होती है। जिन्हें अक्सर एसिडिटी की समस्या रहती है, उन्हें सादा भोजन करने की सलाह दी जाती है। इसके अलावा, अपने सोने के पैटर्न में बदलाव करने तथा जल्दी भोजन करने को कहा जाता है। कुछ लोगों को लगता है कि गुनगुना पानी पीने से भी एसिडिटी की समस्या दूर होती है। सवाल है, क्या वाकई गुनगुना पानी एसिडिटी से राहत दिलाने में काम करता है?

क्या गुनगुना पानी पीने से एसिडिटी दूर होती है?: यह सच है कि गुनगुनपा पानी पीने से एसिडिटी की समस्या से राहत पाई जाती है। डाइटिशियन और न्यूट्रिशनिस्ट दिव्या गांधी से समझें, जब एसिडिटी हो, तो गुनगुना पानी पीना लाभकारी हो सकता है। असल में,

गुनगुनपा पानी पीने के कारण यह हमारे खाए हुए फूड आइटम्स को छोटे-छोटे टुकड़ों में तोड़ देता है। इससे हमारी पाचन क्षमता को भोजन पचाने में असानी होती है। विशेषज्ञ आगे बताते हैं, कई बार स्पाइसी या बासी खाना खाने की वजह से पेट में एसिड बन जाता है, जिससे एसिडिटी हो जाती है। गुनगुना पानी पीने से स्टम एसिड डाइल्यूट हो जाता है, जिससे एसिडिटी से आराम मिलने लगते हैं। यही नहीं, गुनगुना पानी पीने से पेट के टॉक्सिंस बाहर चले जाते हैं, जो पाचन क्षमता और पेट की समस्या को दूर करने में मददगार साबित होता है।

पाचन क्षमता में सुधारः जिन लोगों की पाचन क्षमता में दिक्कत होती है, उन्हें अक्सर एसिडिटी की प्रॉब्लम रहती है। गुनगुना पानी पीने से पाचन क्षमता में सुधार होता है, जिससे एसिडिटी की आशंका कम होती है। साथ ही, एसिडिटी हो तो वह भी दूर होती है।

पेट की जलन दूर होती हैः जब आप पेट में एसिड बनने पर लगातार गुनगुना पानी पीते हैं, तो इससे एसिड डाइल्यूट होने लगता है। ऐसे में पेट की जलन में कमी आती है। कई बार एसिडिटी होने पर एसोफेगस यानी फूड पाइप में हो रही जलन भी दूर हो जाती है।

टॉक्सिंस बाहर निकल जाते हैं: आपने अक्सर विशेषज्ञों को कहते सुना होगा कि आप जितनी ज्यादा मात्रा में पानी पिएंगे, उतने ही बॉडी के टॉक्सिंस बाहर निकल जाते हैं। इससे किडनी, लिवर और हार्ट भी अच्छी तरह से काम करते हैं, जिससे ओवर ऑल हेल्थ में सुधार होता है। इसी तरह, जब एसिडिटी हो, तो गुनगुना पानी पीने से पेट के एसिड को भी बाहर निकलने में मदद मिलती है। इससे पेट की एसिडिटी की समस्या भी कम होने लगती है।

एसिडिटी दूर करने के लिए किस तरह गुनगुना पानी पिएं: यह सही है कि गुनगुना पानी पीने से एसिडिटी से राहत मिलती है और पाचन संबंधी समस्याएं भी दूर होती हैं। लेकिन, इसे सीमित मात्रा में ही पीना चाहिए।

एक्सप्रेस विशेष

एमपी उपचुनाव का परिणाम और मोहन सरकार का कामकाज

- नरेंद्र तिवारी

प्रदेश के मुख्यमंत्री के तौर पर मोहन यादव को एक वर्ष का समय होने जा रहा है। एक सरकार के लिए सालभर का समय यूं तो कम है। उपचुनाव में प्राप्त मिलीजुली सफलता को सरकार के मुखिया के कामकाज के मूल्यांकन का आधार माना जा सकता है।

विजयपुर में भाजपा की हार और बुधनी में जीत के अंतर का कम होने का अर्थ सरकार के कामकाज से नाराजगी के रूप में देखा जा रहा है। 2023 में मध्यप्रदेश में प्रचंड जीत के बाद केंद्रीय नेतृत्व ने प्रदेश के मुखिया के रूप में शिवराज सिंह चौहान को बदलकर नए चेहरे के रूप में मोहन यादव को मुख्यमंत्री चुना था। भाजपा का यह प्रयोग प्रदेश की जनता को भी अचंभित करने वाला माना गया था।

एमपी की मोहन यादव सरकार को 13 दिसंबर को सालभर पूर्ण हो जाएगा। बीते वर्ष की इसी तारीख को भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने एमपी में उज्जैन के विधायक मोहन यादव को प्रदेश के मुख्यमंत्री का दायित्व सौंपा था। अब जबकि मोहन यादव की सरकार को सालभर हुआ जाता है। यह जानना बहुत जरूरी हो जाता है कि मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश की सरकार कैसा काम कर रही है। इस लिहाज से प्रदेश की भाजपा सरकार के कामकाज की समीक्षा होना चाहिए। यह समीक्षा खुद सरकार ने भी कराना चाहिए और केंद्रीय नेतृत्व ने भी कराना चाहिए, ताकि प्रदेश की जनता का हाल क्या है, यह जाना जा सके। वैसे किसी भी राज्य सरकार के कामकाज की समीक्षा का कोई निश्चित और निर्धारित पैमाना नहीं है। राजनीति के लिहाज से तो सरकार के कामकाज की समीक्षा करना बहुत ही कठिन है, याने आप सत्ताधारी दल में है तो आपको आपकी सरकार के हर कार्य की तारीफ करना ही है। फिर चाहे उस कार्य या योजना से जनता को लाभ मिल रहा है या नहीं, इसके उलट आप विपक्षी दल है तो आपको आलोचनाओं का सहारा लेना होता है। सरकार के अच्छे कार्यों को जो जनता के लिए लाभकारी है, या प्रदेश की खुशहाली और बेहतरी में सहायक है तब भी आलोचना ही करना पड़ती है। आजकल राजनीति के कारखाने में ऐसे नेताओं का निर्माण बंद हो गया जो अपनी ही सरकार की आलोचना कर दे या जो विपक्ष में रहते हुए भी सरकार के कामकाज की तारीफ कर सके। कुलमिलाकर राज्य सरकारों के कामकाज की समीक्षा का हाल टीवी पर चलती पार्टी प्रवक्ताओं की अंतहीन और बेनतीजा बहस की तरह ही दिखाई पड़ता है। सही मायने में सरकार के कामकाज की असली समीक्षक राज्य की जनता ही होती है। जनता जो चुनाव के माध्यम से अपने मताधिकार की ताकत से राज्य सरकार के कामकाज पर अपनी मोहर लगाती है। महाराष्ट्र में भाजपानीत महायुति की प्रचंड विजयी राज्य की सत्ताधारी सरकार के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के कामकाज पर जनता की मोहर है। झारखंड राज्य में हेमंत सोरेन की वापसी राज्य की जनता का मुख्यमंत्री के कामकाज को आशीर्वाद प्रदान करना ही माना जाएगा। सरकार के कामकाज की असली समीक्षक प्रदेश की जनता है। इस लिहाज से मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के कामकाज की समीक्षा को एमपी के दो विधानसभा क्षेत्र में हुए उपचनाव के परिणामों से जोड़कर देखा जा रहा है। वैसे इतने बड़े प्रदेश में जहां 230 विधानसभा की सीटें हो महज दो विधानसभाओं के नतीजे को सरकार के मूल्यांकन का आधार बनाना न्यायसंगत तो नहीं माना जा सकता है, किन्तु एक नजरिया तो पेश किया ही जा सकता है। मध्यप्रदेश में दो विधानसभा में उपचुनाव हुआ एक बुधनी जो प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री, वर्तमान में केंदीय कृषि मंत्री, राष्ट्रीय राजनीति में मध्यप्रदेश का प्रमुख चेहरा शिवराजसिंह चौहान के सांसद बन जाने से खाली हुई। दूसरी रामनिवास रावत के कांग्रेस से भाजपा में शामिल होने से रिक्त हुई विजयपुर विधानसभा जिन्हें भाजपा में शामिल होने पर सरकार में वन मंत्री बनाया गया। इन दो सीटों पर हुआ चुनाव भाजपा की प्रदेश सरकार के कामकाज पर जनता की मोहर है। पहले बुधनी की बात कर लेते है। यह विधानसभा भाजपा का गढ़ कही जाती है। अब तक 17 चुनावों में 11 बार भाजपा तो मात्र 6 बार कांग्रेस ने जीत दर्ज की है। 13 नवंबर 2024 को हुए उपचुनाव में यहां भाजपा के रमाकांत भार्गव और कांग्रेस के राजकुमार पटेल के मध्य मुकाबले में भाजपा ने इस सीट पर 13848 मतों के अंतर से जीत दर्ज की है। यह अंतर विधानसभा चुनाव 2023 के मुकाबले काफी कम है। बुधनी से शिवराज चौहान ने एक लाख से अधिक मतों से विजय दर्ज की थी। उसके मुकाबले यह विजय बेहद कमजोर है। बुधनी में सरकार के कामकाज से प्रभावित ओर खुशी जाहिर करने वाले मतदाताओं को संख्या में कमी हुई है। उपचुनाव श्योपुर जिले की विजयपुर विधानसभा में भी हुआ जहां का परिणाम प्रदेश की सरकार और मुखिया मोहन यादव के कामकाज से जनता की नाराजी व्यक्त करता प्रतीत हो रहा है। यहां हुए चुनाव में कांग्रेस से भाजपा में शामिल हुए रामनिवास रावत को भाजपा ने अपना उम्मीदवार बनाया था। कांग्रेस ने मुकेश मल्होत्रा पर दांव खेला था। रामनिवास रावत जो भाजपा की सरकार में वन मंत्री बना दिए गए थे। चुनावी रण में कांग्रेस उम्मीदवार से 7000 मतों से पराजित हो गए। आमतौर पर माना जाता है कि उपचुनाव में सत्ताधारी दल के विजय रहने की संभावना बहुत अधिक रहती है। विजयपुर में भाजपा का पराजित होना सरकार की नीतियों, योजनाओं, कार्यप्रणाली से क्षेत्र की नाराजी के तौर पर देखा जा रहा है।

डिग्री कॉलेज निर्माण को लेकर कोशिशों के दौर जारी, सफलता की आश में बैठे क्षेत्रवासी

जन एक्सप्रेस | सिंगाही खीरी

करीब 40 सालों से उच्च शिक्षा के लिए तरस रहे गांजर इलाके के तराई क्षेत्र में भूमि पैसा होने के बावजूद भी नही बना डिग्री कॉलेज। ग्राम सिंगहा कला के लोग डिग्री कॉलेज निर्माण को लेकर लामबंद हो गए हैं। जिसको लेकर कई बार ग्राम के सम्भ्रांत व्यक्तियों द्वारा बैठकें भी की गई और बैठक में प्रस्तावित जमीन पर कॉलेज बनने को लेकर रणनीतियां भी तैयार की गई। प्रस्तावित जमीन गाटा संख्या 933/8.44 एकड़ भूमि को ग्राम पंचायत को वापस कराने को लेकर तथा उसमें किस प्रकार से कालेज बन सकेगा और आगे की कार्य विधियों को लेकर चर्चायें हुई।बताते चले की ग्राम पंचायत सिंगहा कला 1981 में करीब 8.44 एकड़ जमीन सरजू किसान महाविद्यालय समिति को प्रस्तावित की गई थी, उस समय प्रधान पुत्तू लाल विश्वकर्मा थे। लेकिन कुछ राजनेताओं की ओछी राजनीति के चलते क्षेत्र वासियों का डिग्री कॉलेज बनने का सपना साकार न हो सका। समिति पदाधिकारियों, भृष्ट नेताओं व अन्य लोगों के मध्य वर्चस्व की लड़ाई में डिग्री कालेज अधर में ही लटका रहा।कालेज निर्माण की ओछी रणनीति को देखते हुए सन 1993 में दुर्गा प्रसाद प्रधान के कार्यकाल में इस भूमि को लेकर दूसरा प्रस्ताव पंडित दीन दयाल उपाध्याय क्रेन गोवर्स महाविद्यालय समिति के नाम हो गया।जिस पर दोनों समितियों में शासनिक-प्रशासनिक रूप से जंग जारी हो गयी। बताया जाता है की भूमि अधिग्रहण को लेकर जिला अधिकारी संजीव सरन के द्वारा दो लाख सत्तरा हजार सात सौ बावन रुपये सरजू किसान शिक्षा समिति को आदेश दिया गया था, जिसपर शिक्षा समिति ने तहसील के पंचायत कोष में जमा कर दिया गया।उसके बाद किसी प्रकार से पंडित दिन दयाल उपाध्याय क्रेन गोवर्स महाविद्यालय समिति सामने आई और भूमि अधिग्रहण के लिए ग्यारह लाख छियासी हजार चार सौ का आदेश जारी प्रशासन से जारी करवा लिया, जो पैसा तहसील पंचायत कोष में जमा किया गया या नही जमा किया ये अतीत के गर्भ में है। दोनों समितियों के बीच शासनिक और प्रशासनिक ढंग से चल रही जंग में जब कोई निराकरण नहीं निकला तो मामले उच्च न्यायालय में चला गया और किसानों के गन्ने की कटौती से डिग्री कॉलेज के निर्माण के लिए एकत्रित किया गया करोणों रुपया अधर में लटक गया। मामला न्यायालय में कुछ वर्षों तक चलने के बाद सरजू किसान महाविद्यालय के अध्यक्ष प्रीतम सिंह जुग्गा व पंडित दीन दयाल उपाध्याय समिति के अध्यक्ष कृपा दयाल श्री वास्तव उर्फ केडी बाबू का भी निधन हो गया और कॉलेज निर्माण को लेकर दोनों समितियां आपस में बैठ कर सुला समझौता कर न्यायालय में जाकर पंडित दीन दयाल उपाध्याय क्रेन गोवर्स को कॉलेज निर्माण का मालिकाना हक दे दिया। लेकिन पंडित दीन दयाल उपाध्याय ने धीरे धीरे 20 से 25 साल बिता दिए और डिग्री कॉलेज का निर्माण नहीं करा उसके बाद भी क्षेत्र व ग्राम अनेक सम्भ्रांत व्यक्तियों ने डिग्री कालेज निर्माण को लेकर हुंकार भरी लेकिन किन्ही कारणों बस कॉलेज निर्माण अधर में ही लटका रहा। डिग्री कालेज निर्माण को लेकर करीब 40 सालों से कोशिशों का दौर जारी रहा लेकिन कुछ अड़चनों के कारण निर्माण अधर में ही लटका रहा जिससे जमीन चारागाह बन गयी। डिग्री कालेज निर्माण के प्रयासों के दौर में ग्राम पंचायत सिंगहा कला प्रधान प्रतिनिधि श्याम मोहन दीक्षित भी गांव के सम्भ्रांत व्यक्तियों से विचार विमर्श करके ग्राम के सैकड़ों लोगों को साथ मे लेकर प्रयास प्रारंभ कर दिया है, जिसका प्रारम्भ भूमि, पंचायत के नाम वापसी हेतु 24 अक्टूबर 2024 को तहसील परिसर में जाकर उपजिलाधिकारी की अनुपस्थिति में तहसीलदार भीमचन्द को जिलाधिकारी को सम्बोधित ज्ञापन दिया गया था।

उसी सम्बन्ध में 27 अक्टूबर 2024 को ग्राम सिंगहा खुर्द के प्राथमिक विद्यालय में ग्राम के सम्भ्रांत व्यक्तियों को बुलाकर बैठक की गई थी। बैठक में भूमि वापसी कर कॉलेज निर्माण को लेकर रणनीतियां तैयार की गई थी उन्हीं रणनीतियों को आगे बढ़ाते हुए प्रधान प्रतिनिधि श्याम मोहन दीक्षित ने ग्राम के सम्भ्रांत व्यक्तियों को साथ लेकर शासनिक व प्रशासनिक तरीके से कार्यवाहियों का दौर जारी रखा जिसके चलते अधर में लटके डिग्री कॉलेज निर्माण को लेकर जिला विद्यालय निरीक्षक को जांच सौंपी गई है।

अंबेडकर प्रतिमा तोड़े जाने से ग्रामीणों में आक्रोश: किया हंगामा, अधिकारियों ने समझा बुझाकर शांत कराया

- पुलिस ने लोगों से शांति बनाए रखने और प्रशासन का सहयोग करने की अपील की है

जन एक्सप्रेस | सुनहरा

लखीमपुर खीरी। रविवार रात नीमगांव थाना क्षेत्र के बेहजम चौकी अंतर्गत गांव बढ़रिया में शरारती तत्वों ने बाबा साहब डॉक्टर भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त कर दिया। सोमवार सुबह इस घटना की जानकारी होते ही इलाके में तनाव का माहौल बन गया बनने लगा घटना से गुस्साए ग्रामीण बड़ी संख्या में एकत्रित होकर हंगामा करने लगे।सूचना पर थाना नीमगांव की एसओ सुनीता कुशवाहा, मितौली पुलिस और यूपी 112 की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने ग्रामीणों को समझा-बुझाकर मामला शांत कराया। अधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि घटना में शामिल अराजक तत्वों की पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बताते चलें गांव में लगी डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त देख ग्रामीणों में गुस्सा भड़क उठा। सुबह पार्क में घूमने गए ग्रामीणों ने जब यह दृश्य देखा तो खबर तेजी से पूरे क्षेत्र में फैल गई।

देखते ही देखते सैकड़ों लोग वहां एकत्र हो गए और दोषियों को पकड़ने व सख्त कार्रवाई करने की मांग करने लगे। पुलिस ने लोगों को शांत कराते हुए कहा कि दोषियों को जल्द गिरफ्तार कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मौके पर पुलिस बल तैनात कर दिया गया है ताकि क्षेत्र में शांति बनी रहे।

घटना की जांच जारी है और इलाके में पुलिस सतर्कता बढ़ा दी गई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि ऐसी घटनाओं पर रोक लगाने के लिए सख्त कदम उठाए जाएं और दोषियों को कड़ी सजा दी जाए।

सल्फास खाकर की खुदकुशी की कोशिश

जन एक्सप्रेस | बहराइच। नशे में धुत एक युवक ने सल्फास खाकर जान देने की कोशिश की। घटना की जानकारी होने पर परिजनों ने उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। जानकारी के अनुसार थाना हरदी अंतर्गत ग्राम हरदी गौरा निवासी दिनेश कुमार (38) पुत्र आनंद नारायण ने रविवार सुबह नशे की हालत में सल्फास खा लिया, जिससे उसकी हालत बिगड़ गई। घटना की जानकारी जब परिजनों को हुई तो उन्होंने उसे लाकर इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज बहराइच में भर्ती कराया। घटना के सम्बन्ध में युवक के भाई जयदीप कुमार ने बताया कि शनिवार की रात वह पति-पत्नी एक शादी समारोह में गये थे और घर पर भाई दिनेश और और उसकी मां थी। रविवार सुबह जब घटना की जानकारी हुई तो उसने भाई को लाकर मेडिकल कॉलेज बहराइच में भर्ती कराया।

अपने क्लास के बच्चों की संख्या तक नहीं बता पाए क्लास टीचर

जन एक्सप्रेस | बहराइच

- प्रयाग दत्त पाठक इण्टर कालेज के निरीक्षण में डीआईओएस को मिली भारी गड़बड़ी, पूरे स्टाफ का वेतन रोका, प्रिंसिपल तलब, तीन सदस्यीय जांच समिति गठित

माध्यमिक शिक्षा व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त करने के उद्देश्य से जिला विद्यालय निरीक्षक मनोज कुमार अहिरवार ने प्रयाग दत्त पाठक इण्टर कालेज पट्टी का दोपहर बाद औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डीआईओएस को कॉलेज में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं और अव्यवस्थाएं मिली। विद्यालय में शिक्षण कार्य कर रहे शिक्षक और क्लास टीचर जिला विद्यालय निरीक्षक के पूछने पर उन्हें अपने क्लास के छात्रों की संख्या तक नहीं बता पाए। इससे गुस्सा जिला विद्यालय निरीक्षक ने पूरे कॉलेज के शिक्षकों और कर्मचारियों का वेतन रोंकते हुए प्रधानाचार्य को अभिलेखों के साथ तलब किया है साथ ही सघन जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेटी भी गठित की है।

जिला विद्यालय निरीक्षक मनोज कुमार अहिरवार ने बताया कि अपरान्ह 02.44 बजे प्रयागदत्त पाठक इण्टर कालेज पट्टी बहराइच का निरीक्षण किया गया। अध्यापक उपस्थिति पंजिका का अवलोकन करने पर पाया गया कि विद्यालय में 6 शिक्षक कार्यरत हैं, जिनमें राजेन्द्र प्रसाद, राजेशकुमार शुक्ल, दुर्गेश कुमार, बृजेश कुमार तिवारी, शिवकान्त वर्मा एवं सुनील कुमार तथा चौकीदार शिवाजी, स्वच्छक हरिनाथ एवं अनुचर रवि कुमार कार्यरत है। उपस्थिति पंजिका में शिक्षक राजेन्द्र प्रसाद के दिनांक 16 नवंबर के हस्ताक्षर अंकित थे, जबकि दिनांक 18 एवं 19 को जिला मुख्यालय पर बैठक एवं दिनांक 20 नवंबर से आज 29 तक आकस्मिक अवकाश अंकित था।

डीआईओएस ने बताया कि शिक्षक बृजेश कुमार तिवारी कक्षा-9 के क्लास टीचर है, उनसे कक्षा-9 में नामांकित छात्रों की संख्या पूछने पर वह अपने क्लास की छात्र संख्या नहीं बता सके। इसी प्रकार कक्षा-10 के क्लास टीचर राजेश कुमार शुक्ला भी नामांकित छात्रों की संख्या पूछने पर नहीं बता सके। विद्यालय में उपस्थित समस्त शिक्षकों से कक्षावार सेक्सन आवण्टन की स्थिति की जानकारी करने पर कोई भी शिक्षक सेक्शन आवण्टन के सम्बन्ध में नहीं बता पाया।

छात्र उपस्थिति पंजिकाओं का अवलोकन करने पर पाया गया कि उपस्थिति पंजिका में केवल छात्रों की उपस्थित दर्ज की गई है और अनुपस्थित छात्रों के कालम में केवल बिन्दी रख दी गई है, जबकि विभागीय निर्देशानुसार छात्रों के विद्यालय न आने पर उन्हें उपस्थिति पंजिका पर अनुपस्थित दर्ज किया जाना चाहिए था, परन्तु विद्यालय के कक्षाध्यापकों ने ऐसा नहीं किया, जो उनके शिक्षकगरिमा को संदेहास्पद बनाता है। डीआईओएस ने बताया कि विद्यालय में कार्यरत प्रभारी प्रधानाचार्य द्वारा पंजिकाओं का अवलोकन भी नहीं किया जा रहा है। जांच के पश्चात जिला विद्यालय निरीक्षक को शिक्षक सुनील कुमार शिक्षक द्वारा बताया गया कि कक्षा-9 में 388, कक्षा-10 में 321, कक्षा-11 में 350 एवं कक्षा-12 में 555 छात्र नामांकित है, जिनका रजिस्ट्रेशन ऑनलाइन किया गया है। कक्षा-6 से 08 में नामांकित छात्रों के सम्बन्ध में बताया गया कि 225 छात्र नामांकित है, परन्तु उससे सम्बन्धित अभिलेख उपलब्ध नहीं कराये गये। निरीक्षण के समय छात्रों की संख्या भी उंगलियों पर गिनने भर की मिली।

कक्षा-कक्षों के निरीक्षणके समय पाया गया कि विद्यालय के कक्षा-कक्ष अत्यन्त जीर्णशीर्ण अवस्था में है। विद्यालय में अध्ययनरत कक्षा-12 के छात्र-छात्राओं का शैक्षिक स्तर पर संतोषजनक नहीं मिला।

मध्यान्ह भोजन पंजिका एवं विद्यालय में अनुभाग मान्यता के अभिलेखों की मांग करने परउपस्थित अध्यापकों द्वारा बताया गया कि प्रभारी प्रधानाचार्य के पास अलमारी की चाफी है उसी में सारे रिकार्ड रखे हुए है।

जिला विद्यालय निरीक्षक ने बताया कि अव्यवस्था और अनियमितता को देखते हुए

विद्यालय में कार्यरत समस्त शिक्षक और कर्मचारियों का वेतन अग्रिम आदेश तक रोंकते हुए 03 दिसम्बर को दोपहर बाद 3.00 बजे प्रभारी प्रधानाचार्य को अभिलेखों के साथ मुख्यालय तलब किया गया है। इसके साथ ही विद्यालय के अभिलेखों एवं अन्य कमियों की सघन जाँच के लिए 03 सदस्यीय समिति अलग से गठित की गयी है

महिला का अपहरण कर विवाह के लिए दबाव बनाने वाला अभियुक्त गिरफ्तार

जन एक्सप्रेस | बहराइच

थाना खैरी घाट पुलिस ने एक महिला का अपहरण कर उस पर शादी का दबाव बनाने के आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया जहां से उसे न्यायिक अभी रक्षा में जेल रवाना कर दिया गया।।पुलिस अधीक्षक वृन्दा शुक्ला ने बताया कि थानाध्यक्ष खैरीघाट संजय कुमार सिंह के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने रविवार को थाना खैरीघाट के बेहड़ा रखौना मोड़ से समय 13.10 बजे अभियुक्त मुलायम सिंह पुत्र शत्रोहन लाल निवासी सजीदाबाद दा0 गडिया थाना को0 नगर जनपद बराबंकी को धारा 87 भारतीय न्याय संहिता में सर्वोच्च न्यायालय व मानवाधिकार आयोग के आदेशो निर्देशो का पालन करते हुये गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने अभियुक्त को 24 दिन की न्यायिक अभिरक्षा में जेल रवाना कर दिया है।

एसपी ने बताया कि अभियुक्त की गिरफ्तारी की सूचना उसके परिजन को दी गयी।

अभियुक्त को गिरफ्तार करने में थाना खैरीघाट के वरिष्ठ उप निरीक्षक उपेन्द्र कुमार सिंह, तथा कांस्टेबल बृजेश कुमार शामिल रहे।

स्कूल बस पर अचानक पेड़ गिरने से चार छात्र व चालक घायल

जन एक्सप्रेस | निघासन खीरी

सोमवार की सुबह थाना मझगई क्षेत्र में निघासन-पलिया मार्ग पर बौधिया क्रेशर के पास लगा विशालकाय जामुन का पेड़ अचानक गिर गया। पेड़ के नीचे आने से एक स्कूल बस समेत कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे में स्कूल वैन का चालक, तीन छात्र घायल हुए हैं। चालक और चपेट में आए एक राहगीर को हालत गंभीर होने के कारण सीएचसी से जिला अस्पताल रेफर किया गया हैहादसा सुबह करीब साढ़े आठ बजे हुआ। पलिया स्थित एडमॉन्टन पब्लिक स्कूल की बस बच्चों को लेकर पलिया जा रही थी। बस चालक थाना मझगई के गांव कंदरिया निवासी प्रमोद कुमार चला रहा था। बस में करीब 15 बच्चे सवार थे। बताते हैं कि अन्य बच्चों के इंतजार में चालक ने बौधिया क्रेशर के पास बस खड़ी कर दी और बच्चों के आने की प्रतिक्षा करने लगा। इसी बीच क्रेशर के निकट लगे जामुन के विशालकाय पेड़ की मोटी शाखाएं अचानक रोड की तरफ गिर गईं।इससे बस समेत अन्य वाहन भी शाखाओं की चपेट में आ गए। इससे वहां चीख पुकार मच गई। हादसे में बस क्षतिग्रस्त हो गई। उसमें सवार चालक प्रमोद कुमार के साथ ही छात्रा 12 वर्षीय आराध्या श्रीवास्तव 8 वर्षीय भावना, 7 वर्षीय युवराज श्रीवास्तव घायल हो गए। वहीं राहगीर हिमांशु भी घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस सभी को लेकर सीएचसी आई, जहां से डॉक्टर ने चालक और राहगीर की हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर किया है। छात्रों को प्राथमिक उपचार के बाद उनके घरों को भेज दिया गया।

एक्सप्रेस खबरें...

राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस पर निकाली गई जागरूकता रैली

जन एक्सप्रेस | बहराइच। राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस पर भिंगा रोड स्थित सेठ एम आर जयपुरिया स्कूल ने इंदिरा गांधी स्टेडियम से जिलाधिकारी कार्यालय तक जागरूकता रैली निकाली गई इस अवसर पर विद्यालय के बच्चों द्वारा पोस्टर और बैनर के माध्यम से प्रदूषण युक्त बहराइच तथा भारत को स्वच्छ बनाने के लिए जागरूक किया। कलेक्ट्रेट परिसर पहुंचने पर जिलाधिकारी ने रैली में शामिल बच्चों से भेंट करते हुए कहा कि प्रदूषण एक ग्लोबल समस्या है जिसके समाधान के लिए सभी को आगे आना होगा। डीएम ने छात्र-छात्राओं का आहवान किया कि प्रदूषण नियन्त्रण के लिए लोगों को जागरूक करें। इस अवसर पर विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक तथा शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

गोदाम मालिक ने जब दूसरी तहरीर दी तब पुलिस ने चोरी की दर्ज की रिपोर्ट

जन एक्सप्रेस | लखीमपुर खीरी। सदर कोतवाली पुलिस का एक नया कारनामा सामने आया है। सीतापुर हाईवे पर एक ऑटो स्पेयर गोदाम में लाखों की चोरी के मामले की तहरीर ही गायब कर दी। रविवार को गोदाम मालिक ने जब दूसरी तहरीर दी। तब पुलिस ने चोरी की रिपोर्ट दर्ज की।बतादें कि सीतापुर हाईवे पर वन स्टाप आटो का वर्कशॉप है। 22 नवंबर 24 की रात चोरों ने वर्कशाप पर धावा बोल दिया था। चोर वर्कशॉप की पहली मंजिल पर लगी खिड़की को खोलकर वर्कशाप से करीब तीन लाख रुपये के स्पेयर पार्ट्स चोरी कर ले गए थे। घटना के बाद आसपास के लोगों में चोरों की दहशत व्याप्त हो गई थी। सूचना पर पहुंची एलआरपी चौकी पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया था। वर्कशाप के पार्टनर शहर के मोहल्ला पंजाबी कॉलोनी निवासी जयराज नरेंद्र सिंह ने पुलिस को तहरीर दी थी, लेकिन पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की। पुलिस पीड़ित को आजकल करते हुए टरकाती रही। लापरवाही का आलम तो देखिए कि पुलिस घटना की तहरीर भी संभालकर नहीं रख पाई और वह गुम हो गई। इधर जब पार्टनर ने पुलिस पर रिपोर्ट दर्ज कराने का दबाव बनाया तो पुलिस को तहरीर की याद आई। काफी तलाश के बाद भी तहरीर नहीं मिली।इस पर पार्टनर ने रविवार को पुलिस को दूसरी तहरीर दी, जिसके आधार पर सदर कोतवाली पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ चोरी की रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

परिवार परामर्श केंद्र ने एक परिवार को टूटने से बचाया

जन एक्सप्रेस | बहराइच। पुलिस अधीक्षक वृन्दा शुक्ला के निर्देशन में सामाजिक रिश्तों को बचाने के लिए किये जा रहे प्रयासों के क्रम में पुलिस लाइन बहराइच प्रेक्षागृह में आपसी परिवारिक विवाद को समाप्त कराकर एक परिवार में सुलह कराते हुए परिवार को टूटने से बचाया है। रविवार को आवेदिका द्वारा आपसी पारिवारिक विवाद के सम्बन्ध में पुलिस अधीक्षक के समक्ष सुलह हेतु प्रार्थना पत्र दिया गया था, जिसके निस्तारण हेतु पुलिस अधीक्षक द्वारा प्रभारी परिवार परामर्श केन्द्र को निर्देशित किया गया। परिवार परामर्श केन्द्र प्रभारी उप निरीक्षक रमाशंकर मिश्र, कुशल काउंसलर्स फहीम किदवई, डीपी सिंह व अनुराधा श्रीवास्तव, धनंजय सिंह, रंजना उपाध्याय सिंह, हेड कांस्टेबल ओमप्रकाश यादव, महिला कांस्टेबल सविता मिश्रा द्वारा शिकायतकर्ता की शिकायतों को विस्तारपूर्वक सुनकर-समझकर द्वितीय पक्ष से सम्पर्क करके उन्हें पुलिस लाइन बहराइच प्रेक्षागृह बुलाया गया तथा दोनों पक्षों को समझाया गया, जिसके परिणाम स्वरूप दोनों पक्षों द्वारा भविष्य में आपस में लड़ाई-झगड़ा न करने तथा परिवारिक कर्तव्यों का पालन करते हुए खुशी-खुशी साथ रहने की बात कही गयी। आपसी सुलह होने पर दम्पत्ति जोड़ों को एक-दूसरे के साथ आपस में सामन्जस्य स्थापित कर, परिवारिक दायित्यों को सही प्रकार से निर्वहन करने हेतु सलाह दी गयी।

डॉ राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की परीक्षा आज से

जन एक्सप्रेस | बहराइच

डॉ.राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में स्नातक व परास्नातक विषम सेमेस्टर की परीक्षाएं मंगलवार से शुरू हो रही हैं। परीक्षा की तैयारी को लेकर विश्वविद्यालय से संबंध जिले के महाविद्यालय में देर शाम तक तैयारी होती रही। यह परीक्षा जिले के विभिन्न महाविद्यालयों में आयोजित कराई जाएगी और इसमें हजारों की तादाद में परीक्षार्थी शामिल हो रहे हैं।

हाल ही में केंद्र सरकार ने उच्च शिक्षा के पाठ्यक्रम में बदलाव करते हुए सेमेस्टर प्रणाली लागू की है ऐसे में अब स्नातक 6 सेमेस्टर में और परास्ना तक 4 सेमेस्टर में पूरा होता है प्रथम तृतीया और पंचम सेमेस्टर विषम सेमेस्टर कहे जाते हैं जबकि चतुर्थ और सिस्टम को षम सेमेस्टर कहा जाता है।

3 दिसंबर से होने वाली परीक्षा षम सेमेस्टर की मानी जा रही है।

विश्वविद्यालय स्तर से होने वाली है परीक्षा शहर के किसान पीजी कॉलेज महिला पीजी कॉलेज श्री गायत्री विद्यापीठ पीजी कॉलेज रिसिया समेत अन्य स्वामित्व पोषित महाविद्यालय में आयोजित कराई जाएगी विश्वविद्यालय की ओर से प्रश्न पत्र की पहली खेप भेजी गई है। किसान पीजी कॉलेज के स्वायत्तशासी होने के कारण यहां प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर का विश्वविद्यालय से संबंध नहीं है। अन्य सेमेस्टर की तैयारी कर ली गई है।

सहायक केंद्राध्यक्षों की तैनाती की जा चुकी है।

इसी प्रकार महिला पीजी कॉलेज तथा गायत्री विद्यापीठ पीजी कॉलेज रिसिया समेत अन्य स्ववित्त पोषित महाविद्यालय में सभी विषम सेमेस्टर की परीक्षाएं विश्वविद्यालय परीक्षा कार्यक्रम के अनुसार आयोजित कराई जाएगी।

आमजन के चेहरों पर मुस्कान लाने में सफल रहा सेवा से संतृप्तिकरण अभियान

- लाभार्थियों को वितरित किये गये स्वीकृति पत्र, अभियान के द्वितीय चरण का हुआ आगाज़

जन एक्सप्रेस | बहराइच

अलिया बुलबुल में आयोजित शिविर के दौरान जिलाधिकारी मोनिका रानी द्वारा सीडीओ व अन्य अधिकारियों के साथ 05 गर्भवती महिलाओं की गोदभराई, 05 बच्चों का अन्नप्रासन, 10 महिलाओं को बेबी किट, 05 लोगों का आयुष्मान कार्ड, 03 टीवी मरीजों को पोषण दलिया किट, 02 कुष्ठ रोगियों को जूता किट, 09 नये जोड़ों को शगुन किट, 02 लोगों को फार्मर रजिस्टर, 03 लाभार्थियों को किसान निधि, 05 लोगों का राशन कार्ड, 02 महिला स्वयं सहायता, 02 लाभार्थियों को सामुदायिक निधि, 02 को पीसीएल, 05 महिलाओं को वृद्धा पेंशन, 01 को विकलांग पेंशन, 03 महिलाओं को विधवा पेंशन, 05 लाभार्थियों को पीएम आवास, 01 लाभार्थियों को सीएम आवास, मनरेगा के तहत 05 लाभार्थियों को जाब कार्ड तथा 05 लाभार्थियों को शौचालय हेतु स्वीकृति पत्र का वितरा किया गया।

विभिन्न विभागों द्वारा संचालित की जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं से जिले के प्रत्येक पात्र ग्रामवासी को संतृप्त किये जाने तथा जनसमस्याओं के निस्तारण के उद्देश्य से जिलाधिकारी मोनिका रानी की अभिनव पहल पर संचालित किये जा रहे सेवा से संतृप्तिकरण अभियान के द्वितीय चरण का आज ब्लाक चित्तौरा की ग्राम पंचायत अलिया बुलबुल में भव्य शुभारम्भ हुआ। जिलाधिकारी मोनिका रानी ने मुख्य विकास अधिकारी मुकेश चन्द्र व नगर मजिस्ट्रेट व अन्य अधिकारियों के साथ माँ सरस्वती का पूजन एवं दीप प्रज्वलन कर शिविर का शुभारम्भ किया। जिलाधिकारी ने गऊमाता का पूजन कर 02 परिवारों को मुख्यमंत्री सहभागिता योजना के अन्तर्गत गोदान भी किया। इस अवसर पर उच्च प्राथमिक विद्यालय, रिसिया जमाल की बालिकाओं द्वारा सरस्वती वन्दना व स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया।

शिविर का शुभारम्भ करने के उपरान्त जिलाधिकारी ने अन्य अधिकारियों के साथ चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, ग्राम्य विकास, कृषि, शिक्षा, पशुपालन, राजस्व, समाज कल्याण, अल्पसंख्यक, दिव्यांगजन, कौशल विकास, पंचायती राज, खाद्य एवं रसद, श्रम, बैंक, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, आईसीडीएस सहित अन्य विभागों द्वारा लगाये गये स्टालों का निरीक्षण करते हुए विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की जानकारी ली। साथ ही सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति को मिल सके इसके लिए सभी अधिकारियों को पूर्ण मनोयोग से प्रयास करना होगा। उन्होंने अब तक विभिन्न योजनाओं से वंचित पात्र व्यक्तियों को सम्बन्धित योजनाओं के लाभ शत-प्रतिशत आच्छादित किये जाने के निर्देश भी दिये।

शिविर में विभागवार लगाये गये स्टालों के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कृषि, विद्युत एवं आपूर्ति विभागों द्वारा योजनाओं के क्रियान्वयन एवं लाभार्थियों के संतृप्तिकरण में शिथिलता पाये जाने तथा अभिलेखों का रख-रखाव समुचित ढंग से न किये जाने पर सम्बन्धित विभागों के ब्लाक स्तरीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों का वेतन रोकने के साथ-साथ सम्बन्धित के विरूद्ध आवश्यक कार्यवाही किये जाने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने शिविर के दौरान उपस्थित महिलाओं व बच्चों से वार्ता करते हुए विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों से मिलने वाले लाभों के बारे में जानकारी प्राप्त की। इस दौरान जिलाधिकारी द्वारा परिषदीय विद्यालय अलिया बुलबुल के बच्चों से उन्हें मिड-डे-मील, फल-दूध इत्यादि प्राप्त होने के सम्बन्ध में पूछने पर बच्चों द्वारा फल प्राप्त न होने के बारे में जानकारी दी। जिस पर डीएम ने जिला पंचायत राज अधिकारी को ग्राम प्रधान के विरूद्ध जांचोपरान्त कार्यवाही किये जाने का निर्देश दिया।

आभा आई कार्ड बनाने में बहराइच का प्रदेश में 12वां स्थान, 4863 बुजुर्गों के लिए बनाए गए गोल्डन कार्ड

जन एक्सप्रेस | बहराइच

स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा हेतु शुक्रवार को देर शाम कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी मोनिका रानी की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति के शासी निकाय की बैठक सम्पन्न हुई। आयुष्मान भारत की समीक्षा में पाया गया कि 70 वर्ष के अधिक आयु के 4863 बुजुर्गों गोल्डेन कार्ड बनाये गये हैं। डीएम ने निर्देश दिया कि अभियान चलाकर शत-प्रतिशत बुजुर्गों के कार्ड बनवाये जायें साथ ही सेवा से संस्तृप्तिकरण अभियान में समस्त पात्र लाभार्थियों का शत-प्रतिशत गोल्डेन कार्ड बनाया जाये। क्षय रोग उन्मूलन कार्यकम की समीक्षा के दौरान निर्देशित किया गया अधिक से अधिक ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त ग्राम पंचायत घोषित कराया जाए एवं इलाज के दौरान शत-प्रतिशत मरीजों को रू.500 का भुगतान किया जाय। डीएम ने कहा कि मरीजों को अधिकारियों/ कर्मचारियों/ स्वयंसेवी संस्थाओं के माध्यम से गोद दिलाया जाये। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यकम की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया गया कि माइक्रोप्लान के आधार पर स्कूलों/आंगनबाड़ी सेन्टरों में पढनें वाले बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण करते हुए अस्वस्थ बच्चों का समय से उपचार कराया जाये। अन्धता निवारण कार्यकम की समीक्षा के दौरान डीएम ने मोतियाबिन्द के ऑपरेशन के लिए सरकारी चिकित्सालय में अधिक से अधिक ऑपरेशन कराने एवं सीतापुर आई हॉस्पिटल से समन्वय स्थापित कर कैम्प आयोजित आपरेशन कराये जानें के निर्देश दिये। नोडल अधिकारी ने बताया कि 1738 बच्चे दृष्टिदोष के पाये गये जिसमें से 1542 बच्चों तथा 1743 बुजुर्गों को चश्मा वितरित कर दिया गया है।

ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता समिति के खातों के संचालन की समीक्षा में कम प्रगति पाये जानें पर नाराजगी व्यक्त करते हुए शत प्रतिशत बैंक खातों को संचालित कर साफ-सफाई, वजन मशीन, ब्लडप्रेशर मशीन जांच हेतु चौकी, परदा आदि नियमानुसार खरीदने हेतु निर्देशित किया गया। कम व्यय पर डीएम ने अधीक्षक शिवपुर व रिसिया के प्रति कड़ी नाराज़गी जतायी। आभा आईडी की समीक्षा में पाया गया कि जनपद का प्रदेश में 12वां स्थान है डीएम ने प्रगति में सुधार लाने के निर्देश दिये। डीएम ने बायोमेडिकल वेस्ट का समय से निस्तारण करने एवं चिकित्सालय व चिकित्सालय परिसर की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया।

डीएम ने निर्देश दिया कि हेल्थ वेलनेस सेन्टर को पूरी तरह से कियाशील रखा जाय। शत-प्रतिशत उपस्थिति के साथ-साथ मानक के अनुरूप समस्त दवायें उपलब्ध रखनें एवं ई-संजीवनी ओपीडी को बढाये जाने के निर्देश दिये।

परिवार नियोजन कार्यकम की समीक्षा में चित्तौरा, महसी आदि ब्लाकों में कम प्रगति पाये जाने तथा फैमिली प्लानिंग की सेवाओं का पोर्टल पर कम फीडिंग होनें पर नाराजगी व्यक्त करते हुए जिला चिकित्सालय के ऑपरेटर एवं अन्य सम्बन्धित कर्मचारियों को नोटिस जारी करनें का निर्देश दिया।

हिन्दू रक्षा समिति द्वारा प्रस्तावित धरना प्रदर्शन व रैली के मद्देनजर नामित किए गए मजिस्ट्रेट

जन एक्सप्रेस | बहराइच

हिन्दू रक्षा समिति द्वारा सूचित किया गया है कि बांग्लादेश में हो रहे हिन्दू उत्पीड़न के विरूद्ध 03 दिसम्बर को हिन्दू समाज द्वारा एक वृहद जनआंदोलन प्रस्तावित है। जिसमें लगभग 2000 लोगों के प्रतिभाग करने की संभावना है। इस कार्यक्रम को ध्यान में रखते हुए हिन्दू समाज के लोग छावनी चौराहा के पास गेंदघर में एकत्र होकर छावनी चौराहा, घण्टाघर चौक, पीपल तिराहा एवं गुरूद्वारा होते हुए धरना स्थल पर पहुंच कर प्रेस-वार्ता के उपरान्त जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा जायेगा।

यह जानकारी अपर जिला मजिस्ट्रेट गौरव रंजन श्रीवास्तव ने दी। उन्होंने बताया कि उक्त रैली/धरना कार्यक्रम से आमजनमानस को किसी तरह की परेशानी न हो और कानून व्यवस्था एवं शान्ति बनी रहे, इस हेतु जिलाधिकारी के निर्देशानुसार नगर मजिस्ट्रेट को ओवर आल प्रभारी बनाया गया है। जबकि गेंदघर से धरना स्थल तक के लिए उप जिला मजिस्ट्रेट सदर व तहसीलदार सदर, राजकीय इण्टर कालेज से छावनी चौराहा तक उपायुक्त श्रम रोज़गार, छावनी चौराहा से गांधी इण्टर कालेज तक उप निदेशक कृषि, गांधी इण्टर कालेज से घंटाघर तक जिला गन्ना अधिकारी, घंटाघर से पीपल तिराहा जिला उद्यान अधिकारी, पीपल तिराहा से धरना स्थल तक सहायक श्रमायुक्त तथा धरना स्थल पर अतिरिक्त मजिस्ट्रेट-प्रथम की ड्यूटी लगायी गयी है।

जालसाज ने मोटे कमीशन का लालच देकर फंसाया

सीएम सिटी में ऑनलाइन रिव्यू के नाम पर जालसाजों ने ठगे 9.10 लाख रूपए

जन एक्सप्रेस । गोरखपुर

गोरखपुर के शाहपुर इलाके में रहने वाले पिंकू गुप्ता ऑनलाइन ठगों के जाल में फंसकर 9.10 लाख रुपये गंवा बैठे। ठगों ने उन्हें होटल रिव्यू के जरिए मोटा कमीशन कमाने का लालच दिया और बड़ी रकम ऐंठ ली। जब लंबे इंतजार के बाद भी कमीशन नहीं मिला, तब पिंकू को ठगी का एहसास हुआ और उन्होंने साइबर थाने में शिकायत दर्ज कराई।

कैसे ठगों ने फंसाया?

22 अक्टूबर को पिंकू गुप्ता के व्हाट्सएप पर एक महिला का संदेश आया। उसने खुद को 'कंडेनास्ट ट्रैवल्स' कंपनी का प्रतिनिधि बताते हुए होटल रिव्यू के जरिए पैसे कमाने का ऑफर दिया। महिला ने बताया कि हर रिव्यू पर कमीशन मिलेगा और इसके लिए एक वेबसाइट (www.cntrav-eller.net)पर रजिस्टर करने को कहा। भरोसा दिलाने के लिए शुरुआत में बिना किसी निवेश के 1157 रुपये उनके खाते में ट्रांसफर किए गए।

रुपये बढ़ाने का झांसा-निवेश की शुरुआत

शुरुआत में मिले पैसों से उत्साहित होकर पिंकू ने 10 हजार रुपये का निवेश किया। इस पर उन्हें कमीशन सहित 14,457 रुपये दिखाए गए। ठगों ने उनका भरोसा बढ़ाने के लिए एक टेलीग्राम ग्रुप में जोड़ दिया, जहां दूसरे लोग अपनी कमाई के स्क्रीनशॉट और अनुभव शेयर कर रहे थे। पिंकू ने और मुनाफा कमाने की लालच में 32,077 रुपये निवेश किए, जिस पर 37,981 रुपये दिखाए गए। इसके बाद ठगों ने उन्हें बार-बार रकम बढ़ाने का दबाव डाला।

9.10 लाख गंवाए

- 35,000 रुपये एक बार में निवेश किए।
- अलग-अलग यूपीआई आईडी पर कुल 6,06,950 रुपये जमा कराए।3 इन्वेस्टमेंट का कुल आंकड़ा 9.10 लाख रुपये पहुंच गया।
- पिंकू का दावा है कि ठगों ने भरोसा दिलाने के लिए बार-बार फर्जी ट्रांजैक्शन और कमाई के स्क्रीनशॉट दिखाए। लेकिन जब लंबे समय तक कमीशन उनके खाते में नहीं आया, तो उन्हें ठगी का एहसास हुआ।

मामला दर्ज कर जांच शुरू

पिंकू ने बताया कि ठगों ने रकम एक खाते में ट्रांसफर कराई, जो प्रदीप बेनीवाल नाम के व्यक्ति के केनरा बैंक खाते से जुड़ा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि साइबर क्राइम टीम जल्द ही दोषियों को पकड़ेगी।

सतर्क रहें, सुरक्षित रहें

- ऑनलाइन ठगी के इस मामले ने एक बार फिर सावधान रहने की सीख दी है। किसी भी अज्ञात लिंक या ऐप पर भरोसा न करें।
- पैसे कमाने के लालच में पड़कर बिना जांचे-परखे निवेश न करें।
- ठगी के शिकार होने पर तुरंत साइबर थाने में शिकायत दर्ज कराएं।
- साइबर क्राइम एक्सपर्ट्स की सलाह है की डिजिटल दुनिया में किसी भी अनजान ऑफर पर भरोसा करने से पहले सतर्क रहें और जरूरत पड़ने पर पुलिस या साइबर सेल से मदद लें।

गोरखपुर में शादी से लौट रही युवती से छेड़खानी विरोध पर मनचले ने पीटा, युवती के काटे होठ

जन एक्सप्रेस । गोरखपुर

गोरखपुर में एक युवती से छेड़खानी का मामला सामने आया है। युवती अपने मामा के घर की शादी से लौट रही थी। रास्ते में उसे दो मनचलों ने घेर लिया और उसे पकड़कर छेड़खानी करने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने उसकी पिटाई भी की और उसके होंठों को काट किया। जिसमें युवती बुरी तरह घायल हो गई। घटना गीडा इलाके के एक गांव की है। किसी तरह आरोपियों के चंगुल से बचकर युवती घर पहुंची और परिजनों को आपबीती बताई। इसके बाद पुलिस से इसकी शिकायत की। युवती की तहरीर पर पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

जयमाल के बाद लौटते वक्त हुआ हमला

यह घटना गीडा थाना क्षेत्र के नगवां गांव की है, जहां युवती अपने भाई और मामा के साथ एक शादी समारोह में शामिल होने आई थी। जयमाल की रस्म के बाद, वे सभी घर लौटने के लिए निकले थे। लेकिन रास्ते में एक सुनसान गली में अचानक दो युवकों ने उन्हें घेर लिया। आरोपियों ने युवती को पीछे से खींच लिया और उस पर हमला बोल दिया। यह सब कुछ इतनी जल्दी हुआ कि युवती कुछ समझ पाती, इससे पहले ही आरोपियों ने उसके होंठों को काट लिया और उसे घायल कर दिया।

युवती के भाई ने थाने में दी तहरीर

युवती के भाई ने थाने में तहरीर देते हुए पूरी घटना की जानकारी दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों के खिलाफकड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों की पहचान कृपाशंकर और रोलू उर्फमनीष सिंह के रूप में हुई है।दोनों युवक नगवां गांव के रहने वाले हैं और फिलहाल फरार चल रहे हैं। थानाध्यक्ष सदानंद सिन्हा ने मामले को गंभीरता से लेते हुए दोनों के खिलाफ महिला की लज्जा भंग करने और शारीरिक चोट पहुंचाने के आरोप में केस दर्ज किया है।

पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए शुरू की कार्रवाई

पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अपनी टीमों को सक्रिय कर दिया है और जल्द ही उन्हें पकड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं।

बोले शहरवासी- सीएम सिटी में ही नहीं सुरक्षित है बेटियां

इस घटना ने भयभीत शहर वासियों ने कहा कि जब मुख्यमंत्री के शहर में ही बेटियां सुरक्षित नहीं है तो किस बात का महिला सशक्तिकरण, लोगों ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नौकरशाही के कागजी आंकड़े को छोड़ धरातल पर जांच कराएं। नगर वासियों ने कहा कि समाज में महिलाओं के खिलाफबढ़ते अपराधों की गंभीरता को उजागर से नहीं लिया गया तो सरकार को आगामी चुनावों में भुगतना पड़ सकता है, जिसका जिम्मेदार प्रदेश की नौकरशाही है।

सीएम सिटी में गैंगस्टर के आरोपितों ने युवती को ठगा

नौकरी दिलाने के नाम पर वसूले रुपए, दो मोबाइल भी ले लिए, हुआ केस दर्ज

जन एक्सप्रेस । गोरखपुर

गोरखपुर में गैंगस्टर के आरोपितों ने नौकरी दिलाने के नाम पर एक युवती के साथ ठगी की है। कैंट थाना क्षेत्र के बेतियाहाता निवासी युवती से निजी अस्पताल में नौकरी दिलाने के नाम पर पैसे वसूल लिए गए। युवती के दो मोबाइल फोन भी धोखे से लेने का आरोप है। पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर लिया है। जांच कर रही है। शहर के बेतियाहाता में किराए के मकान में रहने वाली शिवानी गौड़ पुत्री हरिश्चंद्र ने केस दर्ज कराया है। उनका आरोप है कि सेंदुली-बेंदुली निवासी शमसुल कमर उर्फ सोनू खान ने ठगी की है। मई 2024 में उसे डिसेंट हास्पिटल में नौकरी दिलाने का झांसा दिया था। विश्वास में लेकर पांच हजार रुपये ले लिए थे।

किस्त जमा करने के नाम पर ले लिया मोबाइल

किस्त जमा करने के नाम पर युवती का मोबाइल ले लिया गया। आरोप है कि सोनू खान, डिसेंट हास्पिटल के पार्टनर विकास मणि त्रिपाठी उर्फ प्रवीण मणि तथा पंकज मणि निवासी मेवातीपुर के साथ घर आए थे। उन्होंने कहा कि दोनों आई फोन दे दोगी तो नौकरी लगवा देंगे। इसके साथ ही बची हुई किस्त भी जमा कराने का भरोसा दिया। इस तरह दोनों फोन लेते गए।

नौकरी लगवाई न किस्त जमा कर रहे

युवती का आरोप है कि आरोपितों ने न तो नौकरी लगवाई और न ही मोबाइल का किस्त ही जमा कर रहे हैं। युवती ने कई बार कोशिश की लेकिन मोबाइल फेन वापस नहीं मिला। इसके बाद थाने में केस दर्ज कराने के लिए आवेदन दिया।

जेल जा चुके हैं आरोपित

बताते चलें कि तीनों आरोपित फर्जी अस्पताल संचालन के मामले में जेल जा चुके हैं। वे गैंगस्टर के आरोपित भी हैं। युवती ने पुलिस से गुहार लगाई है कि उसे न्याय दिलाया जाए।

पुलिस क्या कर रही है

??सीओ कैंट योगेंद्र सिंह का कहना है कि युवती की तहरीर पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। इस मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद आगे की कार्यवाही की जाएगी।

चौरी चौरा में जारी है विकास की रफ्तार

जन एक्सप्रेस । चौरी चौरा

चौरी चौरा विधानसभा क्षेत्र के भरतपुर गांव में 23.27 लाख रुपये की लागत से निर्मित 250 मीटर आरसीसी सड़क का सोमवार को भव्य उद्घाटन हुआ। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक इंजीनियर सरवन निषाद ने कहा कि जनता ने लोकतंत्र के सबसे बड़े मंदिर में भेजकर जो विश्वास जताया है, उसे विकास कार्यों के माध्यम से पूरा करना उनकी प्राथमिकता है। पीएम मोदी, सीएम योगी के नेतृत्व वह रही विकास की गंगा- विधायक उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार के नेतृत्व में पूरे प्रदेश में सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है। पहले की सरकारों में गड्ढा युक्त सड़कों की शिकायत होती थी, लेकिन आज उत्तर प्रदेश गड्ढा मुक्त सड़कों के लिए जाना जाता है। विधायक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में हो रहे समग्र विकास की प्रशंसा करते हुए कहा कि योजनाओं का लाभ अब जाति-धर्म देखकर नहीं, बल्कि पात्रता के आधार पर दिया जा रहा है। उद्घाटन समारोह में चेयरमैन सनी जायसवाल, भाजपा नेता राजकुमार गुप्ता, ग्राम प्रधान सुनील कुमार निषाद, और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे। विधायक ने आश्वासन दिया कि चौरी चौरा क्षेत्र के विकास कार्यों में धन की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी।

झंगहा में नौ लोगों पर केस दर्ज, घर में घुसकर मारपीट और लूटपाट का आरोप

जन एक्सप्रेस । चौरीचौरा

झंगहा थाना क्षेत्र के करौता गांव में आपसी रंजिश के चलते नौ लोगों पर गाली-गलौज, मारपीट, और लूटपाट का मामला दर्ज किया गया है। पीड़ित राम करन यादव ने थाने में दी गई तहरीर में गांव के ही उपेंद्र, धर्मेंद्र, नागेंद्र, कृतिकेश, नितेश, बबुली, शिवकुमार, और प्रदीप सहित नौ लोगों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़ित राम करन यादव के अनुसार, उनके गांव में हाल ही में एक बारात आई थी। बारात के दौरान कुछ लोगों के बीच झगड़ा हो गया था, जिसे उनके बेटे ने शांत कराने की कोशिश की। इसी बात से नाराज होकर आरोपियों ने 28 नवंबर को उनके बेटे को घेर लिया और गाली-गलौज करने लगे। डर के कारण उनका बेटा घर भाग आया, लेकिन आरोपी हथियारों के साथ उनके घर तक पहुंच गए। आरोप है कि आरोपी घर में घुस गए और उनकी पत्नी के गले से सोने की माला छीन ली। इसके अलावा, आरोपियों ने जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़ित परिवार ने पुलिस को मामले की सूचना दी, जिसके आधार पर झंगहा पुलिस ने नौ लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

पुलिस कर रही जांच

पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। संबंधित व्यक्तियों से पूछताछ की जा रही है और घटना से जुड़े साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। झंगहा थाना प्रभारी ने आश्वासन दिया है कि मामले में उचित कार्रवाई की जाएगी।

किसान बंधु ई-लॉटरी प्रक्रिया में करें प्रतिभाग

जन एक्सप्रेस । कुशीनगर

उप कृषि निदेशक ने समस्त जनपदवासियों को अवगत कराया है कि वर्ष 2024-25 में सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन योजनान्तर्गत फार्म मशीनरी बैंक कस्टम हायरिंग सेंटर (एफ0पी0ओ0/समिति हेतु) पर अनुदान हेतु ई-लाटरी के माध्यम से कृषक का चयन प्रक्रिया निम्नलिखित है। जनपद स्तर पर जिलाधिकारी महोदय की अध्यक्षता में गठित जिला स्तरीय कार्यकारी समिति के द्वारा मंगलवार को पूर्वाह्न 11:00 बजे ई-लाटरी संपन्न कराई जाएगी। ई-लाटरी विकास भवन सभागार में की जाएगी। ई-लॉटरी में चयनित कृषको को उनके मोबाइल नम्बर पर एस0एम0 एस0 के माध्यम से चयन एवं बिल अपलोड की अंतिम तिथि की सूचना दी जाएगी। ई-लाटरी व्यवस्था में लक्ष्य के अनुरूप चयनित किये जाने वाले लाभार्थियों के संख्या में अतरिक्त लक्ष्य का 50 प्रतिशत तक क्रमवार प्रतीक्षा सूचि भी तैयार की जाएगी।लक्ष्य के सीमा तक चयनित लाभार्थियों के द्वारा निर्धारित समयावधि में यंत्र क्रय न करने की दशा में अवशेष लक्ष्यों के सापेक्ष ई-लाटरी द्वारा तैयार प्रतीक्षा सूचि के क्रम में लाभार्थियों का चयन किया जायेगा। ई-लाटरी में चयन न होने वाले कृषकों की जमानत धनराशि वापस कर दी जाएगी।आवेदन के समय कृषक द्वारा जमा की गयी धरशी को कृषको के विभागीय पोर्टल पर पंजीकृत बैंक खाते में वापस किया जायेगा। जिन किसान भाइयों ने योजना के अंतर्गत बुकिंग की है वे ई-लाटरी प्रक्रिया में प्रतिभाग करने का कष्ट करें।

विशाल धम्म चारिका पद यात्रा पहुंची फरेंदा

जन एक्सप्रेस । आनन्दनगर महराजगंज

बौद्ध भिक्षुओं का स्थानीय जनप्रतिनिधियों व उनके अनुयायियों ने फूल माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया। सोमवार को दक्षिणी बाइपास पर विशाल धम्म लर्निंग सेंटर सारनाथ के अध्यक्ष पूज्य भंते चन्द्रिमा थेरो व सैकड़ो की संख्या में पहुंचे, बौद्ध भिक्षु संघ का जगह-जगह स्वागत किया गया। इसके बाद अम्बेडकर तिराहा पर बौद्ध भिक्षुओं ने बाबा साहब अम्बेडकर के प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।पदयात्रा सारनाथ से लेकर देवधर होते हुए कुशीनगर तक की धम्म चारिका को जा रही है। इसी कड़ी में धम्म चारिका पदयात्रा फरेंदा, दक्षिणी बाइपास, बाजरडीह, भैया फरेंदा, भगवत नगर परसिया व अन्य जगहों पर उत्तमा नन्द के नेतृत्व में तमाम लोगों ने फूल की बारिश कर वृहद रूप से स्वागत किया। यह पदयात्रा शाम होते -होते बढ़या में स्थित भानमती पब्लिक स्कूल पर पहुंचा जहां बौद्ध भिक्षुओं ने रात्रि विश्राम किया और सुबह होते ही लोग बनरसिहा देवदह के लिए रवाना हो गए। कार्यक्रम में मिशन गायक रविराज बौद्ध एवं प्रीति बौद्ध के द्वारा बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर एवं तथागत गौतम बुद्ध के जीवन पर गीत के माध्यम से लोगों को जागरूक किया। इस दौरान पूर्व ब्लाक प्रमुख फरेंदा रामप्रकाश सिंह, कांग्रेस विधायक विरेन्द्र चौधरी, सपा नेता डॉ राजेश यादव व नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि राजेश जायसवाल, पूर्व विधायक, संजय राव, भीमसेन गौतम, अमरीश लल्लन कन्हैया, प्रिंस, सोनू कन्नौजिया, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि साधु शरन, राजेश मौर्या, अरविंद मौर्य सहित तमाम लोगों ने पदयात्रा में शामिल होकर स्वागत किया।

गोरखपुर में झाड़ियों में मिला नवजात

- 20 साल की बिन ब्याही युवती ने फेंका नवजात, ग्रामीणों ने बुलाई पुलिस

जन एक्सप्रेस । गोरखपुर

गोरखपुर के बांसगांव इलाके में रविवार की देर रात एक 20 साल की युवती ने नवजात शिशु को जन्म दिया। सोमवार सुबह सामाजिक बदनामी के डर से उसे गांव की झाड़ियों में फेंक दिया। गांव के एक व्यक्ति ने नवजात शिशु को देखा और तुरंत पुलिस को सूचना दी।

नवजात का इलाज जारी, युवती से पूछताछ

मौके पर पहुंची पुलिस ने नवजात को तुरंत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) भेजा, जहां उसका इलाज चल रहा है। पुलिस ने युवती की पहचान कर ली है और उससे पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। अधिकारियों का कहना है कि मामले की गहराई से जांच की जा रही है।

गोरखपुर में दूसरी बार ऐसी घटना

बांसगांव की यह घटना गोरखपुर में पहली बार नहीं हुई है। कुछ महीने पहले बक्शीपुर की एक कॉलोनी में भी एक नवजात शिशु को कचरे में फेंक दिया गया था। सफाईकर्मी ने उस बच्चे को कूड़े से उठाकर दूसरी जगह फेंक दिया था। उस मामले में पुलिस ने 17 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली थी, लेकिन आरोपी का पता नहीं चल पाया।

घटनाओं को रोकने के लिए चलाना होगा जागरूकता अभियान

यह घटना समाज में महिलाओं और नवजात बच्चों के प्रति हमारी मानसिकता पर गंभीर सवाल खड़े करती है। विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए जागरूकता अभियान चलाने और महिला कल्याण योजनाओं को प्रभावी तरीके से लागू करने की आवश्यकता है। बांसगांव की घटना में पुलिस का कहना है कि दोषियों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा। पूछताछ के आधार पर मामले की परतें खोली जा रही हैं। उम्मीद है कि जल्द ही इस मामले की पूरी सच्चाई सामने आएगी।

सेवा क्लिनिक अस्पताल का ब्लाक प्रमुख ने फीता काटकर किया उद्घाटन

जन एक्सप्रेस/कुशीनगर। जिले में सोमवार को रामकोला ब्लाक के राजपुर भरपटिया रामबाग से लक्ष्मीगंज रोड पर अवस्थित सेवा क्लिनिक अस्पताल का फीता काटकर ब्लॉक प्रमुख संघ जिला उपाध्यक्ष दिग्विजय सिंह लक्ष्मण ने उद्घाटन किया। जिसमें बड़ी संख्या में गणमान्य लोग और नागरिक लोग उपस्थित रहे। उद्घाटन में श्री सिंह को मुख्य अतिथि को माला पहनाकर स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि श्री सिंह ने उद्घाटन के पश्चात कहा कि सेवा क्लिनिक अस्पताल खुलने से क्षेत्र के ग्रामीण लोगो को काफी सुविधा मिलेगी तथा स्थानीय लोगो को दूर दराज नही जाना पड़ेगा। अच्छी क्वालिटी की दवाइयां उपलब्ध है। इस दौरान मिथिलेश गिरी प्रधान,अशोक कुमार प्रधान, बबलू सिंह, सहित ग्रामीण उपस्थित रहे।

कांग्रेस के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष ने ब्लाक स्तरीय कार्यकर्ताओं में भरा जोश

जन एक्सप्रेस/कुशीनगर। कांग्रेस का ब्लॉक स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन ब्लॉक दुदही अंतर्गत नागेश्वर माध्यमिक विद्यालय पाण्डेयपट्टी में आयोजित हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक अजय कुमार लल्लू रहे। कार्यकर्ता सम्मेलन में संगठन की मजबूती, विस्तार और जनता के मुद्दों पर चर्चा हुई एवं जनवादी मुद्दों पर संघर्ष को लेकर रूपरेखा तय हुई। लल्लू ने कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि कार्यकर्ता किसी भी पार्टी की रीढ़ होते है। उन्होंने कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए कहा कि हम सबको एकजुट होकर सामाजिक मुद्दों पर लड़ाई लड़नी है। इस दौरान पूर्व विधानसभा फजिलनगर मनोज सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष दुदही वकील गुप्ता, रमेश पाल, शहाबुद्दीन अंसारी, मंसूर आलम, लल्लन यादव, मुन्ना शर्मा, दिनेश गुप्ता, शेख मुबारक , छोटेलाल, ग्यासुद्दीन अंसारी, राजेश पाल, रमाकांतगुप्ता, प्रभु गुप्ता सहित सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बिजली विभाग की मनमानी, उपभोक्ताओं ने किया प्रदर्शन

जन एक्सप्रेस । कुशीनगर

विद्युत उपकेन्द्र भीमनगर छितौनी अन्तर्गत नगर पंचायत छितौनी के कल्याणनगर वार्ड में उपभोक्ता कयामद के अगुवाई में दर्जनों विद्युत उपभोक्ताओं ने विभाग पर उदासिनता व लपरवाही का आरोप लगाकर विरोध प्रदर्शन किया। उनका आरोप था कि बीते आठ माह से मीटर रिडर करने वाला कर्मी गांव में नही आता है। जिससे बिजली का बिल ज्यादा हो गया और एक बार में जमा करना हमलोगों के लिये सम्भव नही है। वार्ड के कयामद के साथ रमेशी, मोदी अंसारी, जाहिद, आजाद, शाबीर, इफ्खिर, सायदा, जैतून आदि ने सोमवार को प्रदर्शन कर बताया कि बीते आठ माह से बिजली का बिल निकालने कोई विद्युत कर्मी नही आ रहा है। जिससे बिजली का बिल नही जमा कर पा रहे है। हम सभी गरीब आदमी है। दो माह या तीन माह में निकाल दी तब भी जमा कर देंगें। अचानक ज्यादा बिल आ जा रहा है तो कहा से पैसा देंगे। वही वार्ड के ही अबरुन नेशा का मीटर साल भर पहले जल गया है। जो अभी तक नही बदला गया है। मीटर का लगाने के लिये विभाग के मीटर लीडर को एक हजार रुपये दे दी हू, लेकिन अभी तक मीटर नही लगा। अमरुद्दीन के पत्नी सलमा खातून बताया कि बाजार से दो हजार रुपये कर्ज लेकर बिल जमा के लिये लाइन मैन को दे दी थी। लेकिन वह बिल में भी नही जुड़ा। उन्होंने कहा कि विभाग इस पर सचेत नही होगी तो हम सभी उपभोक्ता उपकेन्द्र का ताला लगाने का कार्य करेंगें।

सांसद ने पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने का दिया भरोसा

जन एक्सप्रेस/कुशीनगर। मुसहर मंच कुशीनगर के नेतृत्व में ग्राम पंचायत भगवानपुर खडडा कुशीनगर में घटित घटना को देखते हुए सांसद विजय कुमार दुबे व खड्डा विधायक विवेकानन्द पाण्डेय उपस्थित रहे। पीड़ित परिवार की इस दुख की घड़ी मे सांसद द्वारा न्याय दिलाने के लिये तत्काल प्रशासन को अवगत कराया गया तथा अपराधियों को अति शीघ्र गिरफ्तारी करने के लिए कार्यवाही किया गया और सरकारी विभाग को तत्काल कैम्प लगाकर योजनाओं का लाभ दिलाने के लिये विभाग को अवगत किये इस मौके पर मुसहर मंच कुशीनगर जिला अध्यक्ष राजू प्रसाद ने कहा कि अपराधियों की गिरफ्तारी नहीं होने की दशा मे संगठन चुप नहीं बैठेगा, आंदोलन का रुख अपना सकता है। ब्लाक अध्यक्ष गीता देवी, सचिव तुलसी प्रसाद, खड्डा, मनोज कुमार, कन्हैया प्रसाद, इंद्रजीत प्रसाद, सिंधू चौहान, बुधीराम प्रसाद, सरोज देवी दुदही, कुनमी देवी फाजिलनगर आदि उपस्थित रहे।

फाइलेरिया मरीजों में वितरित किया एमएमडीपी कीट, व्यायाम का बताया गया तरीका

जन एक्सप्रेस । देवरिया

फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत जिले के पथरदेवा ब्लॉक के आयुष्मान आरोग्य मंदिर सेमरी से सम्बंधित फाइलेरिया मरीजों को सोमवार को पंचायत भवन पर पेशेंट स्टेकहोल्डर प्लेटफार्म के सहयोग से एमएमडीपी प्रशिक्षण देते हुए किट वितरित किया गया। मरीजों को फाइलेरिया बीमारी, उससे बचाव के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही सीएचओ द्वारा डेमो देकर फाइलेरिया प्रभावित अंगों की साफ -सफाई व्यायाम के माध्यम से हाथीपांव की सूजन को कम करने और फाइलेरिया रोग प्रबंधन की जानकारी दी गई। 13 फाइलेरिया मरीजों को फाइलेरिया मरीज कार्ड के साथ 12 दिन की खुराक भी दी गई।

कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ मलेरिया निरीक्षक नवीन प्रकाश भारती ने कहा कि कहा कि पीएसपी के सदस्य रोगी हितधारक मंच सहयोग कर फाइलेरिया मरीजों की खोज और उन्हें स्वास्थ्य लाभ दिलाने में सहयोग करें और हाईड्रोसील के मरीजों को चिन्हित कर उन्हें सर्जरी के लिए तैयार करें। फाइलेरिया निरीक्षक अनिल पाण्डेय फाइलेरिया के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि फाइलेरिया बीमारी क्यूलेक्स मच्छर फाइलेरिया संक्रमित व्यक्ति को काटने के बाद किसी स्वस्थ्य व्यक्ति को काटता है तो उसे भी संक्रमित कर देता। लेकिन संक्रमण के लक्षण पांच से 15 वर्ष में उभरकर सामने आते हैं। इससे या तो व्यक्ति को हाथ-पैर में सूजन की शिकायत होती है या फिर अंडकोष में सूजन आ जाती है। महिलाओं को स्तन के आकार में परिवर्तन हो सकता है। हालांकि, अभी तक इसका कोई समुचित इलाज उपलब्ध नहीं है, लेकिन शुरुआत में रोग की पहचान होने पर इसे रोका जा सकता है। संक्रमित होने के बाद मरीजों को प्रभावित अंगों की सफाई सहित अन्य बातों को समुचित ध्यान रखना जरूरी होता है। सीएचओ अनुराधा सिंह ने कहा कि एमडीए अभियान के तहत पांच साल तक लगातार साल में एक बार दवा का सेवन करने से इस बीमारी का जोखिम कम किया जा सकता है। सीएचओ ने फाइलेरिया रोग प्रबंधन के लिए डेमो देकर प्रभावित अंगों की सफाई करने के साथ ही अंगों पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में बताया। छह तरीके के व्यायाम का डेमो देकर फाइलेरिया प्रभावित अंग की सूजन को कम करने की जानकारी दिया। उन्होंने कहा कि नियमित व्यायाम और प्रभावित अंगों की उचित साफ-सफाई से इस बीमारी के संक्रमण को नियंत्रित किया जा सकता है। उन्होंने मरीजों को फाइलेरिया के प्रति जागरूक करते हुए उन्हें एमएमडीपी के इस्तेमाल के फायदों के संबंध में भी बताया गया।

गोवंश आश्रय केंद्र बिशुनापुर की ग्राउंड रिपोर्ट...

गौशाला के अंदर नहीं मिला हरा चारा, अन्य व्यवस्थाएं संतोषजनक

जन एक्सप्रेस । बलरामपुर

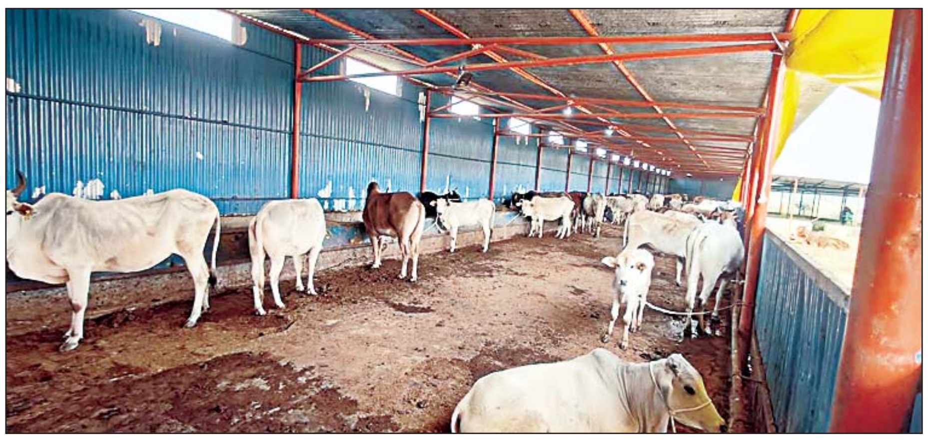

जनपद बलरामपुर के विकासखंड सदर क्षेत्र अतर्गत ग्राम पंचायत बिशुनापुर मे स्थापित गोवंश आश्रय केंद्र पर जन एक्सप्रेस टीम ने पहुंचकर स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण में व्यवस्थाएं संतोषजनक मिली, परंतु पशुओं को खाने के लिए हरे चारे की व्यवस्था दिखाई नहीं दी। बलरामपुर-गोंडा-बहराइच बाईपास पर कलेक्ट्रेट से महज 1 किलोमीटर दूरी पर स्थापित ग्राम पंचयत बिशुनापुर की गौशाला में पशुओं को ठंडक से बचाव हतु बोरे की पल्ली लगाकर प्रयास किया गया है। गौशाला में रह रहे पशुओं को ठंडक से बचाने के लिए शासन द्वारा जारी दिशा निर्देश के क्रम में गौशाला में गौवंशों के रहने वाले क्षेत्र को बोरे की पल्ली लगाकर इस कदर ढका गया है जिससे शीतलहर तथा ठंडी हवाओं का प्रभाव कम से कम हो। गौशाला में रह रहे गौवंशों को खाने क लिए भूसे की व्यवस्था की गई थी, परंतु हरा चारा कहीं दिखाई नहीं दिया।

पीने के लिए पानी की समुचित व्यवस्था दिखाई दी। गौशाला के अंदर स्वच्छता व्यवस्था भी संतोषजनक दिखाई दी।

ग्राम प्रधान नाजिर अहमद ने बताया कि गौशाला में पशुओं को ठंडक से बचाने के लिए बोरे की पल्ली लगाकर व्यवस्था की गई है। गौशाला का छाजन भी सही स्थिति में है।

पशुओं के खाने के लिए भूसा की व्यवस्था है, जबकि हरा चारा के लिए एक एकड़ चरी लगाया गया है, जिससे पशुओं को हरा चारा मिल रहा है। पीने के लिए पानी का पर्याप्त व्स्था की गई है। स्वच्छता का भी पूरा ख्याल रखा जा रहा है।

–नाजिर अहमद, ग्राम प्रधान विशुनापुर विकास खंड व जनपद बलरामपुर

मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु गुप्ता ने बताया कि शासन द्वारा जारी दिशा नर्देशों के अनुपालन हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। निर्देश दिया गया है कि गोवंश को ठंड से बचाव हेतु गोआश्रय स्थलों में शीत लहर के प्रभाव को रोकने की व्यवस्था सुनिश्चित किये जाने के लिए त्रिपाल, बोरा, पराली, इत्यादि का प्रबन्ध ससमय कर लिया जाये।

गोआश्रय स्थलों में निर्मित शेड को त्रिपाल एवं बोरे आदि से विधिवत कवर करा दिया जाये, जिससे ठण्डी हवाओं से गोवंश को सुरक्षित रखा जा सके। ठंड से बचाव हेतु जूट के बोरे के झूल का उपयोग किया जाये। आवश्यकता पड़ने पर जनपद स्तर पर विभिन्न संस्थाओं के पास उपलब्ध अनुपयोगी बोरे/टाट आदि को गोआश्रय स्थलों को उपलब्ध कराकर प्रयोग में लिया जायें।

गोआश्रय स्थलों की समुचित साफ-सफाई सुनिश्चित करायी जायें। गोआश्रय स्थलों में पानी, गोबर, गोमूत्र आदि की निकासी की समुचित व्यवस्था की जायें।

गोआश्रय स्थलों में बिछायन हेतु पराली लकड़ी का बुरादा, गन्ने की खोई बगास का प्रयोग किया जाये और समय-समय पर बिछावन को बदला जाना अतिआवश्यक है।

वृद्ध. अशक्त व नवजात गोवंश पर विशेष ध्यान दिये जाने की आवश्यकता है जिसके लिए विशेष व्यवस्था सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है।

निराश्रित गोवंश को ठंड से बचाने हेतु पर्याप्त मात्रा में पौष्टिक आहर जिसमें प्रचुर मात्रा में कार्बोहाइड्रेट उपलब्ध हो एवं स्वच्छ ताजा पीने के पानी की उपलब्धता सुनिश्चित की जाये। यह सुनिश्थित किया जाये कि किसी भी स्थिति में रात्रि के समय गोवंश खुले स्थान पर न रहे और दिन में गोवंशो को पर्याप्त धूप में रखा जाये। गोआश्रय स्थलों पर पर्याप्त मात्रा में भूसा/पराली, हराचारा, दाना, गुड़ इत्यादि के साथ-साथ पीने हेतु स्वच्छ व ताजा पानी की व्यवस्था सुनिश्चित करायी जाये, यथावश्यकता अलाध की भी व्यवस्था की जाये, ताकि शीत ऋतु में गोवश के स्वास्थ्य को बनाये रखने के साथ-साथ ठंड से होने वाली किसी भी हानि को रोका जा सके।

ठेकेदार द्वारा खेतों की खुदाई से किसान नाराज, किया प्रदर्शन

जन एक्सप्रेस । महराजगंज तराई बलरामपुर

जनपद बलरामपुर में विकासखंड तुलसीपुर क्षेत्र के ग्राम कोहरा में सोमवार को नहर विभाग द्वारा नहर सफाई के नाम पर किसानों के खेतों को खोद डाला गया है । खेतों की खुदाई से नाराज किसानों ने कार्य को रुकवाकर विरोध किया। किसानों ने विभाग को जानकारी देकर संबंधित ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

जानकारी के अनुसार 2 दिसंबर को तुलसीपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत कनहरा गांव के समीप नहर मोतीपुर खंड छः के पास तमाम किसानों का खेत है। जिससे किसान अपनी खेती करके जीवका चलाते हैं। नहर विभाग के ठेकेदार द्वारा शील्ट सफाई की जा रही है, लेकिन नहर सफाई के नाम पर किसान के खेत खोद डालें। किसानो को जानकारी मिली तो खेत के तरफ दौड़ पड़े। किसान खेत की खुदाई देखकर आक्रोशित हो गए। किसान आशीष पांडे, घनश्याम वर्मा, ओमकार वर्मा, नीतीश पांडे, राहुल, सुरेश वर्मा, रमेश, राम अवतार, रक्षा राम, प्रदीप, मुकेश पांडे, रिंकू व मुस्तकीम सहित कई किसानों ने आक्रोश जताते हुए बताया कि नहर विभाग द्वारा अगर नहर सफाई के नाम ठेकेदार द्वारा किसान के खेत को खोदकर नुकसान पहुंचा रहे हैं। किसानों को जानकारी मिली तो सभी किसान खेत की तरफ दौड़ पड़े देखा कि खेत की मिट्टी को काटकर किसान को नुकसान पहुंचा रहे हैं। तमाम किसान एकत्रित हो गए सभी ने कार्य को रुकवाकर विभाग के खिलाफ आक्रोश जताकर प्रदर्शन किया। किसानों ने इसके संबंध में क्षेत्रीय लेखपाल को भी जानकारी दी। इस संबंध में तुलसीपुर एसडीएम अभय सिंह ने बताया कि जानकारी मिली है। जांच कराई जाएगी।

अपर जिलाधिकारी ने उपनिबंधक कार्यालय का किया औचक निरीक्षण

जन एक्सप्रेस । अम्बेडकरनगर

जनपद के अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) डॉ0 सदानन्द गुप्ता द्वारा कार्यालय उपनिबंधक टाण्डा का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मौके पर उपनिबंधक सत्येन्द्र कुमार यादव, निबन्धन लिपिक राजेन्द्र प्रताप सिंह व शरीफुज्मा, कम्प्यूटर ऑपरेटर विशाल तिवारी व परिचर फूलचन्द अपने-अपने कायों को करते पाए गये।

अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) द्वारा बैनामा, मुआयना आदि के लिए उपस्थित व्यक्तियों से पूछताछ भी की गयी। पूछताछ के दौरान कार्यालय के प्रति कोई भी शिकायत प्राप्त नहीं हुयी, सभी का कार्यालय के प्रति सकरात्मक रूख रहा। अपरजिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) द्वारा उपनिबंधक टाण्डा को निर्देशित किया गया कि शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति के साथ कार्यालय परिसर में पारदर्शी व्यवस्था के तहत कार्य किया जाय एवं जनता के हित के प्रति अपने कार्यों को जिम्मेदारी से निर्वहन किया जाय। साथ ही आई0जी0आर0एस0 या जनता दर्शन आदि से प्राप्त शिकायती प्रार्थनापत्र का ससमय गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाय।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में किया प्रदर्शन

अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद ने राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा

जन एक्सप्रेस । बलरामपुर

जनपद बलरामपुर में अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद के तमाम पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने बांग्ला देश मे हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के वरोध में सोमवार को कलेक्ट्रेट परिसर मे प्रदर्शन करते हुए बांग्लादेश के विरोध में नारेबाजी की।

प्रदर्शन के दौरान राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के प्रतिनिधि अपर जिलाधिकारी प्रदीप कुमार को सौंपा।

अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष जगदंबा प्रसाद मिश्रा ने 2 दिसंबर को बताया कि बंग्लादेश इस्कॉन पुजारी की देश द्रोह के लिए गिरफ्तारी बांग्लादेश में हाल के महीनों में हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा और उत्पीड़न की घटनाएं बढ़ रही हैं। राजनीतिक अस्थिरता और शेख हसीना सरकार के पतन के बाद स्थिति और खराब हो गई है। मुस्लिम कट्टरपंथी समूहों द्वारा हिंदू घरों, दुकानों और मंदिरों पर हमले किए जा रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 27 जिलों में अल्पसंख्यक हिंदुओं को निशाना बनाया गया है। हिंदू नेताओं पर झूठे आरोप लगाकर गिरफ्तारियां भी हो रही हैं, जिससे समुदाय में गहरी नाराजगी है। हाल ही में 19 हिंदू नेताओं पर राष्ट्रध्वज अपमान के आरोप लगाए गए, और दो को गिरफ्तार किया गया। चिटगांव में हजारों हिंदुओं ने सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए अपनी सुरक्षा की मांग की। इस दौरान महिलाओं और बच्चों पर भी हमले बढ़े हैं। नोवाखली जैसे इलाकों में लूट और अपहरण की घटनाएं सामने आई हैं। हिंदू समुदाय ने अंतरराष्ट्रीय मंचों से अपील की है कि उन्हें इस उत्पीड़न से बचाने के लिए हस्तक्षेप किया जाए। उन्होंने ज्ञापन के मध्यम से भारत सरकार से बांग्लादेश के हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को रोकने के लिए बांग्लादेश सरकार से तत्काल वार्ता करके हिंदुओं का सहयोग करने की अपील की गई है ।

धरना प्रदर्शन में परिषद के जिला संरक्षक रामनरेश त्रिपाठी, महामंत्री रमेश पांडेय, सुभाष चन्द्र तिवारी, लक्ष्मी नारायण गुप्ता, बाबा प्रेमनाथ, जगन्नाथ, लक्ष्मीदवी, पूनमदेवी, मुकेश तिवारी, कृष्ण कुमार शुक्ला, अमित कुमार, संजय शुक्ला, घनश्याम शुक्ला, राम फेरन तिवारी व चंद्र प्रकाश तिवारी सहित तमाम कार्यकर्ता शामिल हुए।

डीएम ने किया ईवीएम एवं वीवीपैट वेयर हाउस का निरीक्षण

जन एक्सप्रेस । बलरामपुर

जनपद बलरामपुर के जिलाधिकारी पवन अग्रवाल ने सोमवार को कलेक्ट्रेट परिसर में स्थित ईवीएम एवं वीवीपैट वेयर हाउस का त्रैमासिक निरीक्षण किया ।

जानकारी के अनुसार 2 दिसंबर को जिलाधिकारी, जिला निर्वाचन अधिकारी पवन अग्रवाल ने एवं एवं वीवीपैट वेयरहाउस का निरीक्षण करने के उपरांत सीसीटीवी कंट्रोल रूम में सभी कैमरों की सुचारू रूप से संचालन का जायजा लिया। उन्होंने एक सप्ताह पूर्व के रिकॉर्डिंग का भी अवलोकन किया। उन्होंने साफ सफाई व्यवस्था एवं अभिलेखों के बेहतर रखरखाव के निर्देश दिए। उन्होंने अग्निशमन यंत्र का मॉक परीक्षण कराकर क्रियाशीलता का जायजा लिया। इस दौरान एडीएम वित्त एवं राजस्व प्रदीप कुमार, डीपीआरओ श्रेया उपाध्याय, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी व अन्य संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

कासगंज में हिस्ट्रीशीटर की गोली मारकर हत्या, खेत में पड़ा मिला शव

जन एक्सप्रेस । कासगंज

कासगंज के थाना सोरोंजी क्षेत्र के गांव मौजमपुर में हिस्ट्रीशीटर की गोली मारकर हत्या कर दी गई। खेत में सुबह के समय लाश पड़ी मिली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी है। कासगंज के थाना सोरोंजी क्षेत्र के गांव मौजमपुर में हिस्ट्रीशीटर की गोली मारकर हत्या कर दी गई। उसका शव गांव के बाहर एक खेत में पड़ा मिला है। उसके पास तमंचा भी पड़ा हुआ मिला है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। हालांकि पुलिस आत्महत्या के एंगल पर भी जांच कर रही है। परिजन ने हत्या की आशंका व्यक्त की है। गांव मौजमपुर निवासी प्रमोद कुमार (50) पुत्र राजपाल का शव सोमवार की सुबह गांव के बाहर खेत में पड़ा मिला। खेत पर काम करने गए ग्रामीणों ने जैसे ही शव देखा उन्होंने शोर मचाया। सूचना पर पहुंचे अपर पुलिस अधीक्षक राजेश भारती, सीओ सिटी आंचल चौहान, थाना सोंरोजी प्रभारी जगदीश चंद्र ने घटनास्थल का निरीक्षण किया।

खेत में पड़ा मिला युवक का शव: पहले टेप से बांधे हाथ, फिर मुंह पर चिपकाया, गर्दन रेती, चेहरा जलाया

जन एक्सप्रेस । अलीगढ़

पुलिस शव की हालत देखकर हैरान रह गई। शव के दोनों हाथ कपड़े की टेप से बंधे हुये थे। शव का गला रेता हुआ था। हत्यारे ने शव की पहचान छुपाने के लिए आस-पास पड़ी पॉलिथीन को चेहरे पर रखकर पूरी तरह से जला दिया।

युवक का शव खेत में पड़ा मिला है। युवक के हाथ और मुंह को बांधा गया। उसकी गर्दन रेती और पहचान छिपाने के लिए चेहरे को जला दिया गया। थाना छर्रा के अतरौली रोड़ स्थित गुप्ता मोड़ के निकट हबीबपुर बंबा के पास खेत में अज्ञात शव मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पुलिस अधिकारी मय फोर्स के घटनास्थल पर पहुंच गए। शव की शिनाख्त नहीं हुई है। फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए। साथ ही पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगालने में लग गई है।

2 दिसंबर की सुबह लगभग 11 बजे खेत में शव पड़ा देख ग्रामीणों ने डायल 112 पर सूचना दी। सूचना पर सीओ छर्रा महेश कुमार एवं थाना कोतवाली निरीक्षक राजेश कुमार मय फोर्स के घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल की जांच करते हुए शव की शिनाख्त हेतु ग्रामीणों को बुलाकर पहचान कराने की कोशिश की, लेकिन कोई सफलता हाथ नहीं मिली। सूचना पर एसपीआरए मुकेश चन्द्र उत्तम, एएसपी अरीबा नोमान, एसडीएम अतरौली साहिल कुमार भी घटनास्थल पर पहुंचे। फोरेंसिक टीम ने मामले से जुड़े साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पुलिस शव की हालत देखकर हैरान रह गई। शव के दोनों हाथ कपड़े की टेप से बंधे हुये थे। शव का गला रेता हुआ था। हत्यारे ने शव की पहचान छुपाने के लिए आस-पास पड़ी पॉलिथीन को चेहरे पर रखकर पूरी तरह से जला दिया। जिससे शव की शिनाख्त नहीं हो पाई है। पुलिस ने बताया कि मृतक लगभग 25 से 30 वर्ष के बीच में होगा। साथ ही युवक ने गहरे हरे रंग का लॉअर, नीली और सफेद चेक की शर्ट पहन रखी है। उसके हाथ में कड़ा है और दोनों हाथों पर टैटू बना हुआ है।

छर्रा कोतवाली पुलिस के अनुसार शव की शिनाख्त के लिए सोशल मीडिया के अलावा अलीगढ़ एवं जनपद के बाहर थानों से सम्पर्क किया जाएगा। साथ ही हत्या की घटना के खुलासे के लिए सीसीटीवी फुटे व सर्विलांस टीम की मदद ली जायेगी।

आगरा कॉलेज में ऐसी छिड़ी प्राचार्य पद की रार

जन एक्सप्रेस । आगरा

आगरा कॉलेज में प्रचार्य पद की रार के चलते शैक्षणिक सत्र पटरी से उतर गया है। आलम ये है कि नियमित कक्षाएं तक नहीं लग पा रही हैं। ये विवाद डेढ़ साल से चल रहा है। आगरा कॉलेज में प्राचार्य पद की रार से शैक्षणिक सत्र पटरी से उतर गया है। शिक्षकों की गुटबाजी से छात्रों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। प्राचार्य पद के लिए करीब डेढ़ साल से विवाद चल रहा है। इससे कक्षाएं अनियमित हो गई हैं। आगरा कॉलेज में विवाद की वजह से शिक्षक भी दो गुटों में बंट गए हैं। सीधा असर पढ़ाई पर पड़ रहा है। शोध कार्य प्रभावित है। छात्रों का कहना है कि दोनों गुटों के शिक्षक अपने पक्ष के हित में बैठक व अन्य कार्य में समय अधिक बिता रहे हैं। रोस्टर से पढ़ाई नहीं हो रही है। कक्षाएं भी अनियमित हैं। प्रवेश कार्य पिछड़ गया है। विश्वविद्यालय छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष गौरव शर्मा का कहना है कि शिक्षकों में गुटबाजी है और वे छात्रों के बजाय प्राचार्य बनाने के लिए पूरी शक्ति खर्च कर रहे हैं। छात्रों की पढ़ाई पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

पहले दोस्ती, फिर बनाए संबंध, बना डाला अश्लील वीडियो, अब मांग रहा पांच लाख

जन एक्सप्रेस । अलीगढ़

तलाकशुदा महिला की मुलाकात रोहित से हुई। इसके बाद दोनों साथ में ही रहने लगे। फिर शादी की बात करते हुए उसके संग शारीरिक संबंध बनाना शुरू कर दिया। आरोप है कि जब वह गर्भवती हुई तो उसका गर्भ गिरवा दिया।

अलीगढ़ के थाना पालीमुकीमपुर क्षेत्र की एक महिला ने फरीदाबाद निवासी युवक पर शादी के बाद उसकी अश्लील वीडियो बनाने व वायरल करने की धमकी देकर पांच लाख रुपये की मांग करने का आरोप लगाया है। इस मामले में एसएसपी के आदेश पर पीड़िता ने महिला थाने में मुकदमा दर्ज कराया है।

थाना पालीमुकीमपुर क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने तहरीर देकर कहा कि वह तलाकशुदा है और बल्लभगढ़ में रहकर निजी कंपनी में नौकरी करती थी। जहां उसकी मुलाकात मलैरना रोड, विजयनगर थाना, बल्लभगढ़, फरीदाबाद, हरियाणा निवासी रोहित से हुई। इसके बाद दोनों साथ में ही रहने लगे। फिर शादी की बात करते हुए उसके संग शारीरिक संबंध बनाना शुरू कर दिया। आरोप है कि जब वह गर्भवती हुई तो उसका गर्भ गिरवा दिया। 15 मई 2024 को आर्य समाज मंदिर गाजियाबाद व हाईकोर्ट इलाहाबाद जाकर कोर्ट मैरिज कर ली । इसके बाद दोनों महिला के गांव में आकर रहने लगे। इसी बीच 20 अगस्त 2024 को उसने कहा कि कुछ जरूरत है, मैं घर जा रहा हूं। इसी के साथ महिला का एटीएम व 10 हजार रुपये लेकर चला गया। 22 अगस्त को महिला को अपने साथ बल्लभगढ़ ले गया।

आरोप है कि यहां बंधक बनाकर कमरे में रखते हुए मारपीट की गई। महिला ने उसके परिवारीजनों से शिकायत की तो उल्टा उसे पीटा गया। आरोप है कि रोहित ने उसके एटीएम से साढ़े 11 हजार रुपये निकाले और अपने साथ अहमदाबाद ले गया। आरोप है कि वहां भी उससे गर्भ गिराने का दबाव बनाता रहा।

जैसे- तैसे महिला ने अपने सहेली को फोन करके जानकारी दी, तब जाकर पुलिस की मदद से उसे थाने पहुंचाया। वहां मुकदमा नहीं लिखा, बल्कि उसे फ्लाइट से घर भेज दिया। अब रोहित द्वारा महिला की अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देकर पांच लाख रुपये की मांग की जा रही है।

एनएसएस के नोडल अधिकारी को बेहतर प्रदर्शन के लिए किया गया सम्मानित

- छात्र पुलिस अनुभवात्मक अधिगम स्वच्छता कार्यक्रम में मिला सम्मान

जन एक्सप्रेस । बलरामपुर

जनपद बलरामपुर जिला मुख्यालय के एमएलके पीजी कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना के मुख्य कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर आलोक शक्ला को स्वच्छता अभियान में बेहतर प्रदर्शन के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय के एपी सेन ऑडिटोरियम हॉल में सोमवार को आयोजित सम्मान समारोह के दौरान सम्मानित किया गया। जानकारी के अनुसार 2 नवंबर को माई भारत पोर्टल के माध्यम से प्रथम चरण के छात्र पुलिस अनुभवात्मक अधिगम कार्यक्रम (एसपीईएल) कार्यक्रम में बेहतर प्रदर्शन करने वाले जनपदों के एनएसएस नोडल अधिकारियों तथा स्वयंसेवकों को सम्मानित करने के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय के एपी सेन ऑडिटोरियम हॉल में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में एमएलके पीजी कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना के मुख्य कार्यक्रम अधिकारी डॉ आलोक शुक्ला ने नोडल अधिकारी के रूप में अपने दो स्वयं सेवकों के साथ सम्मान प्राप्त किया। बताते चलें कि कार्यक्रम में लगभग 65 जनपद ऐसे हैं, जिनके प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र (ऑनलाइन ऑफलाइन) प्राप्त नहीं हो सके हैं। ऐसे जनपदों के नोडल अधिकारियों एवं छात्र पुलिस अनुभवात्मक अधिगम कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले 02 उत्कृष्ट स्वयंसेवकों को भौतिक रूप से प्रमाण पत्र वितरण एवं द्वितीय चरण के कार्यक्रम के शुभारम्भ हेतु राज्य स्तरीय कार्यक्रम 02 दिसंबर, 2024 को 11:00 से 15:00 बजे तक एपी सेन सभागार, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ मुख्य अतिथि एवं पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश पुलिस विशेष अतिथि के रूप में मौजूद रहे । इस अवसर पर आशीष गुप्ता पुलिस महानिदेशक रूल एंड मैनुएल्स उत्तर प्रदेश सरकार, देवरंजन वर्मा आईपीएस एसपी डीजीपी हैडक्वाटर्स, मंजू सिंह राज्य राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी उच्चतर शिक्षा विभाग उत्तर प्रदेश राज्य, समरदीप सक्सेना रीजनल डायरेक्टर रीजनल डायरेक्टरेट ऑफ़ एनएसएस उत्तर प्रदेश उत्तराखंड भी मौजूद थे । राष्ट्रीय सेवा योजना कि इस उपलब्धि पर महाविद्यालय प्राचार्य प्रो0 जे पी पाण्डेय, मुख्य नियंता प्रो0 राघवेंद्र सिंह, प्रो0 आर के सिंह, पूर्व नियंता प्रो0 पी के सिंह, वनस्पति विज्ञान विभाग अध्यक्ष डॉ राजीव रंजन, लेफ्टिनेंट डॉ देवेन्द्र कुमार चौहान व डॉ अनामिका सिंह सहित तमाम प्राध्यापकों तथा शुभ चिंतकों ने बधाई दी है।

सट्टा नीति के अनुसार छोटे किसानों को जारी हो रही गन्ना पर्ची

■ 52 प्रतिशत छोटे किसानों को जारी हो चुकी गन्ना पर्चियाँ-खुशीराम भार्गव

जन एक्सप्रेस । पीलीभीत

सोमवार को जिला गन्ना अधिकारी खुशीराम भार्गव की अध्यक्षता में केन इंप्लीमेंटेशन कमेटी सी.आई.सी. की बैठक का आयोजन गन्ना भवन में किया गया, जिसमें जिला गन्ना अधिकारी ने बताया कि सट्टा नीति के अनुसार ही छोटे कृषकों को गन्ना पर्ची जारी हो रही हैं। जिले के 2,00,428 गन्ना कृषकों में से 71,677 छोटे किसान हैं, जिसमें 49036 के पास पेड़ी/शरदकालीन पौधा गन्ना उपलब्ध है। अब तक कुल 52 प्रतिशत 25,618 छोटे कृषकों को 74851 पर्चियाँ जारी हो चुकी हैं। बैठक में मौजूद गन्ना समिति के सचिवों को शत-प्रतिशत नये किसानो को कैलेंडरिंग करने हेतु निर्देशित किया गया। बैठक में जिला गन्ना अधिकारी खुशीराम भार्गव द्वारा बताया गया कि मिल गेट एवं वाह्य गन्ना क्रय केन्द्रो पर समानुपातिक गन्ना खरीद सुनिश्चित की जायेगी। सभी चीनी मिल गेट एवं वाह्य क्रय केन्द्रो पर तैनात 223 तौल लिपिकों का ऑनलाइन लाटरी से ट्रांसफर किया गया एवं सभी चीनी मिलों को निर्देशित किया गया कि सूची के अनुसार ही तौल लिपिक क्रय केन्द्र पर गन्ना तौल का कार्य करेंगे। सभी क्रय केन्द्रों के निरिक्षण के लिये टीमें गठित कर दी गयी है। सभी सचिव, ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक, खांड़सारी निरीक्षक क्रय केन्द्रों का औचक निरिक्षण करेंगे। क्रय केन्द्र पर किसी प्रकार की अनियमितता की शिकायत मिलने पर तत्काल टीम पहुंच कर जाँच करेंगी । यदि कोई अनियमितता मिलती है तो सम्बंधित के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करायी जायेगी। जिले में अब तक अधिकारियों द्वारा कुल 96 निरीक्षण किये जा चुके हैं, जिसमें कोई अनियमितता नहीं पायी गयी। बैठक में दिग्विजय सिंह अध्यक्ष सहकारी गन्ना विकास समिति पीलीभीत द्वारा बताया गया कि क्रय केन्द्रों पर बिना पर्ची के कोई गन्ना ट्रॉली न खड़ी की जाये, जिससे यातायात में व्यवधान से बचा जा सके। क्रम से सभी के गन्ने की तौल की जाये। इसके लिए एक यार्ड रजिस्टर बनाया जाये। इसके अतिरिक्त बैठक में शरदकालीन गन्ना बुवाई, क्रय केंद्रों के निरीक्षण, फार्म मशीनरी बैंक की संचालन एवं अन्य महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर समीक्षा की गयी। बैठक मे राजेश सिंह अध्यक्ष बीसलपुर गन्ना समिति, सभी ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक, सभी सचिव, खांड़सारी निरीक्षक, चीनी मिल पूरनपुर, बरखेड़ा, पीलीभीत, फरीदपुर, बीसलपुर, मकसूदापुर, एवं गुलरिया मिलों के प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया।

पुत्र को गायब करने का ग्रामीण ने लगाया आरोप थाने में तहरीर देकर न्याय की लगाई गुहार

■ लखीमपुर-खीरी के चार युवकों पर पुत्र को गायब करने का है आरोप

जन एक्सप्रेस । पूरनपुर

हजारा। थाना क्षेत्र के एक ग्रामीण ने पड़ोसी जिला लखीमपुर-खीरी के संपूर्णानगर निवासी चार युवकों पर पुत्र को गायब करने का आरोप लगाते हुए हजारा थाना में तहरीर देते हुए न्याय की गुहार लगाया है।तहरीर मिलने पर पुलिस तहकीकात में जुट गई है। हजारा थाना क्षेत्र के गांव रामनगर निवासी ग्रामीण नथुनी प्रसाद यादव ने हजारा थाना में सोमवार को तहरीर देते हुए बताया है कि उसके पुत्र संजय यादव की जूते-चप्पल की दुकान पड़ोसी जिला लखीमपुर-खीरी के संपूर्णानगर बाजार में थी दुकान पर पीड़ित ग्रामीण का पुत्र संजय यादव ही बैठता था। संपूर्णानगर के ही चार युवक(दुकानदार) पीलीभीत के थाना हजारा क्षेत्र के रामनगर तिराहे पर पीड़ित के पुत्र के साथ गाली-गलौच और मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी देते हुए गंभीर अंजाम भुगतने की धमकी दिये थे।दबंग युवकों की धमकी से पीड़ित का पुत्र संजय यादव डरा सहमा और भयभीत रहने लगा।इधर 27 नवंबर 2024 से पीड़ित का पुत्र संजय यादव अचानक कहीं गायब हो गया है।पीड़ित काफी तलाश किया मगर पीड़ित का पुत्र का कोई सुराग नहीं लग पाया है।पीड़ित ने तहरीर में यह भी बताया है कि उक्त चारों युवक उसके पुत्र को भ्रमित व गुमराह करते हुए मोटे ब्याज दरों पर ऋण दिलाकर आर्थिक एवं मानसिक रूप से प्रताड़ित करते हुए नाजायज रुप से लाखों रुपये ब्याज के रुप में झटक लिए हैं। पीड़ित ने थाने में तहरीर देते हुए न्याय की गुहार लगाया है। उधर हजारा थाना प्रभारी निरीक्षक प्रकाश सिंह ने तहरीर मिलने पर पीड़ित ग्रामीण को उचित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। साथ ही थाने के उपनिरीक्षक रविन्द्र पाल सिंह को मामले की जांच पड़ताल करने व दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया हैं।

घर के बाहर बैठे बुजुर्ग पर सियार ने किया हमला

जन एक्सप्रेस । पीलीभीत

घर के बाहर बैठे बुजुर्ग पर सियार ने हमला कर घायल कर दिया। शोर सुनकर आसपसा के ग्रामीणों ने पहुंचकर बचाया। घायल का सीएचसी में इलाज कराया गया। थाना क्षेत्र के गांव मुड़िया हुलास निवासी 65 वर्षीय श्रीपाल खेती कर परिवार का भरण पोषण करते थे। उनका घर गांव के बाहर प्राथमिक विद्यालय के पीछे बना हुआ है। उन्होंने बताया कि सोमवार दोपहर करीब दो बजे अपने मकान के बाहर बैठे हुए थे। इस दौरान पड़ोस में स्थित गन्ने के खेत से अचानक सियार निकला और उनके ऊपर हमला कर घायल कर दिया। बाएं पैर में घुटने के नीचे जख्मी हो गया। उनके शोर मचाने पर परिवार व आसपास के लोग जमा हो गए। लाठी डंडे लेकर लोगों ने सियार को भगाया। इसके बाद परिवार वाले घायल को लेकर सीएचसी पहुंचे। उधर, सियार के हमले के बाद ग्रामीण दहशतजदां रहे।

मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों को देने होंगे अभिलेख, किया जाएगा मिलान

■ निजी प्रैक्टिस रोकने के लिए कसा जाएगा शिकंजा

■ डिग्री के साथ घर का पता और मोबाइल नंबर भी होगा अपलोड

जन एक्सप्रेस । पीलीभीत

सरकारी अस्पतालों के डॉक्टरों पर अब शिकंजा कसने के लिए अफसरों ने तैयारियां शुरु कर दी है। अब प्राचार्य के नोटिस जारी करने के बाद सीएमओ ने मेडिकल कॉलेज में कार्यरत डॉक्टरों के अभिलेख तलब किए जा रहे हैं। अभिलेख मिलने के बाद सीएमओ कार्यालय में पंजीकृत अस्पतालों से उनका मिलान किया जाएगा। अगर किसी डॉक्टर का पंजीकरण पाया गया, तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। जिले के मेडिकल कॉलेज में कार्यरत जूनियर-सीनियर रेजिडेंट, चिकित्सा शिक्षकों और सीएमओ अधीन डॉक्टरों को एनपीए दिया जाता है। ताकि वह अपनी सेवा अपने ही संस्थानों में दें, लेकिन यहां एनपीए लेने वाले कई डॉक्टर व चिकित्सा शिक्षक धड़ल्ले से निजी प्रैक्टिस कर रहे हैं। कुछ दो से तीन अस्पतालों में अभिलेख लगाकर काम कर रहे हैं, लेकिन जिम्मेदारों ने संज्ञान नहीं लिया। स्वास्थ्य विभाग के मातहतों द्वारा आंख बंद करके निजी अस्पतालों को एनओसी देकर पंजीकरण किया जा रहा है। इस पर डीएम संजय कुमार सिंह ने मेडिकल कॉलेज प्राचार्य डॉ. संगीता अनेजा और सीएमओ डॉ. आलोक कुमार को कार्यवाही के आदेश दिए थे। इसके बाद प्राचार्य ने आनन-फानन में आदेश जारी किया था। जिसमें उन्होंने एनपीए लेने वाले डॉक्टरों की निजी प्रैक्टिस करने पर रोक लगा दी है। इतना ही नहीं सरकारी अस्पताल में सेवा देने के अलावा प्राइवेट अस्पताल में अभिलेख लगाकर प्रैक्टिस कर रहे हैं। ऐसे डॉक्टरों को चिन्हित करने के लिए मेडिकल कॉलेज में कार्यरत नियमित चिकित्सा शिक्षक, शिक्षक आचार्य/ सह-आचार्य/ सहायक आचार्य, चिकित्सक, सीनियर व जूनियर रेजिडेंट का डेटा मांगा गया है। यह डेटा डॉक्टरों को स्वयं देना होगा। डॉक्टरों को अपनी डिग्री के अलावा नाम, पता और मोबाइल नंबर देना होगा।
यह डेटा उपलब्ध होने के बाद सीएमओ कार्यालय में पंजीकृत अस्पतालों से मिलान किया जाएगा। ताकि यह पता चल सके कि कौन डॉक्टर निजी प्रैक्टिस कर रहा है। तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। साथ ही डॉक्टरों का इंपैनलमेंट भी रद्द किया जाएगा।

प्रयास है कि उत्तर प्रदेश में पीलीभीत सबसे पहले टी.बी. मुक्त हो सके : आलोक कुमार शर्मा

■ लगातार मॉनीटरिंग करने पर सामने आया कि जिले में ठीक होने वाले क्षय रोगियों का ग्राफ 07 सालों में बढ़ा है

जन एक्सप्रेस । पीलीभीत

टी.बी. मरीजो की बेहतर देखरेख और नियमित इलाज में संजीदगी बरतने के कारण पीलीभीत के जिला क्षय रोग केन्द्र को उप मुख्यमंत्री के द्वारा सिल्वर मेडल से दिनांक 27 नवम्बर 2023 को लखनऊ में सम्मानित किया गया।
देश को 2025 तक टी.बी. मुक्त बनाने का प्रयास जारी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी के साथ राज्यपाल महोदया द्वारा भी इस मुहिम को सफल बनाने के लिये जागरूक लोगों को आगे आने की सलाह दी है। विभागीय इलाज के साथ मरीजों को गोद लेकर बेहतर पोषाहार और देखरेख की जाने लगी है। मुख्य चिकत्सा अधिकारी द्वारा बताया गया कि लगातार मॉनीटरिंग करने पर सामने आया कि जिले में ठीक होने वाले क्षय रोगियों का ग्राफ 07 सालों में बढ़ा है। जिसकी रिपोर्ट निक्षय पोर्टल पर फीड की गई है तथा इसी कारण भारत सरकार एवं डब्लूएचओ को टीम द्वारा धरातल पर चैक किया गया। जिसके परिणाम स्वरूप जनपद को सिल्वर मेडल के लिये नामित किया गया था।
मुख्य चिकत्सा अधिकारी ने बताया गया कि आगे भी प्रयास रहेगा कि जनपद को आगामी वर्षो में बेहतर काम के लिये गोल्ड मेडल प्राप्त हो सके। जिसके लिए उनके द्वारा समय समय पर क्षय रोगियों का सर्वे एवं मॉनीटरिंग कराई जा रही है। जनपद के समाजसेवियों के द्वारा गोद दिलवाकर पोषण किट भी उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने बताया कि उनका प्रयास है कि जिला उत्तर प्रदेश में सबसे पहले टी.बी. मुक्त हो सके। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. आलोक कुमार द्वारा बताया गया कि राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अन्तर्गत उच्च प्राथमिकता वाले प्रदेश के 15 जनपदों में 100 दिवसीय टी.बी. कैम्पेन दिनाक 07 दिसम्बर से 24 मार्च 2025 तक चलाया जायेगा।
जिसमें पूर्व टी.बी. रोग से पीड़ित व्यक्ति, टी.बी. रोगी के घरेलू सम्पर्की, पुराने डायविटीज मरीज, पुराने मदिरापान एवं धूम्रपान करने वाले व्यक्ति, पुरानी अन्य गम्भीर बीमारी से ग्रसित व्यक्ति आदि को दृष्टिगत रखते हुये क्षय रोगियो को चिन्हित कर उनको पूर्ण उपचार से आच्छादित किया जायेगा।

बीसलपुर में स्काउट एवं गाइड शिविर का किया गया आयोजन

जन एक्सप्रेस । बीसलपुर

श्री मुकुट आदर्श वाल विद्या मन्दिर में चल रहे तीन दिवसीय स्काउट और गाइड शिविर का आज गया।
श्री मुकुट आदर्श वाल विद्या मन्दिर में चल रहे शिविर के समापन अवसर पर विद्यायक ववेक वर्मा के द्वारा बच्चों के द्वारा लगाये गये टैन्ट, भोजन का निरीक्षण किया गया। बच्चों के द्वारा सुन्दर-सुन्दर टैन्टों का निर्माण किया गया। इस मौक पर आयुष मिश्रा अध्यक्ष कॉपरेटिव, नरेन्द्र प्रताप गंगवार जिला पंचायत सदस्य, ब्रिजेश शुक्ला, शिवेन्द्र शुक्ला, राहुल दीक्षित, ज्वाला प्रसाद, मोहम्मद नदीम, अवनीश शुक्ला, कुलदीप शुक्ला, अशोक दीक्षित, छेदालाल आदि उपस्थित रहे। प्रशिक्षक नवनीत मिश्रा के द्वारा टैन्ट बनाना, भोजन बनाना, गाँठ बन्धन, स्काउट गाइड सिद्धान्त, आन्दोलन नियम, प्रतिज्ञा की जानकारी दी। सहायक प्रशिक्षक खुशी शुक्ला का सहयोग रहा। टोली निर्माण में प्रथम स्थान पर टोली नं. 3 कमल टोली, द्वितीय स्थान पर सुलान टोली व तृतीय स्थान पर वाघ टोली रही। विद्यालय के प्रबंधक विमल कुमार शुक्ला व प्रधानाचार्या सुधा गुक्ला एवं समस्त स्टाफ का विशेष योगदान रहा।

बाइक के टक्कर से घायल युवक की इलाज के दौरान मौत

जन एक्सप्रेस । जौनपुर

गौराबादशाहपुर। थाना क्षेत्र के नयनसंड गांव निवासी एक युवक को तीन दिन पहले तेज रफ्तार बाइक सवार ने टक्कर मार दिया था। जिसकी इलाज के दौरान मौत हो गई।
गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के नयनसंड खरस्तीपुर गांव निवासी दरोगा बनवासी बीते 29 नवंबर को शाम के साढ़े छह बजे गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के जौनपुर- आजमगढ़ हाइवे पर कुकुहा मोड़ के पास सड़क पार कर रहा था, उसी समय गौराबादशाहपुर बाजार की तरफ से आ रही एक तेज रफ्तार बाइक सवार ने सड़क पार करते हुए दरोगा वनवासी को सामने से टक्कर मार दिया। जिससे दरोगा बनवासी (38) गंभीर रूप से घायल हो गया। उसका सर फट गया था, उसे जिला अस्पताल भिजवाया गया। जिला अस्पताल के चिकित्सकों ने उसे इलाज के लिए वाराणसी रेफर कर दिया, जहां बीती देर शाम को दरोगा बनवासी की इलाज के दौरान मौत हो गई। हालांकि परिजन लाश को लेकर पुनः गांव वापस आ गए हैं। मृतक के पत्नी रेखा का रो रो कर बुरा हाल है।

राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार पश्चिम बंगाल की सी0एम0 को आमंत्रित करने जायेगें

■ मुख्यमंत्री ने कुम्भ मेले में विशिष्टजनों के आमंत्रण के लिए किया नामित

जन एक्सप्रेस । पीलीभीत

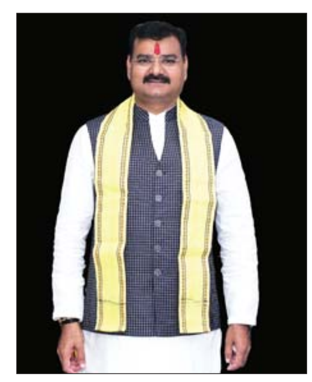

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने आगामी वर्ष 2025 में प्रयागराज में आयोजित होने वाले कुम्भ मेले में विशिष्टजनों के आमंत्रण हेतु गन्ना विकास एंव चीनी मिले राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार को पश्चिम बंगाल जाने के लिए अधिकृत किया है। राज्यमंत्री श्री गंगवार पश्चिम बंगाल जाकर वहा मुख्यमंत्री ममता बनर्जी एवं वहा के राज्यपाल समेत अन्य विशिष्टजनों से मिलकर कुम्भ मेले में आने का आमंत्रण पत्र देगे और मेले में आने के लिए आमंत्रित करेगें। इतना ही नही राज्यमंत्री श्री गंगवार राज्य के अन्य मंत्रियों कुम्भ मेले में विशिष्टजनों में एवं अन्य नागरिकों की कुम्भ मेले आगमन हेतु रोड शो का भी आयोजन कर उसमें सम्मिलित होगें। इस आशय की जानकारी मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रमुख सचिव संजय प्रसाद द्वारा राज्यमंत्री श्री गंगवार को दी गई है जिसमें पश्चिम बंगाल जाने हेतु उनको नामित किया गया है।

6 दिन पूर्व घर से दवाई लेने निकले युवक का शव नाले से हुआ बरामद

पीलीभीत

जनपद की तहसील बीसलपुर नगर के मोहल्ला निवासी एक युवक 6 दिन पूर्व घर से अपनी मां से रुपए लेकर दवाई लेने की बात कह कर निकाला। इसके बाद वह आज तक घर नहीं पहुंचा था। इसके बाद परिजनों ने बीसलपुर कोतवाली में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। वही आज सातवें दिन युवक का शव नगर के एक नाले से शव बरामद हुआ है।
बीसलपुर नगर के मोहल्ला दुर्गा प्रसाद निवासी संजय कुमार गंगवार उर्फ पप्पू पुत्र लक्ष्मण प्रसाद गंगवार उम्र 40 वर्ष 26 तारीख को अपने घर से मां से रुपए लेकर दवाई लेने की बात कह कर निकाला था। इसके बाद वह घर नहीं पहुंचा। तब परिजनों को चिंता हुई। परिजनों ने युवक को रिश्तेदारी व आस पास में काफी तलाश किया किंतु पता नहीं चला। जिसके बाद उन्होंने 28 तारीख को बीसलपुर कोतवाली में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज करने के बाद युवक की तलाश शुरू कर दी थी। वहीं आज सोमवार को सुबह राहगीरों ने बीसलपुर रामलीला रोड पर स्थित मनोज ट्रेडर्स के पास से बह रहे एक नाले में युवक का शव पड़ा देखा। इसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक के शव को नाले से बाहर निकाल कर कार्यवाही पूर्ण करने के बाद पोस्टमार्टम हेतु जिला मुख्यालय भेज दिया है। वहीं युवक की मौत के बाद परिवार वालों का रो-रोकर बुरा हाल है।

पत्नी व दो बच्चों को छोड़कर शिक्षिका के साथ लिव इन में रह रहा था शख्स

जन एक्सप्रेस । मेरठ

मेरठ के पल्लवपुरम की पॉश कॉलोनी अंसल टाउन में लिव-इन रिलेशनशिप (सहमति संबंध) में शिक्षिका संग रह रहे नेक टिमकिया गांव निवासी मीडियाकर्मी दीपक शर्मा (43) ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली।
शिक्षिका व लोगों ने जाली काटकर दरवाजा खोला और पुलिस को जानकारी दी। सीओ शुचिता सिंह का कहना है कि शव का पोस्टमार्टम कराकर जांच की जा रही है।
पल्लवपुरम पुलिस के मुताबिक जानी थाना क्षेत्र के नेक टिमकिया गांव निवासी दीपक शर्मा एक न्यूज चैनल में काम करते थे।
वे लगभग नौ साल पहले पत्नी व दो बच्चों में छोड़कर पल्लवपुरम क्षेत्र में रहने लगे थे।

कार्यालय ग्राम पंचायत-घुरहूपुर, विकास खंड-अकबरपुर, जनपद-अम्बेडकर नगर

पत्रांक: मेमो/पंचायत/निविदा/2024-25 दिनांक: 02.12.2024

अल्पकालीन निविदा आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत घुरहूपुर, विकास खंड अकबरपुर में राज्य वित्त/चौदहवां वित्त आयोग/ पन्द्रहवां वित्त/मनरेगा योजना अन्तर्गत आवंटित धनराशि के सापेक्ष अनुमोदित कार्ययोजना वर्ष 23-24 के निम्नलिखित परियोजनाओं के निर्माण कार्य पर सामग्री आपूर्ति हेतु फर्म के लेटर पैड पर मुहर बन्द निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। निविदायें **दिनांक 03-12-2024 से 07-12-2024 तक प्रातः 10 बजे से अपराह्न 2 बजे तक** ग्राम पंचायत मुख्यालय पर निविदा बॉक्स में डाली जायेगी। तदोपरान्त प्राप्त निविदायें दिनांक **07-12-24 को सायं 4 बजे** उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जाएंगी। निविदा के नियम व शर्तें पत्र में अंकित हैं:-

क्र.	परियोजना का नाम	अनुमानित लागत	सामग्री का ब्यौरा
1.	ग्राम पंचायत में ठोस एवं अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र (RRC) सेंटर का निर्माण कार्य।	2 लाख 50 हजार	ईंट गिट्टी, सीमेण्ट,मौरंग, सरिया, टीन शेड सामग्री
2.	ग्राम पंचायत में ई रिक्शा क्रय।	1 लाख 65 हजार	

नियम व शर्तों का विवरण:-

1- जिस आपूर्ति कर्ता की दर सबसे कम होगी उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्यों हेतु सूचित किया जायेगा।
2- आपूर्ति कर्ता द्वारा निर्धारित समय सीमा में आपूर्ति नहीं करने पर आपूर्ति आदेश निरस्त करते हुए वरीयता क्रम में अन्य फर्मों को आपूर्ति आदेश देने के लिए ग्राम पंचायत स्वतंत्र होगी।
3- फर्म जी0 एस0 टी0 पंजीकृत हो व आयकर दाखिल करने की प्रमाणित छायाप्रति संलग्न करना आवश्यक है।
4- जो दरें प्रस्तुत की जायें, वह दरें जी0एस0टी0 तथा ढुलाई, लदाई, उतरवाई तथा अन्य कर जोड़ कर प्रस्तुत की जाये।
5- सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत/ग्राम प्रधान के आपूर्ति आदेश पर ही की जायेंगी।
6- प्रस्तुत दरें PWD द्वारा स्वीकृत दरों से अधिक नही होनी चाहिए।
7- स्वीकृत आपूर्ति कर्ता का भुगतान तकनीकी सहायक/अवर अभियन्ता द्वारा सामग्री की गुणवत्ता प्रमाणित होने तथा मांग के उपरान्त ही किया जायेगा। गुणवता खराब होने पर आपूर्ति कर्ता को भुगतान नहीं किया जायेगा।
8- बिना कोई कारण स्पष्ट किये निविदा को अस्वीकृत करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को निहित होगा।

चन्दन कुमार
ग्राम प्रधान

आदित्य सिंह
ग्राम पंचायत सचिव

गांव के मेधावी बच्चों को मुख्य अतिथि ने किया सम्मानित

जन एक्सप्रेस । जौनपुर

सुजानगंज के क्षेत्र के ग्राम सभा बौरई गांव में 17 नवंबर को सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता के आयोजन में सफल मेधावियों को पुरस्कार वितरण कार्यक्रम वीर एकलव्य फाउंडेशन के द्वारा किया गया जिसमें मेधावी बच्चों को सम्मान प्रमाण पत्र, दीवाल घड़ी तथा पाठ्य सामग्री देकर सम्मानित किया गया, पुरस्कार पाते ही बच्चों के चेहरे खिल उठे ,कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राकेश कुमार बिंद राष्ट्रीय अध्यक्ष मछुआ समाज एकता संघ, विशिष्ट अतिथि के रूप में अमरेंद्र प्रधान(एम पी, बिन्द) योगेश कुमार निषाद, प्रकाश बिंद आदि रहे, कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि आज के समय में शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण हथियार है, शिक्षा के द्वारा हर समस्या का समाधान कर सकते हैं बच्चों को व्यावसायिक शिक्षा देने पर जोर दिया तथा जिन बच्चों की आर्थिक स्थिति ठीक नही है, उनको मदद का आश्वासन भी दिया कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संजू एस बिन्द ने डॉ भीमराव अंबेडकर का उदाहरण देते हुए कहा कि उनके जीवन संघर्ष से हम सबको सीख लेनी चाहिए उन्होंने कितना संघर्ष करके अपने आप को दुनिया में स्थापित किया अपना लोहा मनवाया किसी भी स्थिति में शिक्षा जरूर ग्रहण करना चाहिए कार्यक्रम में उपस्थित वरिष्ठ समाज सेवियों व शिक्षकों को सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया राम बचन निषाद जिला सचिव निषाद पार्टी ने तथा भजन गायक दिनेश जौनपुरी ने भी संबोधित किया इस मौके पर परीक्षा में सम्मिलित हुए बच्चे एवं उनके माता-पिता- राम सकल, रामबहाल(पू.बी.डी.सी.) पन्ने लाल, अमित, सनी, संरक्षक रामफेर निषाद, सुभाष निषाद, राकेश गौतम, रतीराम, मुन्नालाल, इंदू निषाद, सुजीत, विरेन्द्र, विपुल पिंकू , आदि सहित काफी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे आये हुए अतिथियों का फाउंडेशन के अध्यक्ष जयसिंह निषादवंशी एडवोकेट ने आभार व्यक्त किया कार्यक्रम का संचालन उपाध्यक्ष शैलेंद्र निषाद ने किया

जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र के द्वारा औचक निरीक्षण किया गया

जन एक्सप्रेस । जौनपुर

जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र के द्वारा कार्यालय क्षेत्रीय विपणन अधिकारी, जलालपुर का औचक निरीक्षण किया गया।
निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कार्यालय में पोर्टल पर धान क्रय के संबंध में जानकारी ली जिसपर धान क्रय केन्द्र प्रभारी अर्पिता अग्रवाल के द्वारा बताया गया कि अभी तक केन्द्र पर लगभग 4285 कुं0 किसानों से धान क्रय किया गया है और 2700 कुंतल धान डिस्पैच कर दिया गया है। समीप स्थित धान क्रय केंद्र लालपुर, महिमापुर के निरीक्षण के दौरान मौके पर किसान गिरजा शंकर का लगभग 125 कुं0 और किसान हुबराज का लगभग 80 कुंतल धान क्रय किया जा रहा था।
जिलाधिकारी ने केन्द्र प्रभारी को निर्देशित किया कि केन्द्र पर अवशेष धान को सम्बन्धित मिलर को प्रेषण करना सुनिश्चित करें एवं केन्द्र पर लघु/मध्यम वर्ग के किसानों को खरीद में प्राथमिकता दी जाये तथा आवक के अनुरूप प्रतिदिन खरीद करना सुनिश्चित करें। इस दौरान केन्द्र पर बैनर प्रदर्शित मिला बोरे पर्याप्त संख्या में उपलब्ध मिले।

खण्ड विकास अधिकारी जलालपुर का डीएम ने किया औचक निरीक्षण

जन एक्सप्रेस । जौनपुर

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने पाया कि कार्यालय परिसर में सीमा स्तम्भ रखे गये थे जिन्हें 15 नवम्बर 2024 तक राजस्व परिषद के निर्देश के क्रम में गांव की सीमाओं पर आवश्यकतानुसार तथा जहॉ सीमा स्तम्भ क्षतिग्रस्त हो गये थे वहां लगाये जाने थे, लेकिन अब तक नही लगाये जाने पर जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी केराकत और खण्ड विकास अधिकारी को स्पष्टीकरण देने के निर्देश दिए। उन्होंने उप जिलाधिकारी और खण्ड विकास अधिकारी जलालपुर के प्रति नाराजगी जाहिर करते हुए 03 दिवस के भीतर सभी सीमा स्तम्भ लगवाने के निर्देश दिये और जियो टैग फोटो पोर्टल पर अपलोड करने के भी निर्देश दिए।
फैमिली आईडी में कम प्रगति पाये जाने पर खण्ड विकास अधिकारी के प्रति नाराजगी व्यक्त की और प्रगति लाने के निर्देश दिये। उन्होंने उपस्थिति पंजीका तथा निरीक्षण पंजीका का भी अवलोकन किया। निरीक्षण पंजीका के अवलोकन के दौरान नियमित निरीक्षण नही होना पाये जाने पर नाराजगी व्यक्ति करते हुए निर्देश दिया कि जिला स्तरीय अधिकारी 15 दिन के भीतर निरीक्षण करते हुए रिपोर्ट जिलाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करें। उपस्थिति पंजिका का अवलोकन करते हुए निर्देश दिया कि कर्मचारी और अधिकारी समय से आकर लोगो की समस्याओं को सुनते हुए पात्रों को शासन की योजनाओं के लाभ दें। इस दौरान जिलाधिकारी द्वारा वृद्वावस्था पेंशन से सम्बन्धित पोर्टल पर लम्बित आवेदनों की जानकारी लेते हुए निस्तारण कराने के निर्देश दिये।
जिलाधिकारी ने खण्ड विकास अधिकारी को निर्देशित किया कि अभिलेखो का रख-रखाव उचित ढंग से किया जाए और कार्यालय में नियमित साफ-सफाई के निर्देश दिये। इस दौरान कर्मचारीगण सहित अन्य उपस्थित रहे।

गरीब किसान काट रहे साधन सहकारी समिति के चक्कर

जन एक्सप्रेस | बाराबंकी

रामसनेहीघाट। रामसनेहीघाट तहसील क्षेत्र के अधिकांश साधन सहकारी समिति लिमिटेड पर डीएपी की रैक समय-समय पर पहुंच रही है। मगर समिति के सचिव की मनमानी व अपने चहेतो को खाद देने के चक्कर में गरीब किसान को डीएपी नहीं मिल पा रही है। ऐसे में गेहूं समेत अन्य फसलों का रक्बा घटने से इंनकार नहीं किया जा सकता है। जी हां,ऐसा ही हाल क्षेत्र की साधन सहकारी समिति रामपुर का है। जहां के सचिव के द्वारा अपने चहेतो को डीएपी की अधिक खाद दिलाने के साथ ही रैक पहुंचने से पहले ही सूचना दे दी जाती है। जिसके चलते क्षेत्र के किसानो को खाद से वंचित होना पड़ रहा है। वही महंगे दामों पर बाहर निजी दुकानों से खाद महंगे दामों में खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। सूत्रों कि माने तो रामपुर सचिव चहेतो के जरिए खाद ब्लैक में बेचकर मोटा मुनाफा कमा रहे है। क्षेत्रीय किसान डीएपी के लिए दर-दर भटक रहे हैं।इनकी मनमानी के चलते किसानों को निराश होना पड़ रहा है। क्योंकि अधिकांश किसान आलू,मटर, सरसों, चना आदि की बोआई कर चुके हैं। गेहूं की बोआई के समय समितियों पर खाद ढूंढ़े नहीं मिल रही है। समितियों का चक्कर लगाकर थक चुके।यह किसान निजी दुकानों से डीएपी खाद महंगे दामों पर खरीद कर बोआई कराने पर मजबूर हैं। जरूरतमंद किसान असली-नकली डीएपी की बिना परवाह किए निजी दुकान से महंगे दामों में खरीद कर बोआई कर रहे हैं। उनका आरोप है कि जिला प्रशासन खाद उपलब्धता कराने में विफल है। क्षेत्रीय किसान राम प्रसाद, श्रवण, श्रीचंद्र, हिमांशु, रामशरन, बालक, सुजीत व प्रमोद आदि ने बताया कि रामपुर समिति पर डीएपी रैक आई थी। मगर सचिव रामसिंह की सांठगांठ से अपने चेहतों खाद बांटी गई। उन्हें पहले ही सूचना दे देते हैं। सूत्रों की माने तो चहेतों की बांटी गई खाद ब्लैक में निजी दुकानों पर ही बिकती है। जिसका वह मोटा कमीशन लेते है। रामपुर समिति सचिव रामसिंह के निजी सचिव संजय कुमार के कारनामे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

आखिर खाद और धान तौल एक साथ कैसे हैं।

उधर, खुशहेटी साधन सहकारी समिति पर धान खरीद हुई थी। यहां खाद की डिमांड लगी हुई है।

यूपीसीडा के इत्र पार्क में आवंटित हो चुके 33 प्लॉट, 25 और का आवंटन होगा

जन एक्सप्रेस | कन्नौज

यूपीसीडा द्वारा जनपद में इत्र पार्क विकसित किया गया है जिसमें 5 चरणों में 33 उद्यमियों को भूमि आवंटित की जा चुकी है। उक्त परियोजना में यूपीसीडा द्वारा दिनांक 27 नवम्बर को 25 औद्योगिक भूखण्डों के आवंटन हेतु निवेश मित्र पोर्टल पर भूखण्ड विज्ञापित किए गए हैं, जिसमें इत्र एवं इत्र आधारित उद्योग की स्थापना हेतु 500 से लेकर 3000 वर्गमीटर तक के भूखण्ड 5530 प्रतिवर्गमीटर पर आवंटन हेतु उपलब्ध कराया जायेगा।

इच्छुक उद्यमी निवेश मित्र पोर्टल से इत्र पार्क कन्नौज में भूखण्ड आवंटन हेतु आवेदन कर सकते है। यह जानकारी क्षेत्रीय प्रबंधक मंसूर कटियार ने दी। उन्होंने बताया है कि शुरूआत में भूखण्ड की 10 प्रतिशत धरोहर धनराशि प्रकिया शुल्क के साथ जमा करना होगा। शेष धनराशि का 40 प्रतिशत आरक्षण धनराशि आवंटन पत्र निर्गत करने की तिथि से 60 दिवस के अन्दर भुगतान करना होगा व इसके अतिरिक्त 50 प्रतिशत शेष धनराशि 03 साल में छमाही किश्तों में ब्याज सहित भुगतान करना होगा। यदि उद्यमी द्वारा भूमि की कुल कीमत का 60 दिवस के अन्दर भुगतान किया जाता है तो भूमि की कीमत में 02 प्रतिशत की छूट मिलेगी। इसके अलावा रजिस्ट्री में 75 प्रतिशत तक की सभी प्रकार के उद्यमियों को छूट प्राप्त होगी द्य यदि महिला उद्यमी द्वारा भूमि आवंटन करायी जाती है तो स्टाम्प शुल्क में 100 प्रतिशत छूट प्राप्त होगी। इसके अलावा लघु उद्योग विभाग द्वारा उद्योग स्थापना हेतु ओडीओबी वित्त पोषण योजना के अन्तर्गत 25 प्रतिशत कैपिटल सब्सिडी के साथ लोन की भी सुविधा उपलब्ध होगी। परियोजना में 24×7 विद्युत आपूर्ति चौडी सडके, अन्डर ग्राउण्ड विद्युत लाइने, जलापूर्ति हेतु ओवरहेड टैंक एवं स्वागत द्वार की सुविधा उपलब्ध करायी गयी है।

परियोजना को चारो तरफ से बाउण्ड्रीवाल से कवर किया गया है। विकसित परियोजना को लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे के करीब विकसित किया गया है।

25 हजार के दो इनामी बदमाशों को भेजा जेल

जन एक्सप्रेस | कन्नौज। गैंगस्टर के मुकदमे में वांछित 25 हजार के दो इनामी बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। थाना ठठिया में लूट की वारदात को अंजाम देने वाले जनपद औरैया कोतवाली सदर गांव सलेमपुर नवल सिंह, कखावतू निवासी हिमांशु उर्फ आशू कठेरिया, जनपद कानपुर नगर थाना बिल्हौर गांव कुदौरा निवासी हिमांशु कटियार के खिलाफ गैंगस्टर का मुकदमा दर्ज हुआ था।

इसमें आरोप लगाया कि यह लोग लूट की घटनाएं करते हैं। लूट से अर्जित धन का उपयोग करते हैं। इनके खिलाफ गवाही देने के लिए कोई तैयार नहीं होता है। दोनों काफी समय से फरार चल रहे थे। एसपी अमित कुमार आनंद ने दोनों पर 25-25 हजार का इनाम घोषित किया था। एसपी ने बताया कि गैंगस्टर के मुकदमे में वांछित दो इनामी बदमाशों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है।

सनातन धर्म की रक्षा के लिए एक मंच पर आना होगा: कुलदीप मिश्रा

जन एक्सप्रेस | बाराबंकी

सोमवार को विष्व हिन्दू रक्षा परिषद के प्रदेष कार्यालय में राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल राय की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में कुलदीप मिश्रा को राष्ट्रीय सचिव मनोनीत किया गया। इस मौके पर पदाधिकारियों ने नवनियुक्त राष्ट्रीय महासचिव कुलदीप मिश्रा को मिठाई खिलाकर जगह-जगह स्वागत किया गया। इस मौके पर नवनियुक्त राष्ट्रीय महासचिव कुलदीप मिश्रा ने कहा कि सभी हिन्दू भाईयों को एक धागे में पिरोकर चलना होगा। सनातन धर्म की रक्षा के लिए सभी हिन्दुओं को एक मंच पर आना ही होगा। श्री मिश्रा ने आगे कहा कि जो बंगलादेश में फर्जी आई-कार्ड बनाकर हिन्दुओं के साथ जो अत्याचार एवं निर्मम हत्यायें की गयी हैं, उसका परिणाम आततायियों को भुगतना पड़ेगा और भारत देश के हिन्दू राष्ट्र घोषित होने तक यह संघर्ष जारी रहेगा। इस मौके पर सत्या पण्डित, अष्विनी मिश्रा, प्रशान्त शुक्ला, रविशंकर यादव, प्रिंस मिश्रा, संजय शुक्ला, संजय मिश्रा, रामेन्द्र मिश्रा, गोपाल वर्मा, हरिलाल, पंकज, कपिल, निर्भय यादव आदि सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विश्व एड्स दिवस के संबंध में जागरूकता गोष्ठी का आयोजन

जन एक्सप्रेस | सहारनपुर

उत्तर प्रदेश एड्स नियंत्रण सोसाइटी से प्राप्त निर्देशों के अनुपालन मे आज जिला चिकित्सालय प्रांगण स्थित टीबी सेनेटोरियम के ऑडिटोरियम हाल मे आज जिला स्तरीय एड्स जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया गया गोष्ठी मे मुख्य अतिथि अपर जिला जज प्रबोध कुमार बर्मा रहे एवं अध्यक्षता मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा प्रवीण कुमार ने की इस मौके पर जिला एड्स नोडल ऑफिसर एवं जिला क्षय रोग अधिकारी डा सर्वेश कुमार सिंह ने बताया कि सहारनपुर जिले मे कुल 2618 मरीज़ एच आई वी ग्रसित हैं जिनमे से 2314 मरीज़ 2023 तक और उससे पहले के हैं और 304 मरीज इस वर्ष 2024 के हैंजिन्हे विभाग द्वारा प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए ए आर टी के माध्यम से दवा दी जा रही है इस मौके पर एड्स के मरीज़ो को खोजने, जागरूकता करने मे स्वास्थ्य विभाग को सहयोग कर रही संस्थायो जन चेतना समिति, दिशा एवं विहान ने गोष्ठी स्थल के बाहर प्रांगण मे एड्स जागरूकता प्रदर्शनी का आयोजन भी किया गया जिसका शुभारम्भ अपर जिला जज प्रबोध कुमार एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा प्रवीण कुमार ने संयुक्त रूप से फीता काट कर किया गोष्ठी का संचालन वरिष्ठ क्षय रोग लैब पर्यवेक्षक एम पी सिंह चावला ने किया इस मौके पर ए एन एम टी सी की छात्राओं ने एवं खालसा पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राओं ने एड्स जागरूकता से सम्भधित पोस्टर बना के प्रदर्शित किये एवं सुंदर रंगोली भी बनाई इस दौरान इस वर्ष की विश्व एड्स दिवस की अंतराष्ट्रीय थीम Take the rights path (सही रास्ता चुनें) लिखे बैनर पर सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियो ने हस्ताक्षर किये इस मौके पर जिला कार्यक्रम अधिकारी नंद लाल प्रसाद, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा पूजा शर्मा, डा राकेश चंद्रा, डा कपिल देव, डा कुणाल जैन, शिवांका गौड़, ओम प्रकाश, मुकेश कुमार, परवेंदर यादव, राकेश बाबू आदि भी मौजूद रहे।

सहारनपुर उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के द्वारा स्वागत एवं अभिनन्दन समारोह का आयोजन

जन एक्सप्रेस | सहारनपुर

सहारनपुर उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के नवनियुक्त पदाधिकारियों अध्यक्ष विवेक मनोचा, वरिष्ठ महामंत्री स.सुरेन्द्र मोहन सिंह चावला, महामंत्री पुनीत चौहान, कोषाध्यक्ष सुधीर मिगलानी का स्वागत एवं अभिनन्दन समारोह का आयोजन स्थानीय जे.पी.काम्पलैक्स, भगत सिंह मार्ग के व्यापारियों प्रधान राजेश तनेजा, संयोजक सुरेन्द क्वात्रा, सचिव सचिन खुराना, कोषाध्यक्ष सुरेन्द्र बठला एवं महामंत्री नीरज बंसल द्वारा किया गया जिसमें नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया।

इस अवसर पर नवनियुक्त अध्यक्ष विवेक मनोचा व वरिष्ठ महामंत्री स.सुरेन्द्र मोहन सिंह चावला ने कहा कि व्यापारियों की एकजुटता ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है और इसी ताकत के बल पर संगठन व्यापारियों को आश्वस्त करता है कि किसी भी व्यापारी का उत्पीड़न नहीं होने दिया जायेगा। उन्होने कहा कि व्यापारी पेंशन और जीएसटी में मामले में व्यापारियों को आ रही परेशानियों के लिए एकजुट होकर लड़ाई लड़ी जायेगी। इसके साथ-साथ राज्य सभा व विधान सभा में व्यापारियों को उचित प्रतिनिधित्व के लिए भी प्रयास किये जायेंगे। उन्होंने कहा कि देश का व्यापारी सबसे अधिक कर देता है इसलिए व्यापारी के प्रति भी सरकार अपना सकारात्मक रूख दिखाये तथा उनकी बातों को ध्यान से सुनकर उनका निवारण करें। व्यापारी अब जागरूक है, इसलिए कोई अधिकारी व विभाग उसका उत्पीड़न नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि हम सब मिलकर व्यापारियों के हितों की लडाई लड़ेगें। व्यापारी एकता के बल पर ही हम किसी भी समस्या का समाधान कराने में सक्षम रहेंगे। इस अवसर पर मुख्य रूप से अध्यक्ष विवेक मनोचा, वरिष्ठ महामंत्री स.सुरेन्द्र मोहन सिंह चावला, महामंत्री पुनीत चौहान, कोषाध्यक्ष सुधीर मिगलानी, अशोक छाबडा, नीरज जैन, गुलशन अनेजा, अनुभव शर्मा, कुबेर नरूला, देवेन्द्र चडढा, हरजिन्दर सिंह, मौ.इकबाल, मौ.तनजीम, आर.के.मल्होत्रा, महेश पाहवा आदि शामिल रहे।

दो लोगो को चार वर्ष का कारावास

जन एक्सप्रेस | बाराबंकी

अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट रुचि तिवारी ने खाद्यान्न की कालाबाजारी के मामले में आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत दो अभियुक्तों को चार-चार साल की कैद व 5-5000 रुपये जुर्माना भुगतने की सजा सुनाई है। अभियोजन पक्ष के अनुसार बीती 19 सितंबर 2006 को सुबह 9 बजे एक व्यक्ति ने दूरभाष पर उप जिलाधिकारी फतेहपुर को जानकारी दी कि हसनपुर टांडा निवासी रमाकांत की दुकान पर उत्तम कुमार के ट्रैक्टर से गल्ला उतरा जा रहा है। सूचना पर एसडीएम दुकान पर पहुंचे जहां ताला लगा था उन्होंने रमाकांत से चाभी लेकर दुकान को कब्जे में ले लिया। इसके बाद पूर्ति निरीक्षक जयशंकर श्रीवास्तव को दुकान पर जाकर खाद्यान्न का सत्यापन करने का आदेश दिया। जिस पर जयशंकर श्रीवास्तव ने जब दुकान चेक किया तो उसमें 17 कट्टा गेहूं व 27 कट्टा चावल अवैध खाद्यान्न मिला जो कालाबाजारी के लिए रखा गया था। रमाकांत ने बताया उक्त गल्ला चितरापुरवा मजरे सिहाली के शिव परसन ने रखवाया है। इसके बाद पूर्तिनिरीक्षक ने दोनों के विरुद्ध कोतवाली फतेहपुर में आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत रिपोर्ट दर्ज कराई थी। न्यायालय में सुनवाई के दौरान साक्षियों के बयान व दोनों पक्षों की बहस सुनने के पश्चात न्यायाधीश ने अभियुक्त रमाकांत व शिव परसन को आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत दोषी पाते हुए चार-चार वर्ष की कठोर कैद व 5-5000 रूपये जुर्माना भुगतने की सजा सुनाई है।

दिव्यांग बच्चों की खेल प्रतियोगिता- दौड़ में अमित, किशन अव्वल

- खेल से दिव्यांग बच्चों में सामाजिकता का विकास होता है- खण्ड शिक्षाधिकारी

जन एक्सप्रेस | हरैया

परिषदीय विद्यालयों के दिव्यांग बच्चों हेतु तहसील स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन ब्लॉक संसाधन केंद्र हरैया के परिसर में सोमवार को किया गया। खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी हरैया विजय आनंद ने फीता काटकर किया। बीईओ ने कहा कि दिव्यांग बच्चों के अंदर छिपी हुई प्रतिभाओं को उचित मंच नहीं मिल पाता, जिसके कारण वे अपनी काबिलियत को सही तरीके से नहीं दिखा पाते। कहा कि खेल प्रतियोगिता से दिव्यांग बच्चों में सामाजिकता का विकास होता है। उनके भीतर आत्मविश्वास जागृत होता है। इसलिए दिव्यांग बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए इस तरह के आयोजन आवश्यक हैं। 100 मी. दौड़ श्रवण बाधित में अमित और मानसिक विकलांगता श्रेणी में किशन अव्वल रहे। कुर्सी दौड़ श्रवण बाधित बालक वर्ग में साहिल, बालिका वर्ग में सवीना और मानसिक विकलांगता में मनीष प्रथम रहे। छूकर पहचानो में साकिब ने प्रथम और सुमित सोनकर ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। सुलेख में सृष्टि तथा कला प्रतियोगिता में दीक्षा अव्वल रहीं। रस्साकशी में साहिल, रोहित, कुशल और श्याम की टीम अव्वल रही। विजेता खिलाड़ियों सहित सभी प्रतिभागी बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। बच्चों को खेल में एआरपी गिरिजेश बहादुर सिंह, उदय प्रताप सिंह और खेल अनुदेशक पवन मिश्र, दीपक सिंह, जितेंद्र, उत्तम वर्मा, संजीव, राजकुमार ने सहयोग किया। कार्यक्रम को सकुशल संपन्न कराने में विशेष शिक्षक देवेंद्र ओझा, उर्मिला द्विवेदी, अनिल पाण्डेय, शिव शंकर, विवेक, संपूर्णानंद, संतोष सिंह, राम निहाल, अमर प्रकाश सिंह, रूद्रमणि पाण्डेय, अजय वर्मा, राजेश वर्मा ने अपना योगदान दिया। इस अवसर पर प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला उपाध्यक्ष रवीश कुमार मिश्र, जगदंबा द्विवेदी, मनोज उपाध्याय, हरी जी मिश्र, भारती शुक्ला, राकेश प्रकाश श्रीवास्तव, सुनील कुमार, दिवाकर सिंह, रवि, जमुना, राकेश आदि उपस्थित रहे।

तबादला नीति लागू कर भूल गया बेसिक शिक्षा विभाग: राजेश पाठक

जन एक्सप्रेस | बस्ती

परिषदीये विद्यालय के शिक्षको की जिले के अन्दर पारस्परिक तबादले को लेकर शिक्षक बेसब्री से इंतजार कर रहे है।

शिक्षको का परस्पर जिले के अन्दर तबादला साल में दो बार करने का शासनादेश जारी हुआ था, शासनादेश में साफ उल्लेख था कि हर साल सर्दियो और गर्मियों की छुट्टी मे करने का यह आदेश प्रमुख सचिव ने जारी किया था।

लेकिन अधिकारियों की उदासीनता के कारण गर्मियो की छुट्टी में तवादला नही हो सका था।

शिक्षक नेता राजेश पाठक ने कहा की हजारो शिक्षक तवादले के इन्तजार में है। आज सोमवार को शिक्षको ने बैठक करके बताया कि अगर 20 दिसम्बर तक आवेदन के लिए पोर्टल नही खोला गया तो शिक्षक आन्दोलन के लिए बाध्य होगा। जल्द ही इस मामले मे शिक्षक का एक प्रतिनिधि सीएम से भी मिलेगा। बैठक की अध्यक्षता शिक्षक नेता अध्यक्ष बस्ती सदर शैल शुक्ल ने किया। इस अवसर पर बैठक मे राजेश पाठक, सूर्य प्रकाश शुक्ल, रबीश, पियूष मिश्र, विपिन पाण्डेय, अरुण पाण्डेय, धमेंद्र, पंकज, सहित तमाम शिक्षक शामिल रहे।

कंटेनर ने ई-रिक्शा में मारी टक्कर, युवक घायल

जन एक्सप्रेस | कन्नौज। छिबरामऊ। नेशनल हाईवे पर सिकंदरपुर के पास कंटेनर चालक ने लापरवाही से चलाते हुए ई-रिक्शा में टक्कर मार दी। हादसे में ई-रिक्शा सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन इलाज के लिए अस्पताल ले गए। वहां से तिर्वा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। जनपद फर्रुखाबाद थाना जहानगंज के ग्राम गदनपुर तुर्रा निवासी अश्वनी (45) ई-रिक्शा पर बैठकर सिकंदरपुर जा रहे थे। नेशनल हाईवे पर सिकंदरपुर के पास बेवर से कानपुर की ओर जा रहे तेज रफ्तार कंटेनर ने पीछे से ई-रिक्शा में टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। लोगों की सूचना पर पहुंचे परिजन इलाज के लिए उसे संयुक्त चिकित्सालय लेकर पहुंचे।

विहिप और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने जुलूस निकाल किया प्रदर्शन, भेजा राष्ट्रपति को ज्ञापन

जन एक्सप्रेस | बाराबंकी

फतेहपुर। बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में अन्तराष्ट्रीय हिन्दू परिषद् व राष्ट्रीय बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए जुलूस निकाला। तहसील परिसर पहुंचे कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रपति को सम्बोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपकर कार्यवाही की मांग की है। सोमवार को बस स्टाप पर एकत्रित हुए कार्यकर्ताओं ने बांग्लादेश मुर्दाबाद के नारे लगाते हुए जुलूस निकाला। यह जुलूस मस्तान रोड, मुंशीगंज, बेलहरा चौराहा, सट्टी बाजार होते हुए तहसील पहुंचा। जहां पर एसडीएम राजेश कुमार विश्वकर्मा को ज्ञापन दिया गया। जिला महामंत्री शुभम सोनी ने बताया कि बांग्लादेश के हिन्दुओं के साथ हो रही निरन्तर घटनाएं हिन्दू समाज को आतंकित कर रही है। पाकिस्तान में हिन्दुओं की दुर्दशा के उपरान्त बांग्लादेश भी अब पाकिस्तान की राह पर हिन्दुओं के साथ आतंकी जिहाद व्यवहार अपना रहा है। सत्ता परिवर्तन के प्रयास बांग्लादेश को इस्लामी जिहाद की ओर निरन्तर बढाने के लिए प्रेरित कर रहे है। कार्यकर्ताओं का कहना है कि बांग्लादेश के हिन्दुओं को यदि इसी प्रकार प्रताडित किया तो आने वाले समय में भारत का समस्त हिन्दू समाज बांग्लादेश के हिन्दू समाज के लिए हर स्तर पर संघर्ष करने की तैयारी के लिए समाज को जागृत करने का काम करेगा। इस मौके पर दद्दन सिंह, शिवम जोशी, मोहित जोशी सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

कोतवाली पहुंचे पीड़ित, बोले एलयूसीसी कम्पनी के एजेण्टों के विरुद्ध हो कार्यवाही

जन एक्सप्रेस | बाराबंकी

फतेहपुर। एलयूसीसी कम्पनी के बन्द होने के पश्चात् एजेन्टो के फरार हो जाने पर पैसा जमा करने वाले करीब 10 लोगो ने फतेहपुर कोतवाली में सूचना दी। सभी का कहना है कि आरोपियों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही करते हुए जमा किया गया पैसा वापस कराया जाये। कस्बे के मोहल्ला काजीपुर निवासी सन्तोष कुमार के चार लाख 50 हजार मोहल्ला मौलवीगंज के मो. फहीम के एक लाख 41 हजार रूपये, जुबैर के एक लाख 50 हजार, एहसान के तीन लाख 50 हजार, मुनीर के 90 हजार, मनोज के 70 हजार, कलीम के एक लाख 50 हजार, मो0 लईक के एक लाख बीस हजार रूपये, शाहिद के दो लाख रूपये एलयूसीसी कम्पनी में जमा किये थे। जब समाचार पत्रों के माध्यम से इन सभी को पता चला कि कम्पनी फ्राड करके फरार हो चुकी है जिस पर सभी ने अपने एजेन्टों की तलाश शुरू की जिनके माध्यम से पैसा जमा कराया वह भी सभी फरार बताये जा रहे है। सोमवार को सभी ने कोतवाली पहुंचकर इसकी शिकायत पुलिस से की है

इस सम्बन्ध में कोतवाल ने बताया कि कई लोगो के रूपये जमा करने की बात सामने आयी है। जांचकर कार्यवाही की जायेगी।

जेसीबी से खुदवाया तालाब, मनरेगा से भुगतान की तैयारी

जन एक्सप्रेस | कन्नौज

छिबरामऊ। शासन और प्रशासन मनरेगा के तहत श्रमिकों को 100 दिनों का रोजगार दिलाने के दावे कर रहा है पर हकीकत कुछ और ही है। गांव प्रधान व सचिव मिलकर जेसीबी मशीनों से कार्य पूरे कराकर फर्जी तरीके से मनरेगा से धनराशि निकालकर बंदरबांट कर रहे हैं। कुछ ऐसा ही मामला गांव सभा भौंराजपुर के मजरा मलपुरा जगदीशपुर में भी सामने आया है। विकास खंड के मलपुरा जगदीशपुर गांव के अंकित प्रताप ने डीएम से शिकायत करते हुए बताया कि अमृत योजना के तहत गांव समाज की जमीन पर अमृत सरोवर खुदवाया गया है। शासन की मंशा के अनुरूप तालाब खुदाई का काम मनरेगा योजना के तहत होना चाहिए पर प्रधान, मनरेगा सचिव मनरेगा से भुगतान कराने के लिए मजदूरों की फोटो खिंचवा लेते हैं। खुदाई मजदूरों से कराने की बजाय जेसीबी से कराते है। गांव सोनू, अमित प्रताप, सुमित आदि का कहना है कि सौ रुपये उन्हें फोटो खिंचवाने के मिलते है,

शेष रुपये का आपस में बंटवारा कर लिया जाता है। फोटो खिंचवाने के लिए उन्हीं मजदूरों को बुलाया जाता है, जो आसानी से खातों से रुपये निकालकर सौंप देते हैं।

सोते हुए बुजुर्ग के सिर पर मारा धारदार हथियार

जन एक्सप्रेस | सहारनपुर। बेहट कोतवाली क्षेत्र के गांव कादरपुर में रविवार रात बदमाशों ने एक घर में घुसकर मां-बेटे को लहूलुहान कर लूटपाट की। बदमाश महिला के कानों से कुंडल खींच ले गए और 52 हजार कैश लूटकर फरार हो गए। बदमाशों की संख्या चार बताई जा रही है। घायलों को रात ढाई बजे अस्पताल में भर्ती कराया गया। मोहर सिंह (60) घर के बरामदे में सो रहे थे और उनकी मां कैलाशो (80) कमरे में थीं। मोहर सिंह की पत्नी की मौत हो चुकी है, जबकि दोनों अविवाहित बेटे जम्मू व हरियाणा में नौकरी करते हैं। रात करीब एक बजे तीन-चार बदमाश घर में घुसे और बरामदे में सो रहे मोहर सिंह के सिर पर किसी हथियार से हमला कर लहूलुहान कर दिया। बदमाश मोहर सिंह को खींचकर अंदर कमरे में ले गए, जहां उनकी मां सोयी हुई थीं। बदमाशों ने बुजुर्ग कैलाशो को उठाया और उनके कानों से कुंडल खींच लिए। उसके बाद पूरा कमरा खंगाला। करीब दो बजे मोहर सिंह का चचेरा भाई सुशील जो कि उनका पड़ोसी भी है, शौच के लिए बाहर आया। उसने कैलाशो और मोहर सिंह के दर्द से करहाने की आवाज सुनी।

'संसद में गतिरोध खत्म करने के लिए सरकार और विपक्ष साथ आए'

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत से ही विपक्ष अपने तमाम मुद्दों को लेकर हंगामा कर रहा है, वहीं उसका आरोप है कि सत्ता पक्ष की तरफ से उनकी मांगें न माने जाने के कारण संसद की कार्यवाही सुचारु रूप से नहीं चल पा रही है। जिसकी वजह से संसद के महत्वपूर्ण छह दिन हंगामे की भेंट चढ़ गए। इसे लेकर आज लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने तमाम दलों के साथ एक बैठक भी की है। इस बैठक में टीडीपी के लवू श्री कृष्ण देवरायलू, कांग्रेस नेता गौरव गोगोई, डीएमके सांसद टी आर बालू , एनसीपी-एसपी सांसद सुप्रिया सुले, समाजवादी पार्टी के धर्मेंद्र यादव, जेडी(यू) के दिलेश्वर कामैत, आरजेडी के अभय कुशवाह, टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी, शिवसेना (यूबीटी) के अरविंद सावंत और सीपीआइ के राधाकृष्णन शामिल हुए। वहीं इस बैठक में दोनों पक्षों (सरकार और विपक्ष) में गतिरोध खत्म करने के साथ संविधान पर बहस की सहमति बन गई है। इस बैठक के बाद जानकारी देते हुए संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बताया कि, आज लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के साथ सर्वदलीय फ्लोर लीडर्स की बैठक हुई। कुछ दिनों से संसद में गतिरोध चल रहा है, सभी ने इस पर अपनी चिंता व्यक्त की है। हमने भी कहा कि सभी चुने हुए प्रतिनिधि भारत की संसद में अपनी बात रखने आते हैं और पिछले कई दिनों से संसद का न चलना ठीक नहीं है। सभी ने इसे स्वीकार किया। विपक्ष की ओर से कई मांगें की गई हैं। बिजनेस एडवाइजरी कमेटी के सामने संविधान पर चर्चा करने का प्रस्ताव रखा गया। सरकार ने उसे मंजूरी दे दी है।

लोकसभा और राज्यसभा में संविधान पर होगी चर्चा

13-14 दिसंबर को हम संविधान पर चर्चा करेंगे। सबसे पहले लोकसभा में चर्चा होगी। सभी ने इसे स्वीकार किया है। 16-17 दिसंबर को राज्यसभा में चर्चा होगी। स्पीकर ने यह भी कहा कि अगर कोई मुद्दा उठाना चाहता है तो उसके लिए नियम है। आप इसके लिए नोटिस दे सकते हैं लेकिन संसद में हंगामा करना और कामकाज में बाधा डालना ठीक नहीं है। सभी ने इसे भी स्वीकार किया है। यह अच्छी बात है कि सभी ने स्वीकार किया है कि कल से चर्चा होगी। हम कल लोकसभा में चर्चा के बाद पहला विधेयक पारित करेंगे। राज्यसभा में भी सूचीबद्ध कार्य पारित किए जाएंगे। मैं एक बार फिर सभी विपक्षी सांसदों और नेताओं से अपील करता हूं कि आज जो भी समझौते हुए हैं, उसे कायम रहें। हमें संसद को सुचारू रूप से चलाना चाहिए। कल से संसद सुचारू रूप से चलेगी। ऐसा समझौता हुआ है। मुझे उम्मीद है कि ऐसा होगा।

सपा और तृणमूल को मुद्दे उठाने की मिल सकती है अनुमति

वहीं सूत्रों से मिली सूचना के मुताबिक, समाजवादी पार्टी को लोकसभा में संभल मुद्दे और तृणमूल कांग्रेस को बांग्लादेश की घटनाओं को उठाने की अनुमति भी दी जा सकती है। हालांकि, अदाणी मुद्दे पर किसी विशेष चर्चा की संभावना कम है, उन्होंने कहा कि विपक्षी सदस्य अन्य बहसों के दौरान इस पर बात कर सकते हैं। कांग्रेस लगातार अदाणी समूह के अध्यक्ष गौतम अदाणी और अन्य कंपनी अधिकारियों पर रिश्वतखोरी और धोखाधड़ी के आरोपों में अमेरिकी अभियोजकों की तरफ से अभियोग लगाने के मुद्दे को उठाती रही है।

अदाणी विवाद को प्राथमिकता नहीं दे रही टीएमसी

बता दें कि संभल हिंसा और मणिपुर अशांति जैसे मामलों पर विपक्ष के जोरदार विरोध के साथ-साथ 25 नवंबर को शीतकालीन सत्र शुरू होने के बाद से लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही लगातार स्थगित हो रही है। हालांकि, कुछ अन्य विपक्षी दलों, खासकर टीएमसी ने अदाणी विवाद को उतनी प्राथमिकता नहीं दी है और वे चाहते हैं कि संसद में बेरोजगारी, मूल्य वृद्धि और केंद्र की तरफ से धन आवंटन में विपक्षी शासित राज्यों के साथ कथित भेदभाव समेत कई अलग-अलग मुद्दों पर चर्चा हो।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार को शुभेंदु की चेतावनी, बोले हिंदुओं पर हमले रोको वरना निर्यात पर लगेगा बैन

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। कोलकाता

बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ अत्याचार को लेकर पूर्वी राज्य पश्चिम बंगाल में भी आक्रोश देखने को मिल रहा है। इस बीच, राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने पड़ोसी देश की अंतरिम सरकार को चेतावनी दी कि अगर उनके यहां अल्पसंख्यक हिंदुओं और उनकी संस्थाओं पर हो रहे हमलों को नहीं रोका गया, बंगाल की जमीनी सीमा से बांग्लादेश को निर्यात पर अनिश्चितकाली प्रतिबंध लगा दिया जाएगा। शुभेंदु अधिकारी ने पेट्रापोल अंतरराष्ट्रीय सीमा पर एक विरोध सभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि बांग्लादेश से व्यापार पर चरणबद्ध तरीके से प्रतिबंध लगाया जाएगा, जिससे बांग्लादेश भारत से जरूरी वस्तुओं पर निर्भर होगा। इस कार्यक्रम में भाजपा के अन्य नेताओं ने भी भाग लिया। हालांकि, वे पार्टी के निशान के बिना यहां मौजूद रहे।

हमले नहीं रुके तो व्यापार पर लगेगा प्रतिबंध

पड़ोसी देश में हिंदुओं पर अत्याचार के विरोध में पेट्रापोल सीमा पर सोमवार को व्यापार चौबीस घंटों के लिए रोक दिया गया था। इस विरोध भारत के कारोबारी संगठनों, खासतौर पर बंगिया हिंदू समिति की ओर से आयोजित किया गया था। अधिकारी ने कहा, यह चौबीस घंटे का व्यापार बंद केवल एक शुरुआत है। अगर अगले हफ्ते तक हिंदुओं और उनके धार्मिक स्थलों पर हमले नहीं रुके, तो हम पांच दिन तक व्यापार पर प्रतिबंध लगाएंगे। नए साल के बाद हम अनिश्चितकाल के लिए व्यापार रोक देंगे। हम देखेंगे कि वहां के लोग बिना हमारे आलू-प्याज के कैसे रहते हैं।

'1971 की तरह आत्मसमर्पण करने पर मजबूर करेंगे'

यह विरोध कार्यक्रम इस्कॉन से जुड़े पूर्व पुजारी चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी और बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों के विरोध में हुआ। यह विरोध कार्यक्रम इस्कॉन से जुड़े पूर्व पुजारी चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी और बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों के विरोध में हुआ। अधिकारी ने कहा, भारत सिर्फ एक देश नहीं है। यह पीएम मोदी के नेतृत्व में दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। अगर वे हमारे राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करते हैं, तो हम बांग्लादेश के रजाकारों के नए बेटों को 1971 की तरह आत्मसमर्पण करने पर मजबूर करेंगे। तब हमने पाकिस्तानी सेना को घुटने टेकने पर मजबूर किया था।

पेट्रोपोल जीरो प्वाइंट तक निकाला मार्च

अधिकारी ने बाद में भाजपा नेताओं और स्थानीय विधायकों स्वपन मजूमदार, अशोक कीरतानिया और अर्जुन सिंह के साथ पेट्रोपोल जीरो प्वाइंट तक मार्च किया, जहां उन्होंने विरोध के प्रतीक के रूप में गुब्बारे छोड़े और बांग्लादेश में हिंदू साधु की बिना शर्त रिहाई और अल्पसंख्यकों पर अत्याचार के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। अधिकारी ने कहा, यह एक क्षण भर का विरोध नहीं है। हम पश्चिम बंगाल के अन्य सीमा बिंदुओं जैसे हिली और चांगराबंधा में भी ऐसे विरोध आयोजित करेंगे।

भाजपा पर्यवेक्षकों के नाम का एलान, सीतारमण-रूपाणी की मौजूदगी में चुना जाएगा महाराष्ट्र का सीएम

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। रांची

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने महाराष्ट्र के लिए पर्यवेक्षकों के नाम का एलान कर दिया है। पार्टी ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी को केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। पार्टी की ओर से सोमवार को जारी एक बयान में यह घोषणा की गई। इनकी मौजूदगी में ही पार्टी विधायक दल के नेता का चयन होगा। इस बात की प्रबल संभावना है कि वह ही महाराष्ट्र का अगला मुख्यमंत्री होगा। भाजपा महासचिव अरुण सिंह की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि पार्टी के संसदीय बोर्ड ने महाराष्ट्र में पार्टी विधायक दल के नेता के चुनाव के लिए विजय रूपाणी और निर्मला सीतारमण को केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। सूत्रों के मुताबिक, जो भी विधायक दल का नेता चुना जाएगा, उनका राज्य का अगला मुख्यमंत्री बनना लगभग तय हो जाएगा। हालांकि, इसे लेकर भाजपा ने चुप्पी साध रखी है, लेकिन माना जा रहा है कि इस दौड़ में पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस सबसे आगे हैं।

महाराष्ट्र में नई सरकार का गठन नहीं हो पाया

चुनावी नतीजों की घोषणा के एक सप्ताह से अधिक समय बाद भी महाराष्ट्र में नई सरकार का गठन नहीं हो पाया है। कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि वह नए मुख्यमंत्री के चयन को लेकर भाजपा के फैसले का समर्थन करेंगे। उनकी इस घोषणा के बाद लगभग यह स्पष्ट हो गया है कि महाराष्ट्र का अगला मुख्यमंत्री भाजपा से होगा।

बिहार में सीएचओ की परीक्षा रद्द, ईओयू ने 12 सेंटर पर छापेमारी की, 37 को गड़बड़ी के आरोप में पकड़ा

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। पटना

बिहार में सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी के 4500 पदों पर ली जा रही परीक्षा में गड़बड़ी हुई है। बिहार पुलिस की आर्थिक अपराध इकाई की टीम ने एक साथ 12 सेंटर पर छापेमारी की। जांच के बाद जो मामले सामने आए, वह हैरान करने वाले थे। सॉल्वर गैंग इस परीक्षा में गड़बड़ी कर रहे थे। इसमें सेंटर संचालकों की भी मिलीभगत थी। ईओयू ने गड़बड़ी करने के आरोप में शाइन टेक प्राइवेट लिमिटेड के लोगों, ऑनलाइन परीक्षा केंद्रों के प्रमुखों, ऑनलाइन परीक्षा केंद्रों के आईटी प्रबंधकों, परीक्षा समन्वयकों और आईटी सहायक कर्मचारियों सहित 37 लोगों को हिरासत में लिया है। बताया जा रहा है कि सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी के लिए आयोजित किया गया। तीन ऑनलाइन परीक्षा केंद्रों पर जांच के दौरान, यह पाया गया कि प्रॉक्सी सर्वर, रिमोट व्यूइंग एप्लिकेशन और सॉफ्टवेयर का उपयोग करके, एक सॉल्वर गिरोह को वास्तविक समय में ऑनलाइन आधारित परीक्षा तक अनधिकृत पहुंच प्रदान की गई थी। बता दें कि पूरे बिहार में ष्टाह्र के 4500 पदों पर बहाली होनी थी। पटना में 12 सेंटरों पर छापेमारी के दौरान संदिग्धों के पास से व्हाट्सएप चैट, ईमेल, ऑडियो मिले हैं। इसमें परीक्षा में गड़बड़ी के सबूत मिले। इसके बाद परीक्षा रद्द की गई।

गाजियाबाद के अधिवक्ताओं का आंदोलन हुआ तेज

- फर्जी मुकदमों के खिलाफ गिरफ्तारी देने पहुंचे वकील

जन एक्सप्रेस । गाजियाबाद

गाजियाबाद जिला जज कोर्ट में वकीलों पर हुए लाठी चार्ज के विरोध में प्रदेशव्यापी आंदोलन के बीच गाजियाबाद में वकीलों ने कार्य बहिष्कार करके पहले न्यायालय परिसर पर इकट्ठा हुए और एक साथ दोपहर बाद कविनगर थाने पर पहुंचकर गिरफ्तारी देने का ऐलान किया। ज्ञातव्य हो कि एक मुकदमे के दौरान वरिष्ठ वकीलों और जिला जज की आपसी कहासुनी 29 अक्टूबर को किसी मामले की सुनवाई के दौरान हो गई थी। जिसके बाद लगातार आक्रोश बढ़ने पर सूचना के बाद पहुंची पुलिस द्वारा लाठीचार्ज किया गया। जिसके बाद से ही पूरे जनपद सहित प्रदेश के वकीलों की हड़ताल क्रमबद्ध तरीके से चल रही है। बार एसोसिएशन के सचिव अमित नेहरा के अनुसार वकीलों के आंदोलन के दौरान अधिवक्ताओं को डराने के उद्देश्य से फर्जी मुकदमे करवाया जा रहा है। श्री नेहरा ने कहा कि शुक्रवार को ही कविनगर थाना क्षेत्र में 44 नामजद और 80 अज्ञात अधिवक्ताओं पर केस दर्ज किया गया है। जिसका गाजियाबाद बार एसोसिएशन विरोध करती है। वकील 1 महीने से ज्यादा अपने मांगों के समर्थन में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। लेकिन जबतक लाठी चार्ज करने वाले पुलिसकर्मियों के निलंबन और जिला जज अनिल कुमार नहीं हटाए जाते अथवा निलंबित नहीं किए जाते तबतक अधिवक्ताओं का आंदोलन चलता रहेगा। गाजियाबाद में वकीलों ने रजिस्ट्री, टैक्स और न्यायालय तीनो जगह के अधिवक्ताओं को साथ लेकर मार्च करते हुए कविनगर थाने पर कुच कर दिया और प्रशासन को गिरफ्तार करने की चुनौती दे दिया।

डाकघरों पर 'नटवरलाल' का साया, पहले बंद पड़े 606 जमा खाते चालू किए, फिर कर दिए बंद, 18.60 करोड़ का गबन

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), अहमदाबाद जोनल कार्यालय ने एक ऐसे मामले का खुलासा किया है, जिसमें आरोपी सब पोस्टमास्टरों ने निजी व्यक्तियों के साथ मिलकर सरकारी राशि के दुरुपयोग की साजिश रची। खास बात है कि यहां पर नटवरलाल की भूमिका सरकार डाकघरों के अधिकारियों ने निभाई। आरोपियों ने पहले डाक विभाग में बंद पड़े 606 आवर्ती जमा खातों की लिस्ट निकाली। उन्हें दोबारा से चालू किया। कुछ समय बाद उन्हें फिर से बंद कर दिया। इस जालसाजी के खेल में 18.60 करोड़ रुपये का गबन हो गया।

वित्तीय संस्थानों की ऋण वसूली: जनसामान्य पर बढ़ता दबाव और निजी रिकवरी की बढ़ती गुंडई जिम्मेदार कौन?

जन एक्सप्रेस । गाजियाबाद

देश की अर्थव्यवस्था को बनाए रखने में वित्तीय संस्थान महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वर्तमान केंद्र सरकार द्वारा सुगम और सस्ता के साथ साथ हर तबके को ऋण आसानी से मिले उसके लिए प्रयासरत है। प्रधानमंत्री आवास योजना में 2 लाख 67 हजार तक की छूट की योजना सबसे बड़ी सरकारी पहल थी। लेकिन बदले माहौल और कोविड के कारण बड़े पैमाने पर नागरिकों की आय व्यय में बड़ा अंतर आया है। बेरोजगारी और आय की सीमा पहले से कम हुई है। जिसके लिए आम आदमी तमाम प्रकार के निजी कंपनियों के मकड़जाल योजनाओं में फंस गए हैं। जो इनके जीवन के लिए भी घातक साबित होने लगा है। निजी फाइनेंस कंपनियों के ऋण वसूली की प्रक्रिया अक्सर जनसामान्य के लिए एक गंभीर चुनौती बन जा रही है। हाल के वर्षों में, दिल्ली-एनसीआर में ऐसी घटनाओं की संख्या बढ़ी है, जहां ऋण वसूली के दबाव में लोग मानसिक और सामाजिक समस्याओं का सामना कर रहे हैं। यहां तक कि अपनी इहलीला तक समाप्त कर लिया।

वित्तीय संस्थानों का दबाव और इसकी प्रक्रिया

ऋण वसूली के लिए वित्तीय संस्थान अक्सर निजी एजेंसियों का सहारा लेते हैं। ये एजेंसियां ग्राहकों पर भुगतान का दबाव बनाने के लिए कड़े कदम उठाती हैं, जिनमें बार-बार कॉल, धमकी भरे संदेश, और यहां तक कि शारीरिक रूप से दबाव डालने के मामले भी शामिल हैं। कई बार यह प्रक्रिया मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव डालती है, जिससे कर्जदार आत्महत्या जैसे कदम उठाने पर मजबूर हो जाते हैं। इसमें ख़ासकर लकड़ियों और महिलाओं को नियुक्त किया जाता है। इसके सहयोग के लिए फील्ड बॉय के रूप में दबंग और असभ्य कम पढ़े लिखे और शारीरिक बल दिखाने वाले दबंगों को रखा जाता है। जिनके अपराधिक इतिहास की कितनी जांच निजी एजेंसी करवाती है वह तो वित्तीय संस्थान बता सकती हैं या निजी एंजेसी जो ऐसे दबंगों को प्रश्रय देकर ऋण वसूली के कार्य करती है ।

दिल्ली-एनसीआर में घटनाओं की बढ़ती संख्या

दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में हालिया रिपोर्टों के अनुसार, 2023 में ऋण वसूली के दबाव से जुड़े आत्महत्या के मामलों में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है । जिसमें लगभग 18 प्रतिशत तक की वृद्धि की बात सामने आई है। जनवरी से नवंबर 2023 तक ढेरो मामले से अधिक मामले दर्ज हुए हैं, जहां लोग ऋण वसूली के दबाव में अपनी जान गंवा चुके हैं अथवा कोशिश किए हैं। मानसिक तनाव विशेषज्ञों का मानना है कि ऋण वसूली प्रक्रिया में वित्तीय बैंकिंग सेवा देने वाली और गैर वित्तीय संस्थानों सहित। उनके संरक्षण में चलने वाली निजी कंपनियों के दबाव वाली रिकवरी में तरीकों के कारण, लगभग 40त्न लोग मानसिक तनाव और अवसाद से जूझ रहे हैं। कुछ तो अवैध वसूली तक का शिकार ऐसी संस्थानों अथवा निजी कंपनियों के कर्मियों के हो जाते हैं। जो डर करके और सामाजिक लोकलाज के कारण पुलिस तक की सहायता लेने से बचते हैं।

ऋण वसूली और उसपर कानूनी और नैतिक पहलू

भारतीय रिज़र्व बैंक आम नागरिकों को शोषण से बचाने के लिए वित्तीय संस्थानों और ऋण वसूली एजेंसियों के लिए सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इनमें ग्राहक की गरिमा बनाए रखने, धमकी देने से बचने और कानूनी प्रक्रिया का पालन करने पर जोर दिया गया है। हालांकि, जमीनी हकीकत इससे अलग है। इस मामले में पुलिस और प्रशासन की भूमिका अक्सर लापरवाही ही देखने को मिलती है। दूसरे लोकलाज के3 चलते शिकायतकर्ता आगे नहीं आते हैं। जिसका फायदा वित्तीय संस्थान और रिकवरी एजेंसी उठाते हैं। इस मामले में अगर हम न्यायपालिका को देखे तो हाल ही में दिल्ली हाईकोर्ट ने एक मामले में ऋण वसूली एजेंसी पर कड़ी टिप्पणी करते हुए इसे अत्यधिक अमानवीय प्रक्रिया करार दिया है ।

ऋण वसूली और समाज पर प्रभाव

ऋण वसूली की प्रक्रिया का सबसे गहरा असर निम्न और मध्यम आय वर्ग के लोगों पर पड़ता है।

पारिवारिक कलह: वसूली के दबाव के कारण परिवारों में झगड़े और विघटन के मामले बढ़ रहे हैं।

आर्थिक अस्थिरता: कर्ज चुकाने में असमर्थता के कारण कई लोग अपनी संपत्तियां और रोजगार खो रहे हैं।

सामाजिक प्रभाव: ऋण वसूली प्रक्रिया से उत्पन्न तनाव समाज में असुरक्षा और अपराध दर को भी बढ़ा रहा है।

राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने बिजली प्रबंधन और सरकार को दी खुली चुनौती

- विद्युत वितरण कंपनियों के क्षेत्र को बताया साजिश
- अधिकारियों से मांगा जवाब , नीयत में खोट नहीं तो जवाब दो

जन एक्सप्रेस । गाजियाबाद

पूर्वांचल और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के पीपीपी मॉडल के तहत निजी क्षेत्र के साथ साझेदारी को लेकर बिजली कर्मचारियों सहित बिजली कर्मचारी संगठन अपनी रणनीति बनाने में जुट गये हैं। जबकि पॉवर कारपोरेशन प्रबंधन जनपदों के जिला अधिकारियों, पुलिस प्रमुखों सहित अन्य विभागों के प्रमुखों को हड़ताल की संभ्वनाऊंसे निबटने के प्रयास शुरू करने के निर्देश जारी का दिये है। जबकि उत्तर प्रदेश राज्य उपभोक्ता परिषद ने पावर कारपोरेशन को बहस की चुनौती देते हुए सार्वजनिक स्थान पर एक स्वतंत्र हाई लेबिल कमेटी के सामने दोनों की सरकार करा लेनें की बात कही है। उपभोक्ता परिषद की माने तो वह यह सिद्ध कर देगा निजीकरण उपभोक्ता विरोधी है। जबकि हर पहलू पर सिद्ध कर देगा इससे प्रदेश का कितना बड़ा नुकसान होगा। उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा है कि उपभोक्ताओं के बिजली कंपनियों पर निकले सर प्लस 33122 करोड़ सरकारी सब्सिडी किसने की , फ्री बिजली सर प्लस के एवज में अगले 5 वर्षों तक बिजली दरों में कोई बढ़ोतरी नहीं होने देने से बिजली कंपनियों पर रुपया 65909 करोड़ जो बिजली बिल का बकाया है उसे निजी कंपनी क्या वसूल कर वापस करेगी? श्री वर्मा ने कहा कि टोरेंट पावर जो आज के 14 साल पहले सरकार द्वारा निजी क्षेत्र में फ्रेंचाइजी के रूप में दिया गया था टोरेंट पावर ने उसे समय का बिजली बकाया 2200 करोड़ वसूल कर पावर कारपोरेशन को एग्रीमेंट की शर्तों के तहत क्यों नहीं दिया क्या इस पर कोई देगा जवाब। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने दक्षिणांचल पूर्वांचल के निजीकरण पर सवाल उठाते हुए कहा उत्तर प्रदेश सरकार को यह भी बताना चाहिए कि निजीकरण के बाद सब्सिडी का क्या होगा उत्तर प्रदेश की सभी बिजली कंपनियों पर प्रदेश के विद्युत उपभोक्ताओं का लगभग 33122 करोड़ सर प्लस है , यदि उसको चार भागों में बांट दिया जाए तो दक्षिणांचल और पूर्वांचल पर लगभग 16000 करोड़ के आसपास उपभोक्ताओं का निकलेगा ऐसे में उसे क्षेत्र के विद्युत उपभोक्ताओं को सर प्लस धन की अदायगी कौन करेगा इन सब सवालों पर जवाब देना होगा दूसरा क्या निजी घराने किसानों को फ्री बिजली का लाभ देंगे और यदि देंगे तो नोएडा पावर कंपनी किसानों को फ्री बिजली का लाभ क्यों नहीं दे रही है । क्या उत्तर प्रदेश सरकार किसी निजी घराने को सब्सिडी देगी एक और बहुत महत्वपूर्ण सवाल है कि क्या दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम से पावर कारपोरेशन को उपभोक्ताओं से 24947 करोड़ बकाया लेना है और पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम में पावर कारपोरेशन को 40962 करोड़ लेना है यानी कुल रुपया 65909 करोड़ उपभोक्ताओं से वसूलकर व पावर कारपोरेशन को वापस करेगा और यदि वापस करेगा तो टोरेंट पावर को जब पावर कारपोरेशन ने फ्रेंचाइजी के रूप में दिया तो आज तक लगभग 2200 करोड़ रूपया टोरेंट ने वसूल कर पावर कारपोरेशन को वापस क्यों नहीं दिया। निजी घराने आने के बाद क्या उत्तर प्रदेश में सरप्लस के एवज में अगले 5 वर्षों तक बिजली दरों में कोई भी बढ़ोतरी नहीं होगी। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष व राज्य सलाहकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने कहा अनेकों ऐसे सवाल है। जिनका उत्तर प्रदेश सरकार व पावर कॉरपोरेशन को जवाब देना चाहिए उपभोक्ता परिषद पावर कारपोरेशन को खुली बहस की चुनौती देता है और मैं चाहूंगा कि सरकार एक निष्पक्ष हाई लेवल कमेटी बनाये और उसके सामने पावर कॉरपोरेशन और उपभोक्ता परिषद की बहस का सार्वजनिक स्थान पर आयोजन करें उपभोक्ता परिषद सिद्ध कर देगा कि निजीकरण उपभोक्ताओं के हित में नहीं है और उपभोक्ता परिषद पावर कारपोरेशन के लिए डिस्काम सुधार योजना देने को तैयार है अनेकों बार उपभोक्ता परिषद डिस्कॉम सुधार योजना देने की बात कर चुका है लेकिन पावर कॉरपोरेशन चुपी साध लेता है। उपभोक्ता परिषद अध्यक्ष ने तत्कालीन ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा को सार्वजनिक क्षेत्र में डिस्काम सुधार योजना का एक प्रस्ताव दिया था लेकिन पावर कॉरपोरेशन उसे पर सीरियस नहीं हुआ आज भी पावर कॉरपोरेशन यदि चाहे तो उपभोक्ता परिषद डिस्कोम सुधार योजना देने को तैयार है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशकः अरुण कुमार त्रिपाठी द्वारा ए0वी0बी0 रेप्रोग्राफिक्स, ए-59, इंडस्ट्रियल एस्टेट, ताल कटोरा, लखनऊ से मुद्रित तथा अय्यूब कॉम्प्लेक्स, 82/68, गुरु गोविन्द सिंह मार्ग, लखनऊ पिन-226004, उ0प्र0 से प्रकाशित। संपादकः अरुण कुमार त्रिपाठी, (प्रबंध संपादक- मनोज तिवारी) (राज्य ब्यूरो प्रमुखः संतोष कुमार दीक्षित) आर.एन.आई. पंजीयन संख्या : UPHIN/2009/30003, फोन नं.: 0522-4330955 मोबाइल नं. 8933805555, (नोटः सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ स्थित न्यायालय होगा।)